Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 30 May 2024 ● Year : 02 ● Issue : 131 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

आपके पास पचास मित्र हैं, यह अधिक नहीं है। आपके पास एक शत्रु है, यह बहुत अधिक है। मतलब साफ है कि आप मित्र और शत्रु को पहचानें।

Priyanka Chopra Takes a Selfie...

SHARE

सेंसेक्स	:	74,502.90
निफ्टी	:	22,704.70

SARAFA

सोना	:	6,875
चांदी	:	99.99

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पीएम के कन्याकुमारी में ध्यान करने पर विपक्ष हमलावर

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कन्याकुमारी के रॉक मेमोरियल पर ध्यान लगाने की खबर के सामने आने बाद विपक्ष हमलावर हो गया है। राज्यसभा सांसद और पूर्व कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर पीएम वहां प्रायश्चित करने जा रहे हैं, तो अच्छा है। क्योंकि, जिस इंसान को विवेक का अर्थ ही नहीं पता, वह क्या ध्यान लगाएगा। वहीं, टीएमसी सुप्रीमो और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर नरेंद्र मोदी के इस ध्यान को टेलिविजन पर दिखाया गया तो उनकी पार्टी इलेक्शन कमीशन में शिकायत दर्ज कराएगी। ममता का कहना है कि ध्यान का टेलिकास्ट करने से आचार संहिता का उल्लंघन होगा। पीएम मोदी का 30 मई की शाम तक तमिलनाडु के कन्याकुमारी पहुंचने का कार्यक्रम है।

लैंड फोर जॉब : लालू की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

PATNA : रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले में लालू यादव और उनके परिवार की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ सकती हैं। इस मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई को अंतिम चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके लिए कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाते हुए 7 जून तक का समय दिया है। इसी दिन मामले की अगली सुनवाई होगी। इस मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्य दोषी हैं। दरअसल, बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में नौकरी के लिए जमीन मामले की सुनवाई होनी थी। लेकिन सीबीआई ने मामले में चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय मांगा। इसके चलते कोर्ट में सुनवाई टल गई। साथ ही कोर्ट ने सीबीआई द्वारा हर तारीख पर चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय मांगने पर नाराजगी जताई और कहा कि हर बार सुनवाई में यही कहा जाता है कि चार्जशीट दाखिल करने का काम अंतिम चरण में है।

जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे बिभव

NEW DELHI : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार की तरफ से दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल की गई जमानत याचिका पर 31 मई को सुनवाई होगी। बिभव ने बुधवार को याचिका लगाकर गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए मुआवजे और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच की भी मांग की थी। 27 मई को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने बिभव की जमानत याचिका खारिज की थी। 28 मई को बिभव को कोर्ट ने 3 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा था। बिभव पर आप की राज्यसभा सांसद से सीएम हाउस में मारपीट का आरोप है। स्वाति मालीवाल की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें 18 मई को सीएम हाउस से ही गिरफ्तार किया था। बिभव कुमार ने 25 मई को ट्रायल कोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी, जिसपर 27 मई को सुनवाई हुई।

दिल्ली की भीषण गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड, 52 डिग्री पार पहुंचा पारा

बेरहम सितम

AGENCY NEW DELHI : बुधवार को दिल्ली की भीषण गर्मी ने देश में अब तक के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। इतिहास में पहली बार पारा 52 के पार चला गया। दिल्ली के मुंगेशपुर में अधिकतम तापमान 52.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा कई अन्य इलाकों में तापमान 50 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है। वास्तव में गर्मी का इसे बेरहम सितम ही कहा जाएगा। गनीमत रही की कुछ देर बाद ही मौसम ने करवट ली और आसमान में बादल छा गए, जिससे दिल्ली-एनसीआर के लोगों के राहत की सांस ली। मुंगेशपुर उत्तरी पूर्वी दिल्ली इलाके में है, जहां अब तक की सबसे भीषण गर्मी पड़ी। यह दिल्ली के बाहरी इलाके में स्थित गांव है, जो दिल्ली के केंद्र कनॉट प्लेस से करीब 50 किलोमीटर दूर है। यहां जवाहर नवोदय विद्यालय में स्थित मौसम केंद्र में यह तापमान रिकॉर्ड किया गया। दोपहर 2:30 मिनट पर यह तापमान दर्ज किया गया।

भारत में आज तक किसी इलाके में कभी नहीं हुआ ऐसा हाई टेंपरेचर

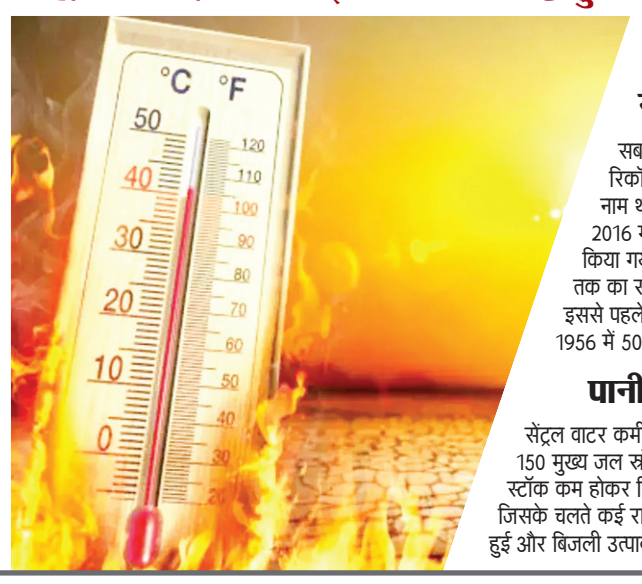

राजस्थान के नाम था रिकॉर्ड

सबसे अधिक तापमान का रिकॉर्ड अब तक राजस्थान के नाम था। राजस्थान के फलौदी में 2016 में 51 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जोकि देश का अब तक का सबसे ऊंचा तापमान था। इससे पहले राजस्थान के अलवर में 1956 में 50.6 तक पारा पहुंचा था।

पानी की किल्लत

सेंट्रल वाटर कमीशन के मुताबिक, देश के 150 मुख्य जल स्रोतों में पिछले हफ्ते पानी का स्टॉक कम होकर सिर्फ 24 फीसदी रह गया, जिसके चलते कई राज्यों में पानी की किल्लत हुई और बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ।

झारखंड के 17 जिलों में पारा 40 डिग्री से अधिक

अगले दो दिनों तक गर्मी से किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नहीं, येलो अलर्ट जारी

RANCHI : भीषण गर्मी ने लगभग पूरे झारखंड को भी अपनी आगोश में ले लिया है। गर्मी के सितम से पूरा प्रदेश हलकान हो गया है। अगले दो दिनों तक गर्मी से राहत की कोई संभावना नहीं है। मौसम केंद्र रांची के अनुसार, एक जून तक गढ़वा पलामू चतरा में हीट वेव चलने की संभावना है। राज्य के 17 जिलों में एक बार फिर तापमान 40 के पार पहुंच चुका है। मौसम केंद्र के अनुसार, अगले 48 घंटे तक ऐसे ही मौसम के बने रहने के आसार हैं। रांची के तापमान में भी करीब 4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई और अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मई माह में यह दूसरा मौका है कि राजधानी का तापमान 40 के पार पहुंचा है। तपती गर्मी को लेकर मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। वहीं गर्मी से गढ़वा में सैकड़ों चमगादड़ों की मौत हो गई है।

डालटनगंज में तापमान 47.5 डिग्री

राज्य में सर्वाधिक 47.5 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज का रिकॉर्ड किया गया है, जो कि 6 मई 1978 के 47.8 डिग्री सेल्सियस से 0.3 डिग्री ही कम है। जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री रहा. वहीं गढ़वा का अधिकतम तापमान 47.2, लातेहार का 42.7, लोहरदगा का 43.7, चतरा का 43.7, रामगढ़ का 43, गुमला का 43.3, बोकारो 40.5, देवघर का 40.8, गिरिडीह 40.4, हजारीबाग का 43.9 , सरायकेला 42.2, गोड्डा 37.2 और चाईबासा का 43.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गढ़वा में सैकड़ों चमगादड़ों की मौत की आशंका गर्मी के कारण जताई जा रही है। फिलहाल इसकी जांच की जा रही है।

हैवानियत : चार दरिंदों ने दिया घटना को अंजाम

सेना के जवान की पत्नी के साथ सामूहिक दुष्कर्म

नामकुम में घर बनवा रही थी पीड़िता, लद्दाख में पोस्टेड है पति

- 27 मई की रात 12 की घटना
- ग्रामीण एसपी और डीएसपी पीड़िता से मिले, ली मामले की पूरी जानकारी
- पुलिस ने कुछ स्थानीय संदिग्धों को लिया हिरासत में

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची में सेना के जवान की पत्नी के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला का पति लद्दाख में पोस्टेड है। गैंगरेप की यह घटना नामकुम थाना के खरसीदाग ओपी क्षेत्र के लाल खटंगा पोखरटोली की है। महिला के बयान पर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस एक्टिव हुई। घटना 27 मई की रात की ही है। एफआईआर दर्ज होने के बाद ग्रामीण एसपी, डीएसपी और नामकुम थाना प्रभारी पीड़ित से मिले और मामले की पूरी जानकारी ली। इसके बाद उसका मेडिकल कराया गया है। बताया जाता है कि महिला की लाल खटंगा के पोखरटोली में जमीन है। वहां वह रहकर घर बनवा रही थी। उसी निमाणार्धीन घर में वह अपने सात साल और चार माह के बच्चे के साथ रह भी रही थी। जानकारी के मुताबिक, 27 मई की रात 12 से एक बजे के बीच चार युवकों ने महिला को बंधक बना कर उसके साथ गैंगरेप किया। 28 मई की सुबह पीड़ित की बहन का फोन उसके घर के बगल में रहने वाले युवक के पास आया। बहन से दीदी से बात कराने की बात कही। इसके बाद जब युवक पीड़ित महिला के घर पहुंचा तो महिला ने सारी बात बताई।

पानी लेने निकली थी पीड़िता दो युवक जबरन घर में घुस गए

पीड़ित महिला के मुताबिक, रात में लाइट कटी हुई थी। वह पानी लेने निकली थी कि दो युवक जबरन घर में घुस गए। इसके बाद युवकों ने धमकी भी दी की अगर शोर मचाया तो बच्चों को मार देंगे। इसके बाद दोनों युवकों ने दो अन्य युवकों को बुला लिया और घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने महिला के कपड़े फाड़ डाले और मोबाइल भी तोड़ दिया था।

ठेका देने को लेकर विवाद की बात आई सामने

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जिस जगह पर घर बन रहा है, वहां के कुछ स्थानीय युवकों के साथ सेना के जवान और उसकी पत्नी के बीच विवाद हुआ था। युवकों का कहना था कि हम लोग स्थानीय हैं, ऐसे में घर बनाने का ठेका हमें दिया जाए। काफी विवाद के बाद सेना के जवान ने युवकों को ठेका भी दे दिया था। पर निर्माण के दौरान गड़बड़ियों की वजह से मकान बनाने का ठेका वापस ले लिया था। इस वजह से भी युवक नाराज थे। आशंका है कि उन्हीं युवकों ने घटना को अंजाम दिया होगा। घटना की जानकारी होने के बाद एक्टिव हुई पुलिस ने कुछ स्थानीय संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की है। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल के मुताबिक जहां पीड़ित महिला का घर है, उसके आस-पास सीसीटीवी कैमरा नहीं है।

सीएम केजरीवाल की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका नामंजूर

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की याचिका लेने से मना कर दिया है। अब उन्हें 2 जून को तिहाड़ जेल वापस जाना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केजरीवाल को नियमित जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने की छूट दी गई है, इसलिए याचिका स्वीकार नहीं की जा रही है। केजरीवाल को 10 मई को जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की अदालत से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्हें 2 जून को तिहाड़ जेल में सरेंडर करने को कहा गया था। दिल्ली की लोकल कोर्ट ने 28 मई को केजरीवाल के खिलाफ ईडी की सप्लिमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लेने के अपने आदेश को 4 जून तक सुरक्षित रख लिया है। ईडी ने 17 मई को राउज एवेन्यू कोर्ट में 18वीं सप्लिमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें केजरीवाल और आप को आरोपी बनाया था। आम आदमी पार्टी ने सोमवार को दलील दी थी कि गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल का वजन 7 किलो कम हो गया है और उनका कीटोन लेवल हाई है, जो किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। अअद ने यह भी कहा था कि डॉक्टरों ने केजरीवाल को पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी और कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पीईटी-सीटी) स्कैन और कुछ दूसरे मेडिकल टेस्ट कराने की सलाह दी थी, जिसके कारण उन्होंने अपनी अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की है।

चुनावी जनसभा में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पीएम नरेंद्र मोदी।

जनता देख रही 60 सालों की दुर्गति और 10 वर्षों की प्रगति : पीएम मोदी

AGENCY KOLKATA : बुधवार को लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम सातवें चरण के तहतलिए पप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना के मथुरापुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ममता बनर्जी की सरकार और कांग्रेस पर एक साथ निशाना साधा। मोदी ने दावा किया कि भाजपा को इस लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी जीत पश्चिम बंगाल में मिलेगी। मोदी ने इस रैली के मंच से तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा है। मोदी ने जनता के सामने अपनी उपलब्धियां का बखान करते हुए कहा कि जनता 10 साल की प्रगति और 60 साल की दुर्गति को देख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत जय मां दुर्गा और जय मां काली के उद्घोष के साथ की। उन्होंने कहा कि रैली में आई लोगों की भीड़ बता रही है कि भाजपा की कितनी प्रचंड जीत होनी जा रही है।

खास बातें

- बंगाल में भाजपा की होगी प्रचंड जीत
- देश में फिर एक बार मोदी सरकार बनाने की अपील

टेंडर कमीशन घोटाला मामले में ईडी ने बुलाया

आईएएस मनीष रंजन से 3 जून को फिर होगी पूछताछ

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में टेंडर कमीशन घोटाला मामले की जांच ईडी कर रहा है। इस मामले में ईडी ने आईएएस मनीष रंजन से मंगलवार को करीब आठ घंटे तक पूछताछ की। ईडी ने मनीष रंजन को दुबारा तीन जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। घोटाले की जांच के क्रम में इसी छह मई को मंत्री आलमगीर आलम के पीएस रहे संजीव लाल और उसके नौकर जहांगीर के फ्लैट से ईडी को कई दस्तावेज हाथ लगे हैं। उसमें कमीशन की राशि किन-किन लोगों को जाती थी, इसका पूरा विवरण मौजूद है। ईडी ने इस संबंध में भी सवाल-जवाब किये। लेकिन मनीष रंजन ने इन सभी सवालों पर अपनी अनभिज्ञता जताई। ईडी ने उन्हें मंत्री आलमगीर आलम के समक्ष बैठाकर भी कई सवाल किये। लेकिन ईडी के सवालों पर दोनों ने चुप्पी साध ली।

घर व प्रतिष्ठान में बंद था ताला, टीम ने अंदर की जांच

गोड्डा में कारोबारी के ठिकानों पर आईटी रेड, 50 लाख कैश बरामद

PHOTON NEWS GODDA : गोड्डा मुख्य बाजार स्थित प्रसिद्ध कारोबारी अरुण टेकरीवाल के आवास व कपड़े के प्रतिष्ठान में आयकर विभाग की गहन छापेमारी दूसरे दिन जारी रही। छापेमारी के दौरान आयकर को 50 लाख से अधिक नगद कैश के बरामद होने की सूचना है। हालांकि इस बात की पुष्टि विभाग के अधिकारियों में नहीं कि है। टीम में शामिल आईटी के 6 से 7 पदाधिकारी भागलपुर रेंज के बताए जा रहे है। 24 घंटे से लगातार छापेमारी के दौरान टीम अरुण टेकरीवाल से जुड़े विभिन्न व्यवसाय के लेन देन के कागजात आदि को खंगाला। आईटी की टीम व्यवसायी के आवास व प्रतिष्ठान दोनों के अंदर जांच की। छापेमारी के दौरान किसी के आवागमन पर पूरी तरह से पाबंदी थी।

- अरुण टेकरीवाल से जुड़े विभिन्न व्यवसायों के लेन-देन के कागजात को भी खंगाला
- किसी के आवागमन पर पूरी तरह से थी पाबंदी

इसी दुकान में हुई छापेमारी।

मोदी ने भरी अरबपतियों की जेब, हम सीधे गरीबों को देंगे पैसा : राहुल गांधी

LUDHIANA : बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लुधियाना में दाखा की दाना मंडी में चुनावी रैली को संबोधित किया। इसके बाद पटियाला पहुंचे। वहां भी जनसभा को संबोधित किया। कहा कि 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों का कर्ज माफ करेंगे। किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी देंगे। किसानों को बीमा का पैसा 30 दिन के भीतर मिलेगा। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार की अग्निवीर स्कीम सेना पर आक्रमण है। इससे 2 तरह के शहीद बनाए जा रहे हैं। सरकार बनने पर अग्निवीर स्कीम को फाड़कर कूड़ेदान में फेंक देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी ने पैसा अरबपतियों की जेब में डाला,

इन्होंने यह पैसा लंदन, दुबई और विदेशों में खर्च किया। लेकिन हम किसानों, महिलाओं और बुजुर्गों के खाते में पैसा डालेंगे। इससे पैसा मार्केट में आएगा। इसका फायदा यह होगा कि जीएसटी की वजह से जो कंपनियां बंद हो गई हैं, वह खुल जाएंगी। इससे लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

सैन्य सशक्तता फ्रांस के साथ 50 हजार करोड़ की होनी है डील

नेवी के लिए खरीदे जाएंगे 26 राफेल-एम फाइटर जेट

AGENCY NEW DELHI : भारत अपनी सैन्य सशक्तता के लिए हर मोर्चे पर मजबूती से प्रयास कर रहा है। अपडेट जानकारी के अनुसार भारत नेवी के लिए फ्रांस से 26 राफेल-एम फाइटर जेट खरीदने की डील करने जा रहा है। इसकी चर्चा के लिए फ्रांस सरकार और दसॉ कंपनी के अधिकारी भारत आ रहे हैं। वे रक्षा मंत्रालय की कॉन्ट्रेक्ट नेगोशिएशन कमेटी से डील को लेकर चर्चा करेंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 50 हजार करोड़ की इस डील के तहत फ्रांस राफेल-एम जेट के साथ हथियार, सिमुलेटर, क्रू के लिए ट्रेनिंग और लॉजिस्टक सपोर्ट भी मुहैया कराएगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मीटिंग में नेवी के अधिकारी भी शामिल रहेंगे। वे इस वित्तीय वर्ष के अंत तक फ्रांस के साथ बातचीत पूरी करने और डील पर हस्ताक्षर करने का प्रयास करेंगे। नेवी के लिए खरीदे जा रहे 22 सिंगल सीट राफेल-एम जेट और 4 डबल ट्रेनर सीट राफेल-एम जेट हिंद महासागर में चीन से मुकाबले के लिए आईएनएस विक्रांत पर तैनात किए जाएंगे।

हिंद महासागर में होगी तैनाती, फ्रांस सरकार और दसॉ कंपनी के अधिकारी आ रहे हैं भारत

हवाई हमले के लिए किया गया है डिजाइन

राफेल का एम वर्जन भारत में मौजूद राफेल फाइटर जेट्स से एडवांस्ड है। इसका इंजन ज्यादा ताकतवर है, इसलिए यह फाइटर जेट आईएनएस विक्रांत से स्की जंप कर सकता है। यह बहुत कम जगह पर लैंड भी कर सकता है। इसे शॉर्ट टेक ऑफ बट एरेस्टर लैंडिंग कहते हैं। राफेल के दोनों वैरिएंट में लगभग 85 प्रतिशत कॉम्पोनेंट्स एक जैसे हैं। इसका मतलब है कि स्पेयर पार्ट्स से जुड़ी कभी भी कोई कमी या समस्या नहीं होगी। यह 15.27 मी. लंबा, 10.80 मी. चौड़ा, 5.34 मी. ऊंचा है। इसका वजन 10,600 किलो है। इसकी रफ्तार 1,912 किमी है। इसकी 3700 किमी की रेंज है। यह 50 हजार फीट ऊंचाई तक उड़ता है। यह एंटीशिप स्ट्राइक के लिए सबसे बढ़िया माना जा रहा है। इसे न्यूक्लियर प्लांट पर हमले के नजरिए से भी डिजाइन किया गया है।

- रक्षा मंत्रालय की कॉन्ट्रेक्ट नेगोशिएशन कमेटी से डील को लेकर होगी चर्चा
- रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मीटिंग में नेवी के अधिकारी भी होंगे शामिल

आईएनएस विक्रांत का समुद्री परीक्षण शुरू

आईएनएस विक्रांत के समुद्री परीक्षण शुरू हो चुके हैं। उसके डैक से फाइटर ऑपरेशन परखे जाने बाकी हैं। सौदे पर मुहर लगने के कम से कम एक साल तक तकनीकी और लागत संबंधी औपचारिकताएं पूरी होंगी। एक्सपर्ट का कहना है कि नौसेना के लिए राफेल इसलिए भी उपयुक्त है, क्योंकि वायुसेना राफेल के रखरखाव से जुड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर चुकी है। यही नौसेना के भी काम आएगा। इससे काफी पैसा बच जाएगा। सूत्रों का कहना है कि राफेल-एम की पहली खेप आने में 2-3 साल लग सकते हैं।

तेज रफ्तार वाहन नहर में गिरा, एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

MUMBAI : सांगली में तासगांव-मनेराजुरी रोड पर चिंचनी इलाके में बीती रात एक तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर नहर में गिर जाने से एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में एक महिला घायल है, जिसका इलाज नजदीकी अस्पताल में हो रहा है। पुलिस के अनुसार सांगली जिले के तासगांव निवासी राजेंद्र जगन्नाथ पाटिल किसी काम से मंगलवार को सपरिवार घर से बाहर गए थे। मंगलवार को देर रात करीब 12.30 बजे वे वापस घर लौट रहे थे कि अचानक चिंचनी के पास उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और नहर में गिर गया। इस घटना की जानकारी बुधवार को सुबह एक शख्स को हुई और उस शख्स ने गांव वालों को जानकारी दी। इसके बाद बुधवार को नहर में गिरे वाहन को किसी तरह बाहर निकाला गया।

पत्नी, मां, भाई सहित घर के लोगों को मार डाला

आठ लोगों की हत्या कर युवक ने भी लगाई फांसी

AGENCY CHHINDWARA : छिंदवाड़ा में परिवार के आठ लोगों की हत्या कर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना जिले के तामिया तहसील में थाना माहुलझिर के बोदल कछार गांव की है। परिवार के लोगों की हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तामिया तहसील में थाना माहुलझिर के बोदल कछार गांव में दिनेश उर्फ भूरा अपने परिवार के साथ रहता था। मंगलवार देर रात 2.30 बजे आरोपी दिनेश ने सबसे पहले अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से काटा फिर अपनी मां-बहन, भाई-भाभी और दो भतीजियों-भतीजे को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद दिनेश अपने ताऊ के घर पहुंचा और एक 10 साल बच्चे का जबड़ा काट दिया। इसके बाद दिनेश मौके से भाग गया। बच्चे की हालत गंभीर है।

खास बातें

- छिंदवाड़ा के तामिया तहसील में थाना माहुलझिर के बोदल कछार गांव में हुई घटना
- 10 साल के बच्चे का जबड़ा काटा, हालत गंभीर

BRIEF NEWS

दिशोम मांझी परगना के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

RAMGARH : संथाल समाज दिशोम मांझी परगना द्वारा 30 मई को 28वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में सूबे के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शामिल होंगे। रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र के हेसागढ़ा बुध बाजार फुटबॉल मैदान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी पूरी हो चुकी है। बुधवार को संथाल समाज दिशोम माँझी परगना के अध्यक्ष फागू बेसरा कार्यक्रम स्थल पहुंचकर समारोह को सफल बनाने के लिए तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संथालों के लिए बीते 30-31 मई 1997 में संथाल समाज दिशोम माँझी परगना नामक एक सामाजिक संगठन की स्थापना की गई थी। इसका 28वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पहले सड़क मार्ग से आने वाले थे। लेकिन अब हवाई मार्ग से हेलीकॉप्टर के माध्यम से समारोह स्थल पहुँचेंगे। जिसके लिए कार्यक्रम स्थल के निकट हेलीपैड बनवाया गया है।

खूंटी जेल में सेनेटरी पैड डिस्पेंसर मशीन का उद्घाटन

KHUNTI : नालसा और झालसा के निर्देश पर खूंटी के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष ऋषिकेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को उपकारा खूंटी में सेनेटरी पैड डिस्पेंसर मशीन का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जेल के कर्मचारियों को निर्देश दिया कि जेल के रख-रखाव और साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें। प्रधान जिला जज ने जेल में महिला और पुरुष कैदियों के वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने जेल के चिकित्सा केंद्र का भी जायजा लिया। यह जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी। इस मौके पर डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर, प्रभारी कारा अधीक्षक, अनुमंउल पदाधिकारी अनिकेत सचान, डीएलएसए के सहायक कर्मचारी अवनीश भारद्वाज के अलावा जेल के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खूंटी में पीएलएफआई उग्रवादी अमित टोपनो के बड़े भाई की हत्या

KHUNTI : जिला जेल में बंद प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई के सक्रिय उग्रवादी अमित टोपनो उर्फ पौलुस टोपनो के बड़े भाई 28 वर्षीय अंथोनी टोपनो की रनिया थाना क्षेत्र के जरकेल रंगरोड़ी गांव के पास हत्या कर दी गई। उसका शव बुधवार को रंगरोड़ी गांव के एक कुएं से मिला। जानकारी के अनुसार अंथोनी रविवार को सिदम गांव का मंडा मेला देखने गया था। इसके बाद से वह घर नहीं लौटा था। उसकी धारदार हथियार से हत्याकर शव को कुएं में डाल दिया था। घटना की सूचना पर रनिया थाना पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को पोटामार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

पत्नी से की छेड़खानी, तो पति ने उतार दिया मौत के घाट

KHUNTI : खूंटी जेल में बंद प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई के सक्रिय उग्रवादी अमित टोपनो उर्फ पौलुस टोपनो के बड़े भाई अंथोनी टोपनो (28) को एक महिला के साथ छेड़खानी करने के आरोप में हत्या कर दी गई। उसका शव बुधवार को रंगरोड़ी गांव के एक कुएं से बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही तोरपा के एसडीपीओ खिस्टोफर केरकेट्टा और रनिया के थाना प्रभारी विकास जयसवाल रंगरोड़ी गांव पहुंचे और हत्या के आरोपित थॉमस टोपनो को गिरफ्तार कर लिया और शव को पोटामार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार अंथोनी रविवार को सिदम गांव का मंडा मेला देखने गया था। उसके बाद से वह घर नहीं लौटा था। हत्याकांड के संबंध में एसडीपीओ खिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया कि अंथोनी शराब पीने के बाद थॉमस की पत्नी के साथ छेड़खानी कर रहा था। इससे उत्तेजित होकर थॉमस ने कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर अंथोनी की हत्या कर दी और शव को कुएं में डाल दिया। जानकारी के अनुसार अंन्थोनी तोपनो के छोटा भाई अमित टोपनो पस समय खूंटी जेल में बंद है।

दुमका की भाजपा उम्मीदवार सीता सोरेन के पक्ष में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की जनसभा

झारखंड में बालू माफिया, लैंड माफिया व लव जिहाद को राज्य सरकार का संरक्षण : जेपी नड्डा

PHOTON NEWS DEOGHAR : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को झारखंड के देवघर सारठ के पालाजोरी के खागा बड़जोरी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के समीप स्थित मैदान में दुमका लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरने के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। नड्डा ने इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए इसके नेताओं को भ्रष्टाचारी बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड में बालू माफिया, लैंड जिहाद और लव जिहाद को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है। इंडी गठबंधन वालों को आपसे कोई लेना देना-नहीं है। ये सब भ्रष्टाचारी हैं। झारखंड में झामुमो वाले जल, जंगल, जमीन की बात करके सत्ता में आए थे। आज जल के किनारे वाली बालू गायब हो रही है।

नड्डा ने कहा कि आज एक साधारण आदमी भी मान चुका है कि देश में आया बदलाव मोदी की देन है। आम आदमी का ये विश्वास किसी नेता को मुश्किल से ही मिलता है। उन्होंने कहा कि पहले लोग धर्म, जाति, स्थानीयता और भाषा आदि के आधार पर वोट करते थे। देश में अलग-अलग तरह के वाद थे लेकिन मोदी ने एक ही जाति, धर्म और वाद का नारा दिया और वो है विकासवाद का नारा। वे सबका साथ-सबका विकास की बात करते हैं। किसी एक जाति, समूह या धर्म के विकास का नारा उन्होंने कभी नहीं दिया।

देवघर में जनसभा को संबोधित करते जेपी नड्डा। ● फोटोन न्यूज

डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले में भारत विश्व में चौथे स्थान पर

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के बदलते भारत में दो लाख गांव में ऑप्टिकल फाइबर बिछाये गये। गांवों को वाई-फाई से जोड़ा गया। आज गांवों में दो लाख कॉमन सर्विस सेंटर चल रहे हैं। जब मोदी ऑप्टिकल फाइबर बिछा रहे थे तब कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा वाले कहते थे कि भारत तो अनपढ़ है। ये तो पैसे की बबार्दी है। उनको भारत का सामर्थ्य मालूम नहीं था लेकिन मोदी को मालूम था। आज सब्जी वाला भी डिजिटल ट्रांजेक्शन करता है। डिजिटल ट्रांजेक्शन के मामले आज भारत विश्व में चौथे स्थान पर है। ये मोदी का बदलता भारत है। ये डिजिटल भारत है।

सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्लान चलाया : नड्डा ने कहा कि मैं स्वास्थ्य मंत्री रह चुका हूं। मैं देख चुका हूं इस देश में कई बीमारियों की दवा आने में 25-30 साल लग गये। कुछ दवाएं ऐसी हैं, जिसको भारत आने में 100 साल लग गये लेकिन याद कीजिये कोरोना काल को। मोदी ने वैज्ञानिकों को निर्देश दिया और अपने देश में दो-दो वैक्सीन बने। इस वैक्सीन को बनाने में सिर्फ छह से नौ महीने लगे। उन्होंने कहा कि हमने न सिर्फ अपने देश के लोगों को वैक्सीन दिया, बल्कि कई गरीब देशों को मुफ्त में वैक्सीन दिया भी। ये मोदी का बदलता भारत है। मांगने वाला भारत नहीं देने वाला भारत है।

नड्डा ने कहा कि जब मैं स्वास्थ्य मंत्री था तो लोग मेरे पास आते थे। वे मुझसे दो लाख मांगते थे तो मैं उनको एक लाख दे पाता था। वे मुझसे चार लाख की मांग करते थे तो मैं उनको दो लाख ही दे पाता था लेकिन मोदी ने कहा, इस दिशा में कुछ बड़ा करते हैं। आयुष्मान योजना की सोच उन्हीं की सोच है। आज पांच लाख का इलाज आयुष्मान योजना से गरीब मुफ्त में करा रहे हैं। ये मोदी का बदलता भारत।

नड्डा ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की चर्चा की। उन्होंने कहा की अगली बार सरकार बनने पर हम इस योजना को शुरू करने वाले हैं। इसके तरह आप अपने घर में सौर ऊर्जा से बिजली पैदा कर सकेंगे। इसके लिए सरकार 75 हजार रुपये देगी। इससे बची बिजली को सरकार खरीदेगी। लोगों का बिजली बिल तो शून्य होगा ही, लोगों को कमाई भी होगी। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अब विश्व की तीसरे नंबर की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

नड्डा ने कहा कि ये पीएम मोदी की दूरदर्शी सोच नतीजा है कि देश की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाली है। ये ऐसे समय में हो रहा है जब दुनिया के बड़े देशों की अर्थव्यवस्था की हालत खराब है। रूस, अमेरिका, चीन और जापान की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए वहां की सरकारों को सोचना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ये मोदी का बदलता भारत है। साथ ही कहा कि आप सीता सोरेन को समर्थन दीजिये। इससे मोदी की स्थिति और मजबूत होगी। बदलाव को गति मिलेगी।

केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनना तय : कल्पना

PHOTON NEWS JAMTARA : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि इस बार केंद्र में इंडी गठबंधन की सरकार बननी तय है। भाजपा ने जिस तरह तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को षड्यंत्र के तहत जेल भेज दिया उसी तरह जनता भी इस बार इंडी गठबंधन के साथ मिलकर भाजपा को खत्म कर देगी।

कल्पना सोरेन जामताड़ा के वेना मैदान में बुधवार को दुमका लोकसभा सीट से इंडी गठबंधन की प्रत्याशी नलिन सोरेन के पक्ष में जनसभा को संबोधत कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने नलिन के लिए वोट भी मांगे।कल्पना ने कहा कि जब शिबू सोरेन ने सिर नहीं झुकाया तो हेमंत सोरेन कैसे सिर झुका देंगे। हेमंत सोरेन के साथ पूरे झारखंड की आवाम है। साढ़े तीन करोड़ जनता उनके साथ है।

कल्पना ने कहा कि झारखंड में तीन चरणों का चुनाव हो गया है। चुनाव का परिणाम साफ हो गया है। जनता ने इस बार इंडी गठबंधन के प्रत्याशी को अपना मत दिया है। संथाल परगना में आखिरी चरण के चुनाव में भाजपा के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम हो रहा है और दुमका, राजमहल, गोड्डा में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी भारी मतों से जीत रहे हैं।

जामताड़ा में जनसभा को संबोधित करतीं कल्पना सोरेन। ● फोटोन न्यूज

जलापूर्ति को लेकर कोडरमा में जिला स्तर पर क्यूआरटी टीम का हुआ गठन

PHOTON NEWS KODERMA : भीषण गर्मी को देखते हुए कोडरमा जिला में आम जनों तक पेयजल की सुविधा, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में सुलभ एवं अबाध तरीके से उपलब्ध कराये जाने को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निर्देशानुसार क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का गठन किया गया है।

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने क्यू.आर.टी. टीम को निदेश दिया है कि जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या उत्पन्न होती है अथवा पेयजल से संबंधित पेयजल पाईप के क्षतिग्रस्त होने, मोटर के खराब होने की स्थिति में अपने-अपने क्षेत्रों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के निमित आपस में समन्वय स्थापित कर त्वरित गति से सभी आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही जिन क्षेत्रों में पाईप लाईन अथवा अन्य कारणों से पेयजल की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है, उन स्थलों पर टैंकर को टैग करते हुए पेयजल आपूर्ति कराना सुनिश्चित करेंगे।

जिला स्तर क्यूआरटी टीम में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, कोडरमा से दीपक कुमार, कनीय अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, कोडरमा 7541920901, नगर परिषद, झुमरीतिलैया, कोडरमा से सतीश कुमार, नगर प्रबंधक, नगर परिषद, झुमरीतिलैया 7004049486, नगर पंचायत कार्यालय, कोडरमा से संजीत कुमार साहू, सीएमएम, नगर मिशन प्रबंधक, नगर पंचायत कार्यालय, कोडरमा 8340281548 शामिल हैं। वहीं क्यू.आर.टी टीम के वरीय पदाधिकारी के रूप में कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, कोडरमा एवं संबंधित नगर निकाय क्षेत्र के प्रशासक को रखा गया है और उन्हें क्षेत्रों से आने वाली पेयजल समस्या के निराकरण के लिए क्यूआरटी टीम की ओर से किये जा रहे कार्यों का अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया है।

बैठक में उपस्थित डीसी मेघा भारद्वाज।

गर्मी के कारण गढ़वा में सैंकड़ों चमगादड़ों की हुई मौत

GARHWA : जिले के कांडी प्रखंड के सुरीपुर और कासंप गांव के इलाके में मंगलवार रात और बुधवार सुबह सैकड़ों चमगादड़ों की मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि भीषण गर्मी की वजह से सभी चमगादड़ों की मौत हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों गांवों में चमगादड़ पेड़ पर रहते थे। सभी पेड़ सोन नदी के तटीय इलाके में हैं। बुधवार को जब स्थानीय ग्रामीण इलाके में गए तो देखा कि कुछ चमगादड़ मर चुके थे और वे पेड़ से नीचे गिरे हुए थे। लोगों ने आशंका जताई है कि चमगादड़ों की मौत गर्मी की वजह से हुई है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी आफताब आलम ने बुधवार को कहा कि गढ़वा के कांडी प्रखंड के सुरीपुर और कासंप गांव के इलाके में मंगलवार रात और बुधवार सुबह सैकड़ों चमगादड़ों की मौत हो गई।

सिर्फ झूठ बोलकर जनता को भ्रम में रख रही कांग्रेस : मोहन यादव

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को राजमहल के बालू मैदान में आयोजित जनसभा में लोगों से भाजपा प्रत्याशी ताला मरांडी के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठ बोलकर भारत की जनता को भ्रम में रखी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि न खाउंगा, न खाने दूंगा। वे करप्शन खत्म करने पर लगे हुए हैं। वे खुद ऐसे स्वभाव के हैं कि पूरी तनख्वाह अपने साथ के कर्मचारियों के बीच बांट देते हैं।

मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल में तीन करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पक्के मकान बनवा कर देंगे। आज इंडी गठबंधन में पूर्व के नेताओं के बच्चे चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन नरेन्द्र मोदी के परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव नहीं लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ गरीब लोगों के घरों में उजाला हुआ है। वे गरीबी की दुनिया से बाहर निकाले गए हैं। नरेन्द्र मोदी देश की जनता को विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं। आज हमारी सेना विश्व की तीसरी सबसे ताकतवर सेना है।

जल्द ही भारत विश्व का नंबर एक देश बनेगा : मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने झारखंड सहित इस इलाके के विकास के लिए नहीं सोचा। अब प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर यहां बंदरगाह बनाया जा रहा। पाकिस्तानी पहले यहां बम विस्फोट करते थे लेकिन अब नरेन्द्र मोदी पाकिस्तान के घर में घुस कर देश के दुश्मनों को मार रहे हैं। मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करवाया। तीन तलाक को समाप्त किया। शौचालय दिया। आयुष्मान योजना दी।

जनसभा को संबोधित करते मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव। ● फोटोन न्यूज

नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में सुकुरहुट्टू को हरा चैंपियन बनी नेवरी की टीम

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को पिठोरिया के कोकडोरो में यूथ क्लब की ओर से नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच हुआ। नेवरी की टीम विजेता बनी, जबकि उपविजेता का खिताब ओएना की टीम को मिला। इस मौके पर मुख्य अतिथि डीआईजी नौशाद आलम उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि खेल के प्रति उत्साह जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी उत्साहित करता है। मौके पर अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर मो. मजीद अंसारी, मेराज अहमद, तबाराक हुसैन, अफरोज आलम, कोकडोरो पंचायत के मुखिया उज्जवल पहान, यूथ कांग्रेस के लीडर बाबुवा मुंडा और अन्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और विजेता व विजेता टीम को अंजुमन कमेटी की ओर से सम्मानित किया गया।

एसडीओ ने दूसरे दिन भी किया औचक निरीक्षण

JAMSHEDPUR : नक्शा विचलन के मामले में एसडीओ पारुल सिंह एक्शन में हैं। उन्होंने लगातार दूसरे दिन साकची के तीन भवनों का निरीक्षण किया, जिसमें शताब्दी टावर, सागर होटल के पास सुजुकी शोरूम व सर्विस सेंटर और बिरेनु ट्रेड सेंटर शामिल हैं। शताब्दी टावर के बेसमेंट में चार दुकानें बनी हैं, जो बुधवार को बंद थी। वहीं, साकची स्थित सागर होटल से सटे काशीडीह मोड़ स्थित बिल्डिंग के बेसमेंट में सुजुकी शोरूम व सर्विस सेंटर चल रहा था। एसडीओ ने उसे 24 घंटे के अंदर खाली करने और पार्किंग में तब्दील करने का आदेश दिया।

दुकान में सेंधमारी कर नकद सहित हजारों के सामान ले गए चोर

PHOTON NEWS KHUNTI : शहर के बाजार टांड़ स्थित दूध, दही, कोल्ड ड्रिंक्स, मिक्सर, बिस्किट सहित स्टेशनरी के सामान की एक दुकान में मंगलवार रात चोरों ने सेंधमारी कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। दुकान मालिक सरोज चौधरी के अनुसार इस घटना में चोरों ने महाजन को देने के लिए दुकान में छिपा कर रखे गए एक लाख रुपये नकद सहित लगभग 10-15 हजार रुपये मूल्य के काजू, किशमिश सहित अन्य सामान चुरा ले गए।

इस संबंध में खूंटी थाने में बुधवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस मामले की पड़ताल कर चोरों की तलाश में जुटी है। दुकान मालिक ने बताया कि रोज की तरह मंगलवार रात लगभग नौ बजे दुकान बंद कर वह तोरपा रोड स्थित अपने आवास चले गए थे। बुधवार सुबह एक परिचित ने उन्हें सूचना दी कि उनकी दुकान में चोरी हो गई है। चोरी की सूचना मिलते ही वह भागे-भागे दुकान आए, तो देखा कि दुकान के पीछे की दीवार में सेंधमारी की हुई है और दुकान के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा है।

उन्होंने बताया कि रात में वह अकेले घर जाते हैं, इसलिए बिक्री के पैसे को दुकान में ही गल्ले के बगल में छिपाकर छोड़ जाते हैं। बुधवार सुबह महाजन को पैसे का भुगतान करना था। इसलिए लगभग एक लाख रुपये वह दुकान में छिपा कर रखे हुए थे, जिस पर चारों ने हाथ साफ कर दिये।

वरीय अधिकारियों से लेकर कांटा बाबू और सिक्योरिटी के लोग भी शामिल, व्यापारी काट रहे चांदी

रजरप्पा में कोयले की हो रही चोरी, प्रबंधन मौन

PHOTON NEWS RAMGARH : सीसीएल के रजरप्पा कोरियारी में कोयले की हेरा फेरी बड़ी सफाई से की जा रही है। इस हेरा फेरी में सीसीएल प्रबंधन के वरीय अधिकारियों से लेकर कांटा बाबू और सिक्योरिटी के लोग भी शामिल हैं। यह हेरा फेरी इतनी सफाई से हो रही है कि उसे पकड़ पाना पुलिस और माइनिंग विभाग के अधिकारियों के बूते की बात नहीं है।

रजरप्पा कोलियरी में कोयले के अलग-अलग कैटेगरी को लेकर ऑक्शन होता है। लेकिन घटिया कोयले का ऑक्शन करने वाले डीओ होल्डर, लिफ्टर और सीसीएल प्रबंधन के अधिकारियों व कर्मचारियों की मिली भगत से हाई क्वालिटी का कोयला उठाकर मंडियों में बेच रहे हैं। सीसीएल अधिकारियों की मौन की वजह से डीओ होल्डर और लिफ्टर चांदी काट रहे हैं। बुधवार को भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था। लेकिन जब इसकी भनक रजरप्पा पुलिस को लगी तो सीसीएल प्रबंधन के कान खड़े हो गए। सीसीएल अधिकारियों और कर्मचारियों ने तत्काल ट्रक संख्या 4638 पर लोड कोयले को अनलोड कर दिया और इसके बाद उस ट्रक को सीधे कोलियरी से बाहर निकाल दिया। जब तक पुलिस इस मामले में कुछ पहल कर पाती, तब तक पूरे मामले को रफा दफा करने की कोशिश की गई।

जानकारी के अनुसार पिछले हफ्ते भी रजरप्पा कोलियरी में चार ट्रकों पर दस्तावेजों की हेरा फेरी कर हाई क्वालिटी का कोयला लोड कर दिया गया था। वह कोयला कोलियरी से लोड होकर कांटा घर तक पहुंचा और फिर वहां से मेन चेक पोस्ट पर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड की नजरों से भी होकर गुजरा। इस बात की भनक पुलिस को तब लगी जब वह ट्रक चेक पोस्ट को पार कर बाहर निकल चुका था। लेकिन तब तक पुलिस भी कुछ कर पाने के लिए सक्षम नहीं थी।

सीसीएल के अधिकारियों से रजरप्पा थाना प्रभारी ने की बात : बुधवार को जब एक बार फिर कोयले की हेरा फेरी को लेकर मामला सामने आया तो रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने सीसीएल प्रबंधन के अधिकारियों से बात की। इस दौरान उन्हें यह बताया गया कि गलती से ट्रैक 4638 पर हाई क्वालिटी का कोयला लोड हो गया था। जैसे ही मामला संज्ञान में आया, ट्रक पर से कोयले को खाली कर दिया गया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो मामला पुलिस की नजर से बच जाता है उसे सीसीएल प्रबंधन, डीओ होल्डर, लिफ्टर और सीसीएल के कर्मचारी पार लगा देते हैं। जैसे ही पुलिस का हस्तक्षेप उसमें सामने आता है वे लोग ट्रैकों को अनलोड करने लग जाते हैं।

कोयले की हेरा फेरी के मामले पर रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि सीसीएल के अधिकारियों से उन्होंने लिखित शिकायत मांगी है। उन्होंने यह भी कहा है कि लिखित शिकायत मिलते ही तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

रजरप्पा के कोलियरी में अवैध ढुलाई के लिए खड़े वाहन। ● फोटोन न्यूज

लोहरदगा पीडीजे ने जिले के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

PHOTON NEWS LOHARDAGA : सिविल कोर्ट के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय की अध्यक्षता में आज पीडीजे कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय बैठक हुई।

बैठक में पॉक्सो केस सहित अन्य केस में गवाहों को खासकर डॉक्टर एवं अनुसंधानकर्ता की अविलंब उपस्थिति को लेकर चर्चा की गई। नए बनाए जा रहे न्यायालय भवन के जल्द निर्माण की योजना तैयार की गई। साथ ही पीड़िता को पीड़ित प्रतिकर कमेटी ने सात लाख रुपये मुआवजा आवंटित करने का निर्णय लिया गया। बाल कल्याण समिति के समस्याओं को सुना गया।

इसके अलावा झारखंड हाई कोर्ट से पारित न्यायादेश के आलोक में सदर अस्पताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नशा-पान के खिलाफ प्रचार-प्रसार एवं प्रतियोगिता कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही जेल में बंद गरीब बंदियों की फाइन दिए जाने संबंधी गठित एंपावर्ड कमेटी के कार्य करने के रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक में उपायुक्त डॉक्टर बाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारीश बिन जमा, प्रथम जिला जज अखिलेश कुमार तिवारी, सीजीएम कृष्णकांत मिश्रा, डालसा सचिव राजेश कुमार, व्यवहार न्यायालय निबंधक अमित कुमार गुप्ता, सिविल सर्जन राजमोहन खलको, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, भवन निर्माण विभाग के एक्सियूटिव इंजीनियर, गवर्नमेंट प्लीडर, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, जिला समाज कल्याण बोर्ड के सदस्य और मंडल कारा के जेलर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

बाइक सवार बदमाशों ने डेढ़ लाख रुपये छीने

RANCHI : शहर के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रातू रोड दुर्गा मंदिर के समीप से दिनदहाड़े बुधवार को बाइक सवार अपराधियों ने एक व्यक्ति से झपट्टा मारकर डेढ़ लाख रुपये छीन लिए। इस संबंध में पंडरा ओपी क्षेत्र के इटकी निवासी रंजीत सिंह ने पल्सर बाइक सवार दो अपराधियों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया है। बताया जा रहा है कि रंजीत सिंह एचडीएफसी बैंक से डेढ़ लाख रुपये निकाल कर घर जा रहे थे। इसी दौरान पल्सर बाइक पर सवार होकर आये दो अपराधियों ने झपट्टा मारकर पैसों से भरा बैग छीन लिया। इस बाबत कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

युवक की मिली डेड बॉडी हत्या की आशंका

RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र के स्वर्णरखा नदी पर बने रेलवे पुल के नीचे नदी के किनारे से एक युवक का शव पुलिस ने बुधवार को बरामद किया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। युवक के गले में रस्सी बंधी हुई मिली है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताते हुए कहा कि युवक की हत्या कर शव को फेंक दिया गया है। इस मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि आसपास के लोगों से शव की शिनाख़्त करने पर किसी ने भी उसकी पहचान नहीं की।

रेलवे टिकट की कालाबाजारी के आरोप में दो गिरफ्तार

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे टिकट की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में आरपीएफ ने पिछले दो दिनों में दो लोगों को पकड़ा है। टीम ने कार्रवाई करते हुए हिंदपीढ़ी के स्टार साइबर कैफे से मोहम्मद मिस्टर अंसारी को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 21 ई टिकट और 31 हजार रुपए बरामद किये है। जबकि चुटिया थाना क्षेत्र के प्रगति पथ स्थित मां साइबर कैफे में छापेमारी कर रंजीत कुमार को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 11 रेलवे ई टिकट और 9800 रुपये जब्त किए गए है।

आरपीएफ ने ट्रेन से भारी मात्रा में जब्त की शराब

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन सतर्क के तहत रेलवे स्टेशन मुरी से 200 बोतल शराब बरामद किया है। बुधवार को आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार पोस्ट मुरी, फ्लाइंग टीम रांची को गुप्त सूत्रों से जानकारी मिली थी कि गाड़ी संख्या 18626 के साधारण डिब्बे में दो बोरी में शराब ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद जांच करने पर दो बोरी बरामद की गई। बोगी में पूछने पर बोरी का कोई मालिक नहीं था। बोरी को खोलने पर उसके अंदर से 200 बोतल शराब की बोतलें मिली।

छह लाख कैश समेत पांच लाख के जेवरात की चोरी

RANCHI : राजधानी रांची के बुंडू थाना इलाके में अपराधियों ने बंद घर को अपना निशाना बनाया और कुल छह लाख कैश और पांच लाख का जेवरात लेकर फरार हो गया। यह मामला बुंडू थाना के गोकुल नगर में स्थित अमूल कुमार प्रजापति के घर का है। उस घर में दो दिन से कोई भी सदस्य नही रह रहे थे। बीती रात 2 बजे तीन चोरों ने एक बाइक पर सवार होकर घटना को अंजाम दिया है। जब पीड़ित घर पहुंचा तो पाया कि घर में सभी समान बिखरे पड़े हैं। मामले को लेकर थाने में शिकायत दर्ज कर दी गई है।

बिहार के संजय भुइयां की जिंदा जलकर मौत, फायरिंग भी की

मैक्लुस्कीगंज में उग्रवादियों ने मचाया उत्पात, कंटेनर को फूंका

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में लोकसभा चुनाव के बीच हथियारबंद उग्रवादियों ने बड़ी घटना को अंजाम दे दिया। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के ऑप्टिकल फाइबर बिछाने के काम में लगे एक कंटेनर को फूंक दिया, जिसमें एक मजदूर संजय भुइया की जिंदा जलकर मौत हो गई। ग्रामीण एसपी, एसएसपी ने मैक्लुस्कीगंज पहुंचकर मामले की पड़ताल की। फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मैक्लुस्कीगंज पहुंच सैंपल इकठ्ठा किया। घटना रांची जिले के मैक्लुस्कीगंज के दुल्ली करम कोचा की है। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बुधवार को घटनास्थल का दौरा किया और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की। बताया कि मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के दुल्ली करम कोचा में एसआईपीएल कंपनी बीएसएनएल का ऑप्टिकल फाइबर बिछाने का काम कर रही है।

घटनास्थल पर पहुंचकर जांच करती पुलिस की टीम।

जला हुआ कंटेनर।

मंगलवार रात 9.43 बजे की घटना, आगजनी में करीब एक करोड़ के नुकसान का अनुमान

मंगलवार की रात करीब 9:43 बजे चार अज्ञात हथियारबंद उग्रवादियों ने वहां धावा बोला और कंटेनर में आग लगा दी। जंगल की ओर से आये उग्रवादियों ने पहले फायरिंग करके दहशत फैलाया। बताया जा रहा है कि उग्रवादी बोतल में पेट्रोल भरकर लाये थे। पहले कंटेनर पर पेट्रोल छिड़का और उसके बाद उसमें आग लगा दी। कंटेनर में आग लगाने के बाद अगले टायर में गोली मार दी। घटना की सूचना मिलने के बाद खलारी डीएसपी आरएन चौधरी, इंस्पेक्टर विजय सिंह, मैक्लुस्कीगंज के थाना प्रभारी गोविंद कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। सीसीएल से रेस्क्यू टीम को बुलाया गया। तब तक कंटेनर पूरी तरह से जल गया था। उग्रवादियों की आगजनी में कंपनी का कंटेनर और उसके अंदर रखा एचडीडी मशीन, डीजी ट्रैकर सहित अन्य सामान जलकर राख हो गए। लगभग एक करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान है।

इन लोगों ने भागकर बचाई अपनी जान

घटना के दौरान मौका मिलते ही सारे मजदूर जान बचाकर भाग गए। एक मजदूर संजय भुइयां (25) पिता तुलसी भुईयां ग्राम छल्लीदोहर, मदनपुर, औरंगाबाद निवासी कंटेनर के अंदर ही छुप रह गया। चूंकि उग्रवादियों ने कंटेनर को भी आग के हवाले कर दिया, उसके अंदर छिपा संजय जिंदा जल गया। ऑपरेटर अखिलेश ठाकुर, मजदूर गुड्डू भुईयां, धर्मेंद्र भुईयां, गोलु भुईयां, सुखल भुईयां और रवि भुईयां (सभी छल्लीदोहर के रहने वाले) और बांकेबाजार निवासी गुड्डू भुईयां साइट पर काम कर रहे थे। उग्रवादियों को देखकर वे वहां से भाग गए। ठेकेदार के कर्मचारियों ने बताया कि घटना के बाद बुधवार सुबह जब घटनास्थल पर पहुंचे, तो सबसे पहले मजदूरों को ढूंढा गया। सभी 5 मजदूर सुरक्षित मिले, लेकिन एक मजदूर मिसिंग था। खोजबीन के दौरान मजदूर संजय भुईयां का जला हुआ शव कंटेनर के अंदर देख सभी हतप्रभ रह गए। तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

पति व ससुर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बुढ़मू से लापता निशा देवी का शव कुएं से हुआ बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : रांची जिले के बुढ़मू थाना क्षेत्र के नवदा गांव में विवाहिता निशा देवी का शव कुएं से बरामद किया गया है। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए मृतका के पति संजय गंझू और ससुर सहदेव गंझू को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि ससुराल में निशा देवी के साथ मारपीट की गयी थी। मायके से समझा-बुझाकर निशा और उसके पति को भेजा गया था। इसके बाद से निशा ससुराल से गायब थी। मृतका की दो वर्ष की एक बेटी भी है। रांची की बुढ़मू पुलिस ने बुधवार की सुबह बुढ़मू थाना क्षेत्र के नवदा गांव में कुएं से एक विवाहिता का शव बरामद किया है। विवाहिता की पहचान नवदा निवासी संजय गंझू की पत्नी निशा देवी (22 वर्ष) के रूप में की गई है। सूचना पाकर परिजन थाना पहुंचे और इस संबंध में आवेदन दिया।

ससुराल में निशा के साथ की गयी थी मारपीट : बुढ़मू थाने को दिये गये आवेदन के अनुसार 24 मई को निशा देवी का पति संजय गंझू, ससुर सहदेव गंझू और सास उर्मिला देवी ने निशा देवी के साथ मारपीट की थी और चुरूगड़ा में भुगल गंझू के घर के पास निशा देवी को छोड़कर सभी चले गये थे। निशा देवी और संजय गंझू चुरूगड़ा गये। निशा की मां राजमुनी देवी ने संजय को समझाया और दोबारा मारपीट नहीं करने की सलाह दी और 25 मई को दोनों को समझा-बुझाकर नवदा भेज दिया।

ससुराल से थी गायब

बताया जा रहा है कि 25 मई से ही निशा देवी अपनी ससुराल से गायब है। 26 मई को निशा के मायके वालों को निशा के गायब होने की जानकारी मिली। जानकारी मिलने के बाद परिजन खोजबीन कर रहे थे। इसी दौरान बुधवार की सुबह में निशा का शव नवदा में एक कुएं से बरामद किया गया। आवेदन मिलने के बाद बुढ़मू पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संजय गंझू और सहदेव गंझू को गिरफ्तार कर लिया। मृतका का विवाह 2020 में संजय गंझू के साथ हुआ था। मृतका की दो वर्ष की एक बेटी भी है।

प्रधान न्यायायुक्त ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के आदेश को किया निरस्त

PHOTON NEWS RANCHI : रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त ने बुधवार को चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के आदेश को निरस्त करते हुए आरोपित को निर्दोष करार दिया। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट डीएन शुक्ला की कोर्ट ने कृष्ण देव प्रसाद साहू को दोषी करार देते हुए एक वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी। साथ ही 20 लाख रुपये का जुमार्ना भरने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय की कोर्ट में कृष्ण देव प्रसाद साहू ने अधिवक्ता प्रीतांशु सिंह के माध्यम से क्रिमिनल अपील दाखिल की। इसपर बुधवार को सुनवाई करते हुए अदालत ने ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के आदेश को निरस्त कर कृष्ण देव प्रसाद साहू को सभी

आरोपों से बरी करने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि उसने आरोपित को पैसे दिये थे। अधिवक्ता प्रीतांशु सिंह ने बताया कि उनके मुवक्किल कृष्ण देव प्रसाद साहू पर यह आरोप था कि उन्होंने अनूप सिंह से दोस्ताना कर्ज के रूप में 15 लाख रुपये उधार लिये थे। इसके एवज में कृष्ण देव प्रसाद साहू ने अनूप सिंह को चेक दिये थे। पैसे वापस नहीं करने पर अनूप सिंह ने चेक बाउंस करवा दिया और कृष्ण देव प्रसाद साहू पर चेक बाउंस का केस कर दिया लेकिन अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि उसने आरोपित को पैसे दिये थे।

रांची में झारखंड ओपन पावरलिफ्टिंग 23 जून को

RANCHI : बीस्ट क्लासिक के तत्वावधान में 23 जून को तुपुदाना के ब्लेसिंग्स बैंक्वेट हॉल में झारखंड ओपन पावरलिफ्टिंग, बेंचप्रेस, डेडलिफ्ट, आर्म रेसलिंग और पुशअप्स प्रतियोगिता होगी। इसमें झारखंड के अलावा बाहर के भी खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में पावरलिफ्टिंग, बेंचप्रेस और डेडलिफ्ट, पुशअप्स पुरुष वर्ग में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग और महिला ओपन वर्ग में खेला जाएगा। आर्म रेसलिंग केवल पुरुष वर्ग में खेला जाएगा। जीतने वालों को इनाम भी दिया जायेगा। इनाम के तौर पर नकद पुरस्कार पुरुष सीनियर में 10 हजार, जूनियर, सब जूनियर और महिला वर्ग में पांच-पांच हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसके साथ प्रो वुल्फ ब्रांड का जूता, ट्रॉफी, मेडल और सर्टिफिकेट, शेकर, टी-शर्ट और भी गिफ्ट हैंपर दिए जायेंगे। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर बॉडी बिल्डिंग में आठ बार जीतने वाले मिस्टर झारखंड प्रशांत सिंह, बॉडी बिल्डिंग में पांच बार मिस्टर झारखंड का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी मौजूद रहेंगे।

शव को नदी में फेंकवाया, 5 महिलाएं अरेस्ट, हत्या में प्रयुक्त सामान बरामद

अनगड़ा में डायन बता महिलाओं ने एक व्यक्ति को लाठी व पत्थर से मारकर उतारा मौत के घाट

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची में डायन बताकर महिलाओं ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। महिलाओं ने मिलकर लाठी व पत्थर से मार-मारकर उसकी हत्या कर दी। परिजनों पर दबाव बनाकर शव को नदी में फेंकने के लिए मजबूर कर दिया। इस मामले में पांच महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अनिमा मुंडा, जूलियानी तिर्की, सोमरी देवी, दशमी देवी और दुलिया उरांव के नाम शामिल हैं। सभी आरोपी जरगा की रहने वाली हैं। पुलिस ने काण्ड में प्रयुक्त दो डंडा एवं एक बड़ा पत्थर बरामद किया है।

खास बातें

- सुदुर पैका पंचायत के जरगा तेतरटोली की घटना
- मृतक के शव को राढू नदी में फेंक आए बेटे और परिजन

बालेश्वर को बचाने आई पत्नी एतवारी देवी को भी पीटा

घटना राजधानी रांची के अनगड़ा प्रखंड की है। बताया जा रहा है कि अनगड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुदुर पैका पंचायत के जरगा तेतरटोली में इस वीभत्स घटना हुई। इस संबंध में बताया गया है कि मंगलवार की शाम 6:00 बजे के आसपास बालेश्वर उरांव उर्फ बाया उरांव (60 वर्ष) पड़ोस के घर में सोई एक युवती को जबरन उठा रहा था। बताया जा रहा है कि उस वक्त वह शराब के नशे में धुत था। युवती बालेश्वर की हरकत से परेशान होकर चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर पड़ोस की महिलाएं एकत्रित हो गईं। इसी बीच, बात बढ़ी और महिलाओं ने लाठी व पत्थर से मारकर उसकी हत्या कर दी। बीच बचाव करने के लिए पहुंची बालेश्वर की पत्नी एतवारी देवी को भी महिलाओं ने मारकर घायल कर दिया। बालेश्वर की हत्या करने के बाद महिलाओं ने मृतक के परिजनों को लाश को जल्दी ठिकाने लगाने का फरमान सुनाया।

मोबाइल पर न रील देखता है, न ही कोई दूसरा वीडियो

14 वर्ष के बच्चे पर गेमिंग डिसऑर्डर की मार, रांची में चल रहा मानसिक इलाज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के एक 14 वर्षीय लड़के को ऑनलाइन गेमिंग की लत इस तरह लगी कि उसे रांची के मानसिक अस्पताल रिनपास में इलाज कराना पड़ रहा है। अगर आप भी अपने बच्चे की इस लत के बारे में सचेत नहीं हैं तो भुगतने के लिए तैयार रहिए। आपको लगता है कि आपका बच्चा मोबाइल पर न रील देखता है और न ही कोई दूसरा वीडियो तब भी आप गफलत में हैं। वह चौरी-छिपे भी ऐसा कर सकता है या फिर किसी दूसरे की मोबाइल से भी इस लत को अपना सकता है। इसलिए वक्त रहते आपका संभलना

क्यों जरूरी है, इस रिपोर्ट से जानिएद्ध झारखंड के जिस बच्चे को इसी साल फरवरी से ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण मानसिक इलाज कराना पड़ रहा है, उसके अभिभावकों पर क्या बीत रही होगी, इसका सहज अंदाजा लगा सकते हैं। शहरी मध्यम वर्ग का यह 14 वर्षीय लड़का (प्राइवेसी को ध्यान में रखते हुए लड़के का नाम डिस्क्लोज नहीं कर सकते) ऑनलाइन गैंबलिंग में पैसों की लालच में फंसा था। शुरू में कमाई देख इतना मजा आया कि अपने परिवार और फिर दोस्तों से भी पैसे कर्ज लेकर इसमें लगाने लगा। लगातार ऐसा करते हुए उसने कुल ढाई लाख रुपये ऑनलाइन गैंबलिंग के जरिए गंवा दी। फिर देनदारों का तगादा आने लगा। पैसे लौटाने में असमर्थ होने और इस कारण लगातार हो रही बेइज्जती को देख लड़का पागलों जैसा व्यवहार करने लगा।

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर का होगा कल्याणोत्सव

RANCHI : श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर बाला जी मंदिर का तीन दिवसीय 17वां वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव 21 जून से प्रारंभ होगा। इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। साज-सज्जा को लेकर मंदिर परिसर में विविध कार्य किये जा रहे हैं। इस दिन उत्सव के मौके पर भक्तों का मेला लगा रहेगा। आचार्य स्वामी अनिरुद्धाचार्य जी इसमें खास तौर से हिस्सा लेंगे।तिरुपति से आये वाद्ययंत्र वादक भी विशेष रूप से भागीदारी निभायेंगे। बाला जी मंदिर में पहले दिन कलश स्थापन पूजन किया जायेगा। नेम-निष्ठा से यजमान संकल्प लेंगे। मंदिर के रंजन सिंह ने बताया कि दूसरे दिन 22 जून को सुबह दैनिक पूजन आरती के बाद सुदर्शन हवन किया जायेगा। दोपहर बाद भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी।गाजे-बाजे के साथ पालकी में विराजमान हो भगवान नगर भ्रमण को निकलेंगे।

3 लाख 65 हजार घरों में लगाए जाएंगे मीटर, तैयारी पूरी

सितंबर तक लगेंगे छूटे हुए घरों में स्मार्ट मीटर, जेबीवीएनएल ने तय किया लक्ष्य

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है। अब तक बड़ी संख्या में स्मार्ट मीटर लग चुके है। लगभग दो लाख स्मार्ट मीटर लगाएं जा चुके है, जिसे जल्द सिंक्रनाइज कर दिया जाएगा। इसके लिए झारखंड बिजली वितरण निगम ने तैयारी कर ली है। इसके बाद हर उपभोक्ता को रिचार्ज पर निर्भर होना पड़ेगा। हालांकि अबतक मात्र 10 प्रतिशत ही वैसे उपभोक्ता है, जिनका नंबर स्मार्ट मीटर से जुड़ा हुआ है। झारखंड बिजली वितरण निगम की मानें तो सितंबर 2024 तक

लगभग 3 लाख 65 हजार घरों में स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य लिया गया है। जिसे लगाने के बाद प्रीपेड मोड में शुरू कर दिया जायेगा। फिलहाल राजधानी के लगभग 18 हजार स्मार्ट मीटर प्रीपेड मोड पर काम करने शुरू कर दिये है। बता दें कि स्मार्ट मीटर प्रीपेड मोड पर शुरू होने से उपभोक्ताओं को मीटर रीचार्ज करना होगा। ऐसे में मोबाईल की तरह मीटर रीचार्ज करने पर ही उपभोक्ता बिजली का लाभ ले सकेंगे। बता दें साल 2022 से राजधानी में स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है। राजधानी स्मार्ट मीटर लगाने का काम एजेंसी जीनस सेक्योर को दिये गये है।

वहीं, दूसरी ओर जेबीवीएनएल की ओर से रांची के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की बिजली काटने की तैयारी की गयी है। निगम की मानें तो जिन स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं का मीटर प्रीपेड मोड पर काम करना शुरू कर दिया है, उनकी बिजली कभी भी कट सकती है। स्मार्ट मीटर

विलुप्त प्राय आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय की बस्ती को लेकर भी मांगा जवाब

ग्रामसभा का विवरण कोर्ट में पेश करे सरकार : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने एनटीपीसी के पकरी बरवाडीह कोल परियोजना के लिए हुए ग्रामसभा की प्रक्रिया का विवरण सरकार से कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और अरुण कुमार राय की बेंच ने पिछली सुनवाई में सरकार से ग्राम सभा की प्रक्रिया का विवरण मांगा था। जिसके बाद सरकार ने जिला प्रशासन द्वारा जारी पत्र कोर्ट में पेश किया। जिसपर कोर्ट ने सरकार से ग्राम सभा की प्रक्रिया का विवरण सरकार से कोर्ट में उपलब्ध कराने को कहा है। कोर्ट ने यह आदेश मंटू सोनी द्वारा फर्जी ग्रामसभा कर लोगों के फर्जी हस्ताक्षर कर एनटीपीसी द्वारा फॉरेस्ट

क्लियरेंस लिए जाने का आरोप लगाते हुए दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया है। अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह और दीपक कुमार ने याचिककर्ता की तरफ से बहस किया। इसके साथ ही कोर्ट ने एनटीपीसी के बारियातू माइंस के नजदीक विलुप्त प्राय आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय की बस्ती को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा है । हाईकोर्ट ने इस मामले में झालसा को प्रतिवादी बनाया है। साथ ही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआइडी) से पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने झालसा को इस मामले में प्रतिवादी बनाते हुए मेम्बर सेक्रेट्री से मंतव्य की मांग की है। वहीं क्षेत्र की दुमुहानी नाला को नष्ट कर अवैध खनन के दोषियों को सरकारी आदेशों का गलत व्याख्या करने के मामले में भी अदालत ने सरकार से जवाब मांगा है।

आरसीसीएफ ने कोर्ट को दिया अधूरा जवाब

कोर्ट ने पिछली सुनवाई में फर्जी ग्राम वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति की जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई नही करने एवं रिपोर्ट बदलने के मामले में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) झारखंड को व्यक्तिगत शपथ पत्र दायर कर जवाब देने का निर्देश दिया था। प्रधान मुख्य वन संरक्षक के बदले क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (आरसीसीएफ) ने कोर्ट में आधा अधूरा और भ्रामक जवाब शपथपत्र के माध्यम से दिया। जिसको लेकर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह और दीपक कुमार ने कोर्ट में लिखित रूप से बताया कि क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक ने कोर्ट को अधूरा और भ्रामक जवाब दिया है। जांच अधिकारी एके परमार के रिपोर्ट बदलने के मामले में कहा गया है कि उन्होंने गलत रिपोर्ट बनाया है जिसके लिए उनको शो कॉज किया गया है। लेकिन हाईकोर्ट से यह तथ्य छुपा दिया गया, जिसमें एके परमार ने उपरोक्त शो कॉज नोटिस का जवाब दे दिया और जवाब देने के बाद उनके खिलाफ विभाग ने कोई कार्रवाई नही किया था।

फ्रॉड करने के दोषी को पांच साल की सजा

RANCHI : सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने

बुधवार को बैंक से फ्रॉड करने के मुख्य आरोपी सतीश कुमार साहू को दोषी पाते हुए पांच साल की सजा सुनाई है। साथ ही उसपर 15 लाख रुपये जुमार्ना भी लगाया है। बैंक फ्रॉड का यह मामला साल 2008 का है। आरोपित सतीश कुमार साहू ने हल्दी की फैक्टरी लगाने के नाम पर बैंक ऑफ बड़ौदा से एक करोड़ का ऋण पास कराया था। ऋण की आधी रकम की निकासी भी उसने कर ली थी। बाद में पता चला की आरोपित ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर बैंक से ऋण ली है। इसके बाद सीबीआई ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में सतीश के भाई और बैंक के दो कर्मी सहित चार दोषियों को कोर्ट पूर्व में सजा सुना चुका है।

ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने पर हाईकोर्ट सख्त, कहा

सड़क के किनारे वाहनों को नहीं लगने दे निगम व ट्रैफिक पुलिस

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में लाचार ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने सख्त आदेश पारित किया है। कोर्ट ने रांची नगर निगम एवं ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिया है कि वह रांची शहर में सड़कों के किनारे वाहनों, खासकर दो पहिया वाहन को ना लगने दें। कोर्ट ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि रांची शहर में कुछ फूड स्टॉल और छोटी-छोटी दुकानों के निकट अनाधिकृत रूप से पार्किंग बना दी जाती है, जिसे रोकना होगा। सड़क के किनारों को अतिक्रमण मुक्त रखना होगा ताकि सुगम यातायात संभव हो सके। कोर्ट ने यह भी कहा है कि

- 15 जून से रांची शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में लगाए जाएंगे अतिरिक्त 600 होमगार्ड के जवान

कुछ मॉल के बेसमेंट में पार्किंग व्यवस्था रहती है लेकिन लोग इसका इस्तेमाल पार्किंग के रूप में ना कर, सड़कों पर ही अपने वाहन लगा देते हैं, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बाधित रहती है। नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस कर्मी यह सुनिश्चित करें कि लोग मॉल के पार्किंग स्थल में ही अपने वाहन लगाएं। कोर्ट ने कहा कि रांची शहर में ऑटो रिक्शा एवं ई-रिक्शा के लिए अधिकांश जगहों पर स्टैंड नहीं है।

BRIEF NEWS

ठेका कर्मी ने कंपनी प्रबंधन से न्याय दिलाने की लगाई गुहार

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर : शहर की एक ठेका कर्मी ने उपायुक्त व उपश्रमायुक्त से लिखित शिकायत कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। विजय चौधरी नामक कर्मी ने बताया कि वह साकची थाना से सटे टाटा पावर के निमार्णाधीन प्लांट में सुरक्षाकर्मी के रूप में कार्यरत था। उसकी ठेका कंपनी हर कर्मचारी के वेतन से एक हजार रुपये वसूलती है। वर्दी के लिए अलग से पांच हजार रुपये लिए गए थे। अभी उसे आठ माह का बकाया आठ हजार रुपये नहीं देने पर नौकरी से हटा दिया गया है।

शिरडी से आ रहे पुरोहित, दक्षिण भारत से संगीत मंडली

JAMSHEDPUR : टेल्को के घोड़ाबांधा स्थित साई परिवार विश्व सेवा संस्थान के तत्वाधान में श्री साईनाथ देवस्थानम का दो दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे संपन्न कराने के लिए शिरडी मंदिर से पुरोहित दिगंबर कुलकर्णी आ रहे हैं, तो दक्षिण भारत के श्रीकाकुलम शहर से संगीत मंडली को आमंत्रित किया गया है। मंदिर परिसर में बुधवार को प्रेस वार्ता में अध्यक्ष अनूप रंजन ने बताया कि 1 व 2 जून स्थापना दिवस महोत्सव मनेगा। संपूर्ण पूजन अनुष्ठान शिरडी मंदिर के पुरोहित कराएंगे। पहले दिन 1 जून को प्रातः 5 बजे से संध्या 6 बजे तक कांकड़ आरती, मंगल स्नान, पूजन, हवन आदि होंगे। संध्या 6.30 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ होगा, जबकि रात 9 बजे सेज आरती होगी। इसी कड़ी में 2 जून को प्रातः 5.30 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक कांकड़ आरती, मंगल स्नान, विशेष पूजन, पूर्णाहुति आदि होगी, जबकि संध्या 6.30 बजे टी सीरीज के भजन गायक अनिल बावरा भजन प्रस्तुत करेंगे। भीषण गर्मी को देखते हुए इस वर्ष पालकी यात्रा शाम 4 बजे निकाली जाएगीक महाप्रसाद की व्यवस्था संध्या 7.30 बजे से होगी।

टाटानगर से होकर चलने वाली हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस 31 मई व 2 जून को रहेगी रद्द

JAMSHEDPUR : मुंबई में विकासात्मक कार्य होने के कारण टाटानगर से होकर चलने वाली 2 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर -12262 हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस को 31 मई को रद्द कर दिया गया है। वहीं ट्रेन नंबर -12261 मुंबई सीएसएमटी-हावड़ा एक्सप्रेस को 2 जून को रद्द कर दिया गया है। इसके साथ ही ट्रेन नंबर -12810 हावड़ा-मुंबई मेल 30-31 मई को दादर में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। ट्रेन नंबर-12860 गीतांजलि एक्सप्रेस 31 मई, ट्रेन नंबर-12859 गीतांजलि एक्सप्रेस 1-2 जून को दादर से खुलेगी। वहीं ट्रेन नंबर-12809 मुंबई मेल 1 जून को दादर से खुलेगी।

संयुक्त ट्रेड यूनियनों ने किया श्रमिक समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन

ROURKELA : विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त ट्रेड यूनियन द्वारा बुधवार सुबह बिरसा चौक में अखिल भारतीय विरोध प्रदर्शन किया गया। इस संयुक्त विरोध प्रदर्शन में आरएसएस, आरएमएस, सिटू, ऐआईयूटीयूसी, एआईसीसीटीयू, जीएमएम, सीआईएआर, आरआईकेएस, ट्रेड यूनियनों ने हिस्सा लिया। श्रमिक संघों ने सभी बकाया दावों के निपटारे के साथ एनजीसीएस समझौते को तत्काल लागू करने, 39 महीने के बकाया के साथ एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि, एस-12 और एस-13 को लागू करने, ग्रेच्युटी सीमा को वापस लेने, नियमित श्रमिकों के वेतन में वृद्धि और एनजीसीएस पर समझौते की मांग की।, विजाग श्रमिकों को लाभ प्रदान करना आदि। इस संयुक्त विरोध प्रदर्शन में आरएसएस के प्रशांत बेहरा, सीटू के विमान मैती, श्रमिक नेता बसंत नायक और अन्य श्रमिक संघ नेताओं ने प्रमुख रूप से भाग लिया।

ओरम कला संस्कृति उत्सव 'ज्येष्ठ यात्रा' आयोजित

ROURKELA : शहर में आदिवासी समुदाय ने ज्येष्ठ यात्रा बुधवार को आयोजित की। इस दौरान आदिवासी महिलाएं तलवार, फरसा आदि लेकर नृत्य की। घोड़े पर बैठकर वह अपना वीरता का जज्बा दिखाया। ऐसा ही नजारा आज राउरकेला के उदितनगर में सरना पूजा स्थल में देखने को मिला। राजी पहाड़ सरना प्रार्थना समिति की ओर से आज 'वरिष्ठ यात्रा' मनाया गया। ओरम कला संस्कृति के इस उत्सव में पारंपरिक नृत्य गीत और पारंपरिक हथियारों का भी प्रदर्शन किया गया। ओराम समुदाय के पूर्वज बिहार के रोहतास में शत्रु पक्ष से लड़े थे। इस युद्ध में महिलाएं पुरुषों के भेष में शामिल हुई और जीत हासिल किया था। महिलाओं की इसी वीरता की याद दिलाने के लिए हर साल 'ज्येष्ठ यात्रा' मनाई जाती है।

मतगणना की होगी वीडियोग्राफी सीसीटीवी से की जाएगी निगरानी

डीसी ने काउंटिंग की तैयारियों की समीक्षा कर पदाधिकारियों को दिए निर्देश

PHOTON NEWS JHARSUDUDA : समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में बुधवार को मतगणना के तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज परिसर में प्रत्याशियों व उनके कार्यकताओं के बैठने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग, काउंटिंग एजेंट का पहचान पत्र, परिसर की साफ-सफाई, पेयजल, चलंत शौचालय समेत मतगणना केंद्र में सीसीटीवी कैमरे, मतगणना की वीडियोग्राफी, इंटरनेट, माइकिंग सिस्टम, कंट्रोल रूम, मीडिया सेंटर आदि को लेकर चर्चा की गई।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्था दुरुस्त रखें। टेबलवार मतगणना कार्मिक की प्रतिनियुक्ति के अलावा मतों की गिनती के दौरान किसी कार्मिक की तबीयत खराब होने या अन्य कारणों की दशा में कोई बाधा न आए, इसके लिए विधानसभावार मतगणना

पदाधिकारियों संग बैठक करते जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल। ● फोटोन न्यूज

पार्टी रिजर्व में रहेंगे। सभी एआरओ एवं प्रभारी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि काउंटिंग से संबंधित तैयारियों को ससमय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी अपने से संबंधित कार्य का भलीभांति अध्ययन कर तैयारी पूर्ण करें। मतगणना सुबह आठ बजे शुरू होगी, जिसमें सबसे पहले पोस्टल बैलट की मतगणना होगी। उसके बाद ईवीएम में दर्ज वोटों की गिनती शुरू होगी।

बैठक में उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनंत कुमार, अपर उपायुक्त रोहित सिन्हा, अपर नगर आयुक्त मानगो नगर निगम रंजीत लोहरा, निदेशक एनईपी अजय साव, उप नगर आयुक्त जेएनएसी कृष्ण कुमार, जिला योजना पदाधिकारी अरूण द्विवेदी, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, एसडीओ धालभूम पारूल सिंह, एसडीओ घाटशिला सच्चिदानंद महतो, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नेहा संजना खलखो समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मतगणना को लेकर डीसी की उपस्थिति में किया गया प्रथम रेंडमाइजेशन

रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के दौरान उपस्थित डीसी व अन्य।

JAMSHEDPUR : जिला प्रशासन ने जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र की मतगणना को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। समाहरणालय में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल की मौजूदगी में मतगणना के लिए अधिकारियों व कर्मियों का प्रथम रेंडमाइजेशन कार्य संपन्न हुआ। नियमानुसार रेंडमाइजेशन का कार्य पूरा कराते हुए लिस्ट को लॉक कर दिया गया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार व पीडी-आईटीडीए दीपांकर चौधरी भी उपस्थित थे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रूप से संपन्न होने के बाद को-ऑपरेटिव कॉलेज में ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों को स्ट्रांग रूम में रखा गया है। 4 जून को मतगणना का कार्य संपन्न होगा। मतगणना के लिए जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उनका चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार प्रथम रेंडमाइजेशन का कार्य किया गया है। अभी दो रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया और होगी। पहला रेंडमाइजेशन पूल के अनुसार हुआ, दूसरा विधानसभा के अनुसार किया जाएगा तथा आखिरी रेंडमाइजेशन टेबल के अनुसार होना है। 4 जून को सुबह आठ बजे मतगणना का कार्य शुरू हो जाएगा।

बिष्टुपुर गुरुद्वारा की चुनाव प्रक्रिया शुरू करने का लिया गया निर्णय

बैठक में उपस्थित सीजीपीसी व गुरुद्वारा के पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JHARSUDUDA : बिष्टुपुर स्थित जी. टाउन गुरुद्वारा में चल रहे विवाद का निपटारा करते हुए सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने चुनाव प्रक्रिया आरंभ करने का निर्णय लिया। अकाल तख्त श्रीअमृतसर के हेड ग्रंथी सिंह साहब ज्ञानी मलकीत सिंह एवं श्रीअकाल तख्त के जत्थेदार सिंह साहब ज्ञानी रघुवीर सिंह के सहायक सचिव ज्ञानी अजीत सिंह द्वारा सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी को दिए गए निर्देश के तहत बुधवार सुबह 10 बजे सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के दफ्तर में बैठक हुई। इसमें प्रधान भगवान सिंह के नेतृत्व में चैयरमेन सरदार शैलेंद्र सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, गुरुचरण सिंह बिल्ला, कोषाध्यक्ष गुरनाम सिंह, टिनप्लेट के प्रधान सुरजीत सिंह खुशीपुर, सलाहकार सुखविंदर सिंह राजू, सुखदेव सिंह बिट्टू व हरविंदर सिंह गुल्लू की मौजूदगी में दोनों पक्षों के पांच-पांच सदस्यों ने भाग लिया। दोनों पक्षों की सहमति से निर्णय लिया गया कि जब तक बिष्टुपुर गुरुद्वारा का चुनाव नहीं होता है, तब तक वर्तमान गुरुद्वारा कमेटी के साथ सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी के दो प्रतिनिधि एवं पूर्व प्रधान गुरचरण सिंह भोगल की तरफ से तीन सदस्य मिलकर गुरुद्वारा से संबंधित रोजाना के कार्य करेंगे एवं सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी की देखरेख में एक अगस्त से गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान पद की चुनाव प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बैठक में दोनों पक्षों से पांच-पांच सदस्यों में प्रकाश सिंह, गुरचरण सिंह भोगल, त्रिलोक सिंह, दलजीत सिंह, अमरजीत सिंह, गोपाल सिंह, उत्तमजीत सिंह, कमलजीत सिंह, दर्शन सिंह, जसपाल सिंह आदि उपस्थित थे।

आजादी के 77 वर्ष बाद भी सीएम के मौसी घर तक नहीं बनी सड़क

PHOTON NEWS POTKA : एक और जहां सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों को सड़क का जाल बिछाकर मुख्य सड़क से जोड़ने की तैयारी बरसों से चल रही है, वहीं आजादी के 77 साल बाद भी बिंगबुरू गांव में विकास की किरणें आज तक नहीं पहुंच सकी। ग्रामीण राजाबासा, डांगराडीह, बिंगबुरू होते हुए मार्चगोड़ा तक 3.5 किमी सड़क की निर्माण की मांग को लेकर वर्षों से आंदोलन करते आ रहे हैं यह सड़क कुदादा-पोटका रोड को जोड़ती है, जो जमशेदपुर का आवागमन आसपास के गांव के लिए काफी सुगम एवं सरल बनाता है, मगर पगडंडीनुमा रास्ता निर्माण की बाट जोह रहा है। ग्रामीण कई बार आंदोलन कर चुके हैं। मगर

सड़क के लिए विरोध प्रदर्शन करते बिंगबुरु के ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

इस और किसी भी जनप्रतिनिधि या पदाधिकारी का ध्यान नहीं गया। इस गांव (बिंगबुरु) में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन का बचपन बीता है।

ग्राम प्रधान कृष्णा बास्के कहते हैं कि मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन इसी गांव में रहकर अपनी मौसी के घर से प्रारंभिक पढ़ाई की थी। आज इस गांव को देखने वाला कोई नहीं है। आज हम सब इस सड़क के निर्माण को लेकर जद्दोजहद कर रहे हैं, वहीं, ग्राम प्रधान द्वारा पूर्व जिला परिषद करुणामय मंडल को इसकी सूचना दी गई। करुणामय मंडल द्वारा ग्रामीणों संग सड़क का मुआयना किया गया। सड़क काफी जर्जर अवस्था में है। बारिश के दिनों में इस सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

यूपीएससी में सफल स्वाति शर्मा को विश्वकर्मा समाज ने किया सम्मानित

JAMSHEDPUR : यूपीएससी परीक्षा-2023 में 17वां स्थान प्राप्त करने वाली स्वाति शर्मा को झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज ने विश्वकर्मा सम्मान से सम्मानित किया। मानगो स्थित निवास पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों ने स्वाति शर्मा को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। स्वाति शर्मा को मेमेंटो, शॉल, विश्वकर्मा समाज का अंगवस्त्र व बुके भेंट किया। इस मौके पर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष अर्जुन शर्मा, प्रदेश प्रधान महासचिव संतन शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय शर्मा, हजारीबाग जिलाध्यक्ष यदु राणा आदि भी उपस्थित थे।

बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी अगले महीने शुरू होगी काउंसिलिंग

PHOTON NEWS JHARSUDUDA : बीएड कॉलेजों में दाखिले का इंतजार कर रहे छात्रों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद (जेसीईसीबी) ने बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता प्ररीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। इस परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी पर्षद की वेबसाईट पर जाकर अपना रिजल्ट देखने के साथ ही उसे डाउनलोड कर सकते हैं। पर्षद की ओर से परीक्षाफल को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए इस बार सभी परीक्षार्थियों का आंसर ओएमआर शीट को स्कैन कर वेबसाईट पर अपलोड किया गया। परीक्षार्थी इसे भी डाउनलोड कर सकते हैं। हालांकि भले ही प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है, लेकिन अभी तक एडमिशन के लिए काउंसिलिंग की तिथि घोषित नहीं की गयी है। जेसीईसीबी की ओर से कहा गया है कि इसकी तिथि अगले महीने घोषित होगी जिसके आधार पर राज्य के सभी बीएड कॉलेजों में दाखिला लिया जाएगा।

21 अप्रैल को आयोजित हुई थी परीक्षा

मालूम हो कि संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 21 अप्रैल को जमशेदपुर समेत झारखंड के अलग अलग शहरों में आयोजित हुआ था। जिसमें करीब 45 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे। ऐसे में प्रवेश परीक्षा के करीब एक महीने बाद परिणाम जारी किया गया है।मिली जानकारी के अनुसार जून से जुलाई तक काउंसिलिंग की प्रक्रिया चलेगी जबकि अगस्त से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

कोल्हान में 15 कॉलेजों में 1550 सीटें

बीएड कॉलेजों की बात करें तो कोल्हान प्रमंडल में कुल 15 बीएड कॉलेज हैं जिसमें 1550 सीटें हैं। सबसे अधिक 200 सीट वीमेंस विश्वविद्यालय स्थित शिक्षा संकाय में हैं। इन सभी कॉलेजों में दाखिला इस प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होगा। जेसीईसीबी ने सभी कॉलेजों को काउंसिलिंग के लिए तैयार रहने को कहा है।

मानगो में 38 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन धराए, जेल

जानकारी देते डीएसपी भोला प्रसाद सिंह व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JHARSUDUDA : मानगो थाना अंतर्गत मछली बाजार के पास छापेमारी कर पुलिस ने 38 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में उलीडीह शंकोसाई निवासी जितेंद्र प्रसाद गुप्ता, दाईगुटु निवासी विजय गोराई और मानगो पंजाबी लाइन निवासी राहुल तंतुबाई शामिल हैं। बुधवार को मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी हेडक्वार्टर-1 भोला प्रसाद सिंह ने बताया कि मंगलवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में कुछ युवक ब्राउन शुगर की बिक्री कर रहे हैं। सूचना पाकर पुलिस ने छापेमारी की और तीनों युवकों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान जितेंद्र के पास से 20 पुड़िया, विजय के पास से 10 और राहुल के पास से 8 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके अलावा 3190 रुपये नकद और तीन मोबाइल भी जब्त किए गए हैं।

सड़क दुर्घटना में घायल एमजीएम अस्पताल की कर्मी पिंकी की मौत

PHOTON NEWS JHARSUDUDA : एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की क्लर्क पिंकी कुमारी की बुधवार सुबह 5 बजे टीएमएच में मौत हो गई। वह 26 मई को सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थी। टीएमएच में बेंगलुरु से आए पिंकी की बड़ी बहन और बहनोई ने बताया कि 25 मई को पिंकी लोकसभा चुनाव की ड्यूटी के बाद दूसरे दिन रविवार शाम करीब 7.20 बजे अपने मंगेतर के साथ मानगो के समता नगर से डिमना चौक जा रही थी। उस समय एनएच-33 स्थित महिंद्रा शोरूम के समीप तीन ऑटो चालक आपस में रेसिंग लगा रहे थे। उसी में एक ऑटो से पिंकी की स्कूटी में धक्का

पिंकी कुमारी की फाइल फोटो।

लग गया, जिसे पिंकी के मंगेतर चला रहे थे। पिंकी पीछे बैठी थी। धक्का लगते ही पिंकी बीच सड़क पर गिर गई, जिससे उसे गंभीर चोट लगी। आनन-फानन में मंगेतर घायल पिंकी को टीएमएच ले गए। डॉक्टर ने स्थिति चिंताजनक बताई थी, लेकिन इलाज जारी रखा। मंगेतर ने इसकी सूचना मुझे दी, तो मैं अपने पति के साथ जमशेदपुर पहुंचे। बड़ी बहन ने किसी से नंबर लेकर भाजपा नेता विकास सिंह को टीएमएच बुलाया। विकास सिंह ने मामले की जानकारी लेकर मानगो थाना को इस मामले में कार्रवाई का आग्रह किया।

विकास ने कहा कि टीएमएच इलाज के मद में बकाया लगभग 10,0000 रुपये मांग रहा है। विकास सिंह ने कहा कि चूंकि पिंकी एमजीएम अस्पताल की कर्मचारी थी, इसलिए इसलिए उपायुक्त एवं एमजीएम अस्पताल प्रबंधन को इलाज की राशि माफ कराते हुए टेंपो चालक पर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

गैंगरेप के दोषी पांच युवकों को आजीवन कारावास की सजा

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा से सटे पुराना चाईबासा के एरोड्राम मैदान में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवती के साथ गैंगरेप मामले में दोषी पांच युवकों को अंतिम सांस तक आजीवन कारावास की सजा जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम ओमप्रकाश के न्यायालय से सुनाई गई है । 20 अक्टूबर, 2022 की शाम घटी इस घृणित घटना में न्यायाधीश द्वारा गवाहों और सबूत के आधार पर डेढ़ साल में फैसला सुनाया गया । घटनाक्रम के अनुसार पीड़िता अपने मित्र के साथ मैदान में खड़ी थी।सूर्यास्त के बाद थोड़ा अंधेरा होने पर अचानक 10 लड़को ने वहां पर पहुंच कर पीड़िता और युवक को घेर लिया। सभी मारो कह कर चिल्लाने लगे। पीड़िता को चप्पल , जूता डंडा पत्थर आदि से मारा गया। मारपीट के बाद पीड़िता को थोड़ी दूर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म एवं अप्राकृतिक यौनाचार किया गया गया। इस घटना में सालीहातु निवासी सुरेन देवगम, प्रकाश देवगम उर्फ डेंबो, पूरमी देवगम, सोमा सिंकू उर्फ पेट्रो एवं टेकराहातु निवासी शिव शंकर करजी उर्फ बाज को

भारतीय दंड विधान की धारा 376 डी की उप धारा 34 के तहत अंतिम सांस तक आजीवन कारावास और चालीस-चालीस हजार रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई गई है। इस घटना के पांच नाबालिग आरोपितों की जुवेनाइनल कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन रांची संभाग का तीन दिवसीय वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन पारडीह स्थित रिसॉर्ट में संपन्न

शिक्षण में नई तकनीक शामिल करना जरूरी : निधि पांडेय

PHOTON NEWS JHARSUDUDA : केन्द्रीय विद्यालय संगठन रांची संभाग का तीन दिवसीय वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन बुधवार पारडीह स्थित रिसॉर्ट में संपन्न हुआ। इसमें रांची संभाग के विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों के प्राचार्य शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, प्रशासनिक चुनौतियों का समाधान और नवीन शिक्षण विधियों पर विचार-विमर्श था। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संगठन की आयुक्त निधि पांडेय ने केन्द्रीय विद्यालय के मूल्यों पर काम करते हुए लक्ष्यों को प्राप्त करने के तरीकों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में दुनिया तेजी से बदल रही है। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी नई चुनौतियां और अवसर सामने आ रहे हैं। डिजिटल लर्निंग का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है और हमें अपने शिक्षण पद्धतियों में

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

नवीनतम तकनीकों का समावेश करना होगा।

केवि की उपलब्धियों को रखा गया : केन्द्रीय विद्यालय हजारीबाग की प्राचार्य अंकिता शर्मा ने केन्द्रीय विद्यालय रांची संभाग की विभिन्न उपलब्धियों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। साथ ही विभिन्न स्कूलों के परीक्षा परिणाम की भी जानकारी साझा की गयी। केन्द्रीय विद्यालय गढ़वा के प्रभारी प्राचार्य दीपक पांडेय ने शिक्षण के विशिष्ट तरीकों पर विस्तृत चर्चा की। सम्मेलन के अंतिम दिन कई सत्र हुए। इसमें संभाग उपायुक्त डीपी पटेल, सहायक आयुक्त सुजाता मिश्रा के साथ बलेन्द्र कुमार भी शामिल हुए।

विद्यार्थियों का समग्र विकास आवश्यक

संयुक्त आयुक्त अजीता लॉन्गजेम ने कह कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों का समग्र विकस भी है। हमें विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीक और ज्ञान से लैस करना है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें। इसके साथ ही विद्यारर्थी एनईपी 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। उन्होंने शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के विभिन्न उपायों पर चर्चा की। इसमें शिक्षकों के प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम में सुधार और विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन शामिल था। शिक्षण में नई तकनीकों का उपयोग और विद्यार्थियों के लिए उसे रोचक बनाने के तरीकों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया।

विकास कार्यों की समीक्षा के लिए 30 से क्षेत्र भ्रमण करेंगे भाजमो कार्यकर्ता

बैठक करते भाजमो कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JHARSUDUDA : भारतीय जनतंत्र मोर्चा के कार्यकर्ता जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा करने के लिए 30 मई से 3 जून तक भ्रमण करेंगे।

इस संबंध में बुधवार को बिरसानगर पूर्वी मंडल की बैठक संडे मार्केट मैदान में हुई। मंडल अध्यक्ष शंकर कर्मकार की अध्यक्षता में हुई बैठक में चर्चा की गई कि पिछले 4 वर्ष में विधायक सरयू राय की अनुशंसा से हुए विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया जाएगा। इस दौरान स्थानीय नागरिकों से चर्चा की जाएगी और शेष विकास कार्यों की सूची बनाई जाएगी। मंडल के सभी युवा, महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति मोर्चा के कार्यकताओं को इसकी जिम्मेदारी दी गई। बैठक में जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, प्रसनजीत सिंह, सरस्वती खमरी, बलदेव सिंह, राजू लोहार, संजय कालिंदी, विकास सरकार, राजू कर्मकार, कमल बेड़ा, आरती चौबे, अजीत दे, अजय कुमार, विजय सिंह आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

राहुल, तेजस्वी, मीसा की लंच पर चुनावी चर्चा; कहा- पीएम झूठे, नर्वस हो चुके हैं

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें और आखिरी चरण की वोटिंग 1 जून को होनी है। वोटिंग से पहले बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ खुद के लंच करते हुए वीडियो शेयर किया है। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच मछली और मटन पर राजनीति से लेकर पीएम नरेंद्र मोदी और आरक्षण जैसे कई मुद्दों पर चर्चा हुई। वीडियो में तीनों नेता खाना खाते हुए नजर आ रहे हैं। इसमें पीएम मोदी के हालिया बयान का जिक्र करते हुए मुकेश सहनी ने कहा कि मछली आपने खाई, कांटा मोदी जी को लगा। दूसरी ओर वीडियो में राहुल कहते हैं, 'ये जो कह रहे हैं मैं भगवान का काम करता हूं... ये नर्वसनेस है। इस वीडियो में वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी, सीपीआई माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, पाटलिपुत्र से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की प्रत्याशी मीसा भारती भी दिख रही हैं। वीडियो सोमवार का है, जब राहुल गांधी ने पटना में मीसा भारती के लिए चुनाव प्रचार किया था। तेजस्वी, राहुल और मीसा के इस वीडियो पर बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है। भाजपा प्रवक्ता कुंतल किशोर ने कहा कि शहजादे, शहजादियों को मटन मछली और अपने ऐशो-आराम की ही फिक्र है और किसी की नहीं।

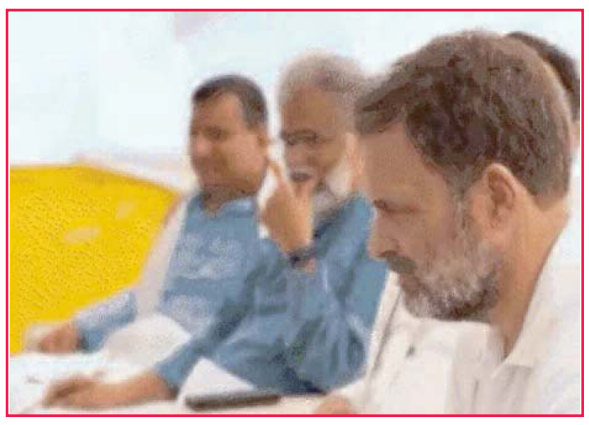

तेजस्वी यादव ने मंगलवार रात को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से यह वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी को भारत की जनता पस्त कर रही है। करीब पौने चार मिनट के वीडियो की शुरूआत में तेजस्वी यादव वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी से कह रहे हैं कि आपकी मछली में कांटा लगा है। तभी राहुल गांधी बीजेपी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहते हैं, क्या खाते हो, क्या बोलते हो, क्या पीते हो, इनका सिस्टम ये ही है। इतना ही नहीं इस चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना झिझक और बिना रुके झूठ बोलते हैं। वे कुछ भी बोल सकते हैं। वो नर्वस हो गए हैं। मीसा भारती ने कहा कि पीएम मोदी तीसरी बार मौका मांग रहे हैं, लेकिन बिहार आकर वे कुछ भी नहीं कह रहे हैं। बीते 10 सालों में उन्होंने क्या किया यह नहीं बता रहे हैं। वहीं, तेजस्वी यादव यह कहते हुए नजर आते हैं कि बिहार में इस बार चौंकाने वाला रिजल्ट आएगा। लोग काम देखना चाहते हैं। पिछली बार आए थे तो तीन-चार जगह गए थे जहां शुगर मिल था। पीएम ने न मिल के बारे में बात की और ना ही चीनी के बारे में कुछ कहा। ऐसे में लोग समझ चुके हैं कि पीएम मोदी झूठ बोलते हैं। इसके आगे उन्होंने कहा कि हमने बिहार में आरक्षण का दायरा 75 फीसदी तक बढ़ाया। बिहार कैबिनेट ने इस आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजा। मगर उस पर कोई विचार नहीं किया गया। ये लोग आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने कहा कि चुनाव में पहली बार राहुल गांधी बिहार आते हैं। राहुल जी कब आप इस बात को समझेंगे कि सावन में आप मटन भात खाते हैं।

बेगूसराय में छोटी बहन का पांव चक्के में फंसा, मौत; घर में सो रहे थे पांचों

बेगूसराय। बेगूसराय में 6 साल की बच्ची की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृत बच्ची की पहचान गुलाबी महतो की बेटी सृष्टि कुमारी के रूप में हुई है। घर में पांच बच्चे सो रहे थे। जब फूस के घर में आग लगी तो शोभा(7) की नींद खुली उसने तेजी से अपनी बहन मौसम कुमारी (12) और दोनों भाई प्रियांशु कुमार (8) और राजबाबू (6) को उठाया और घर के बाहर ले आई। लेकिन सृष्टि कुमारी (6) का घर से निकलते वक्त पैर साइकिल के चक्के में फंस गया और आग की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। आग की लपटें देखकर गांव वाले भागे-भागे आए। तब तक काफी देर हो चुकी थी। मासूम सृष्टि की मौत हो गई थी और घर का सामान जलकर खाक हो चुका था। घटना मंगलवार रात 10 बजे मटिहानी थाना क्षेत्र के मनिअप्पा गांव की है। घर में बिजली का कनेक्शन नहीं है मृत बच्ची के पिता गुलाबी महतो ठेला चलाकर परिवार पालते हैं। रात 11 बजे के बाद वो घर पहुंचते हैं। घटना के वक्त बच्चों की मां कविता देवी भी घर में नहीं थी। गांव में ही कहीं गई थी। 5 बच्चे घर में सो रहे थे। इसी दौरान अचानक आग लगी और ये हादसा हुआ। मृतका के पिता गुलाबी महतो ने कहा कि घर में आग लग गई थी। मेरी बेटी सृष्टि कुमारी झुलस गई। आग किसने लगाई नहीं देख पाए। तेजी से फैली आग मुखिया मुरारी कुमार और सरपंच मनटुन कुंवर ने बताया कि लोग जब तक कुछ समझ पाते देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। दो मवेशी भी झुलसे इसके साथ ही इस घटना में 2 बकरी और घर में रखा सामान जलकर राख हो गया। आग की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर पहुंची।

गोपालगंज में खाना खाकर बस में चढ़े तो बिगड़ी तबीयत, हीट वेव से मरने की आशंका

गोपालगंज। गोपालगंज के बरौली थाना क्षेत्र के मिजार्पुर गांव के पास बस में अचानक एक यात्री गर्मी से काफी परेशान हो उठा। जब तक साथी यात्री उसे लेकर सदर अस्पताल पहुंचे तब तक उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान महाराष्ट्र के नासिक पालसे निवासी दामू आगड़े के बेटा सोमनाथ आगड़े के रूप में हुई है। बताया जाता है कि महाराष्ट्र के नासिक पालसे गांव निवासी 50 की संख्या में यात्री बस में सवार होकर नेपाल के काठमांडू में पूजा अर्चना करने के लिए जा रहे थे। इसी बीच

बरौली थाना क्षेत्र के मिजार्पुर गांव के पास बस को रोक कर सभी यात्री उतरे और खाना बनाकर खा कर फिर बस पर सवार होने लगे। तभी महाराष्ट्र के नासिक पाल निवासी सोमनाथ आगड़े की तबीयत बिगड़ गई। इस दौरान उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में लेकर उनके साथी पहुंचें। वहीं डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि खाना बनाकर खाने के बाद बस पर सवार हो गए थे तभी ऐसा लगा कि काफी गर्मी महसूस हो रही है। बेचैनी बढ़ने लगी है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में ले गए लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड मे तैनात डॉ देवेश कुमार ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और हीट वेव के कारण मौत हो सकती है। उन्होंने बताया कि काफी गर्मी में ज्यादा मात्रा में पानी पीना चाहिए साथ ही नारियल पानी का सेवन करना चाहिए ताकि शरीर में पानी की मात्रा कम न हो जिससे हीट वेव से बचा जा सकता है।

आज से 8 जून तक सरकारी स्कूल बंद, भीषण गर्मी से हाल बेहाल; आज 100 से ज्यादा बच्चे हुए बेहोश

पटना। बिहार में भीषण गर्मी और लू के चलते बुधवार की शाम सीएम के आदेश पर सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। आज से 8 जून तक स्कूल बंद रहेंगे। सीएम के निर्देश पर इस संबंध में मुख्य सचिव ने लेटर जारी किया है। इससे पहले शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने कक्षा 1 से 8 तक स्कूलों के टाइमिंग में बदलाव किया था। सीएम ने दिया था निर्देश सीएम ने मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा को निर्देश दिया था कि भीषण गर्मी और लू की चपेट से राज्य में आपदा की स्थिति बन रही है। आवश्यकतानुसार वर्तमान स्थिति

को देखते हुए स्कूलों को बंद करने के संबंध में समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करें। ताकि स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित ना हो। सीएम ने मुख्य सचिव को यह भी निर्देश दिया था कि वे क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक आयोजित कर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अन्य आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने भी मुख्य सचिव से की थी बात वहीं, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने भीषण गर्मी के कारण स्कूली बच्चों के बीमार होने की सूचना पर राज्य के मुख्य सचिव से फोन पर बातचीत की थी। अलग-अलग स्कूलों में 88 से ज्यादा बच्चे बेहोश हुए भीषण गर्मी के बीच बिहार के सरकार स्कूलों में क्लास चल रही थी। 9 जिलों में बुधवार को गर्मी से स्कूलों में 100 से ज्यादा बच्चे बेहोश हुए हैं। इनमें से कई का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिन जिलों में बच्चे बीमार हुए हैं वहां का तापमान 40 डिग्री के पार है। टाइमिंग बदलने की मांग कर रहे थे बच्चों के बीमार होने के बाद पेरेंट्स का गुस्सा फूटा पड़ा। पेरेंट्स स्कूल बंद करने की मांग कर रहे थे।

शिक्षक भी खुद स्कूल की टाइमिंग बदलने की मांग कर रहे थे। इधर, मौसम विभाग ने अगले 2 दिन बिहार के लिए हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

कहा-हमारे परिवार का बेहद करीबी था, दामाद का दोस्त था; आरोपियों की जल्द होगी गिरफ्तारी

जहानाबाद। पटना में हुई हर्ष कुमार की हत्या पर बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि यह बहुत ही निंदनीय घटना है। इस घटना में शामिल चाहे जो भी हो उनकी गिरफ्तारी जल्द होगी और पुलिस चिह्नित कर सभी लोगों को पता लगाने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि पटना विश्वविद्यालय का हॉस्टल अराजक तत्वों का जमावड़ा बन गया है। कई लोग नाम बदल बदल कर हॉस्टल में रह रहे हैं। हॉस्टल में रहने वाले सभी छात्रों की जांच होनी चाहिए इसके लिए मैंने बिहार के राज्यपाल से भी

बात की है। इसके अलावा पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक से मेरी बात हुई है। चार-पांच दिनों के अंदर घटना में शामिल अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कहा कि हर्ष बेहद ही सुशील लड़का था। मेरे परिवार से उसकी नजदीकी संबंध थे, मेरे दामाद का वह दोस्त था। जिस तरह से पिटाई कर उसकी हत्या की गई है इस घटना का हम तीव्र निंदा करते हुए हथियारों की गिरफ्तारी की मांग करते हैं। कहा कि हॉस्टल के अंदर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें शराब पीकर कुछ लोग कार्यक्रम के अंदर जाना चाह रहे थे।

उन लोगों को रोकने का प्रयास हर्ष कुमार कर रहा था। इसी दौरान यह घटना घटी है। लोगों ने लाठी डंडे से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी है।

हाजीपुर में नालंदा के व्यवसायी ने की थी FIR, 2 मोबाइल भी मिले

हाजीपुर। वैशाली में पुलिस ने फोन कॉल से 10 लाख रुपए रंगदारी मांगने वाले दो अपराधी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित व्यवसायी नालंदा के रहने वाले सुबोध कुमार सिंह के पुत्र करण कुमार ने औद्योगिक थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इसमें औद्योगिक थाना अध्यक्ष और जिला और सूचना इकाई टीम को शामिल की गई थी। दोनों टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई, जिसमें फोन कॉल पर 10 लाख रुपए रंगदारी मांगने वाले दो अपराधी से पूछ लिया जिसके पास से पुलिस ने दो कीपैड मोबाइल भी बरामद किया है। दोनों गिरफ्तार अपराधी बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहीमापुर गांव निवासी स्वर्गीय संजय सिंह के पुत्र आदित्य कुमार और भगवान लाल सिंह के पुत्र संजय सिंह बताया गए हैं। वैशाली पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फोन कॉल पर रंगदारी मांगने वाले दो अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पटना में बस-ट्रक की आमने-सामने हुई टक्कर, 8 की हालत गंभीर

पटना। पटना के बिक्रम थाना के गोरखरी मोड़ के पासएनएच 139 पर यात्रियों से भरी बस और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में बस चालक की मौत हो गई। जबकि 12 लोग घायल है, जिनमें 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना बुधवार की सुबह करीब 7 बजे की बताई जा रही है। बताया जाता है कि एक्सीडेंट के बाद बस का ड्राइवर स्टेयरिंग से फंस गया। उसकी मौत भी हो गई है। उसके शव को जेसीबी से निकाला गया। घटना की सूचना मिलने पर बिक्रम पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बस में यात्रा कर रही गीता ने बताया कि बस पालीगंज से पटना जा रही थी। जबकि खाली ट्रक पालीगंज की तरफ बालू लोड के लिए जा रहा था। इस दौरान दोनों की आमने-सामने टक्कर हो

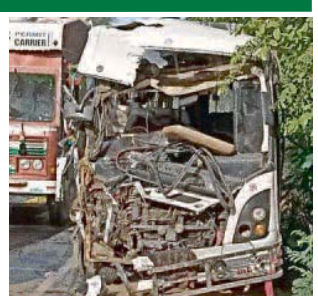

गई। इस हादसे मे पालीगंज थाने के एसआई यादव भी घायल हुए हैं। वे चुनाव से जुड़े काम को लेकर पटना आ रहे थे। इस हादसे में कुल 12 यात्री घायल हुए। सभी घायलों को बिक्रम पीएचसी ले जाया गया। 8 घायलों की स्थिति देखते हुए उन्हें डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया। दोनों गाड़ी की टक्कर के बाद सड़क पर जाम के हालत बन गए। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को जेसीबी की मदद सड़क के किनारे कराया।

सत्संग सुनतीं, कहतीं शरीर नश्वर, लेटर में लिखा- बाबा ने बुलाया है कष्ट दूर हो जाएंगे

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के अखाड़ाघाट की रहने वाली माही 10वीं क्लास में पढ़ती थी। वह बहुत छोटी थी, जब उसकी मां ने दुनिया छोड़ दी। मां की मौत के बाद माही के जीवन में भटकाव आने लगा। भक्ति में डूबी माही के दिमाग में यह बैठ गया कि यह शरीर नश्वर है। वह अपनी मां की मौत के बाद भी बात करने का दावा करने लगी। कहती थी यह शरीर नश्वर है। यह कभी मरता नहीं। अमरत्व प्राप्त करता है। यही बात माही के साथ कोचिंग में पढ़ रही योगियामठ इलाके की गौरी और माया के दिमाग में भी बैठ गई। इसके बाद हिमालय पर बाबा से मिलने की चिट्ठी लिखकर तीनों मथुरा पहुंच गई और तीन दिन पहले मथुरा में ही मालगाड़ी के सामने आकर तीनों ने अपनी जान दे दी। गौरी (14), माया (13) और बालूघाट की माही (13) एक साथ 13 मई से लापता थीं। माही के घर से एक लेटर भी मिला, जिसमें लिखा है, जीवन में कुछ परेशानियां चल रही हैं। बाबा ने बुलाया है। इसके बाद सब ठीक हो जाएगा। तीन महीने तक हम लोगों की खोजबीन नहीं कीजिएगा। हम आध्यात्म की खोज में जा रहे हैं। मंगलवार को तीनों छात्राओं के परिजनों के साथ मुजफ्फरपुर पुलिस ने मथुरा पहुंच कर डेड बॉडी की पहचान कराई। पहचान होने के बावजूद पुलिस ने डीएनए टेस्ट कराने का फैसला लिया है। तीनों एक साथ हाथ पकड़ कर मालगाड़ी के सामने आ गई। इसका प्रमाण भी मथुरा पुलिस ने मुजफ्फरपुर पुलिस को मालगाड़ी के ड्राइवर से हुई बातचीत का ऑडियो देकर किया है। मंगलवार को एएसपी भानू प्रताप सिंह,साइबर डीएसपी सीमा देवी और नगर

थानेदार वजय कुमार ने मामले की छानबीन की। तीनों लड़कियों के कॉपी, किताब और मोबाइल की जांच की गई। जनवरी से तीनों ने मांस-मछली खाना छोड़ दिया था। शरीर नश्वर है। मृत्यु अमरत्व को प्राप्त करता है। यही सब यूट्यूब पर देखती रहती थीं। मालगाड़ी के ड्राइवर के ऑडियो क्लिप से तीनों की आत्महत्या करने का खुलासा ऑडियो में मालगाड़ी ट्रेन के चालक कह रहा है कि तीनों लड़कियों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ रखा था। वे मथुरा जंक्शन की ओर से रेल ट्रैक पर आ रही थीं। ट्रेन करीब 60 किमी की रफ्तार से चल रही थी। तीनों लड़कियां बगल वाले ट्रैक पर चल रही थीं। 80-90 मीटर पहले तीनों लड़कियां अचानक मालगाड़ी वाले ट्रैक पर पहुंच गई। इस दौरान ब्रेक लगाना मुश्किल हो रहा था। चंद सेकेंड बाद तीनों लड़कियां ट्रेन से कट गईं। बहन से कहा था- 2-3 घंटे में आ जाएंगे गौरी की छोटी बहन पीहू कुमारी (09) का बयान सामने आया है। 13 मई को मंदिर जाने के समय गौरी की छोटी बहन पीहू भी साथ में मंदिर गई हुई थी। उसने बताया कि हम चारों साथ में गरीब नाथ मंदिर गए। वहां से पूजा करने के बाद सीधे रेलवे स्टेशन गए। उसके बाद मेरी दीदी गौरी ने टिकट काउंटर से तीन टिकट लिया। इसके बाद वो तीनों चलती ट्रेन में बैठने के बाद मुझे बोली कि घर जाओ हम दो-तीन घंटे में आएंगे। इसके दो दिन बाद मैंने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी, क्योंकि वह काफी डर गई थी। प्रेमानंद बाबा का सत्संग सुना करती थी गौरी के चाचा अमित कुमार रजक ने बताया कि गौरी इधर कुछ महीने से पूजा-पाठ ज्यादा करने लगी। नॉनवेज भी खाना बंद कर दिया था। हम लोगों को भी खाने से मना करती थी। काफी समय से प्रेमानंद बाबा का सत्संग सुना करती थी। उसके पास कोई मोबाइल फोन नहीं था। उसकी सहेली माही घर के मोबाइल फोन पर कॉल करती थी। हम लोग उससे बात करवा दिया करते थे। बच्चियों ने 4-5 इंस्टाग्राम कक्ष बनाया था। 26 मई को मथुरा पुलिस ने मुजफ्फरपुर पुलिस को फोन किया गौरी के चाचा ने कहा कि दूसरे राज्य में पुलिस पूरी मदद करना चाहती थी। जबकि, मुजफ्फरपुर के नगर थाने में पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही थी।

संक्षिप्त डायरी

फोन पर बात करते-करते हुआ था प्यार, महिला का बेटा है किशोर का दोस्त

समस्तीपुर। दरभंगा की रहने वाली 35 साल की महिला का 16 साल के नाबालिग लड़के से प्यार हो गया। वो अपने घर से भागकर प्रेमी के घर समस्तीपुर के हसनपुर पहुंच गई। अब दोनों साथ जीने-मरने की कसम खा रहे हैं। हालांकि, बुधवार को गांव में पंचायत बैठी थी, ताकि महिला अपने घर चली जाए। बताया जा रहा है कि महिला 4 बच्चे की मां है। हसनपुर थाना क्षेत्र के नकुनी पंचायत के सिवत्तर गांव के मोहम्मद सोनू (16) गुजरात में एक सूत मिल में 2 सालों से काम करता है। यहां महिला के एक बेटा भी काम करता है, जो मोहम्मद सोनू का दोस्त है। सोनू की फोन पर दोस्त की मां से बात होने लगी। फिर धीरे-धीरे दोनों की वीडियो कॉल पर बात होने लगी। इसी दौरान दोस्त की मां प्रेमिका बन गई। महिला का नाम रुबैदा खातून (35) है, जिनके 4 बच्चे हैं। इसमें 3 लड़का और 1 लड़की है। वह दरभंगा के महाराजगंज की रहने वाली है। हालांकि, नाबालिग के परिवार वाले महिला को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। नाबालिग के परिवार वालों ने बताया कि महिला ने सोनू को बहला फुसलाकर प्रेम जाल में फंसा लिया है। अब दोनों साथ जीने-मरने की खा रहे हैं कसम 4 बच्चों को छोड़कर दरभंगा से हसनपुर पहुंची महिला ने बताया कि अब हम अपने प्रेमी के साथ ही बचा हुआ जीवन बिताना चाहती है। वहीं, नाबालिग भी गुजरात से लौट कर हसनपुर आ गया है। वो भी प्रेमिका के साथ रहना चाहता है। बता दें कि महिला फैमिली प्लानिंग भी कर चुकी है।

9 जिलों में 100 से ज्यादा स्टूडेंट्स हुए थे बेहोश, 2 दिन सीवियर हीटवेव का अलर्ट

पटना। बिहार में गर्मी 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। औरंगाबाद में मंगलवार को पारा 48 डिग्री के करीब रहा। भीषण गर्मी के बीच बिहार के सरकार स्कूलों में क्लास चल रही है। 9 जिलों में बुधवार को गर्मी से स्कूलों में 100 से ज्यादा बच्चे बेहोश हुए हैं, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिन जिलों में बच्चे बीमार हुए हैं वहां का तापमान 40 डिग्री के पार है। बिहार के सरकारी स्कूलों में 15 अप्रैल से 15 मई तक गर्मी की छुट्टी थी। छुट्टी खत्म होने के बाद सुबह 6 से 12 बजे तक स्कूल संचालित हो रहे हैं। इस बार केके पाठक ने पूरे राज्य के लिए एक ही छुट्टी का कैलेंडर जारी किया था। हालांकि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्य सचिव को स्कूल बंद करने का निर्देश दिया। इस निर्देश के आलोक में मुख्य सचिव ने सभी सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया है। इसको लेकर बुधवार की शाम अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इस अधिसूचना के अनुसार, 30 मई से 8 जून तक स्कूल बंद रहेंगे। वहीं, बच्चों के बीमार होने के बाद पेरेंट्स का गुस्सा फूटा है। पेरेंट्स स्कूल बंद करने की मांग कर रहे हैं। शिक्षक भी खुद स्कूल की टाइमिंग बदलने की मांग कर रहे हैं। इधर, मौसम विभाग ने अगले 2 दिन बिहार के लिए हीटवेव से गंभीर हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

मधुबनी में 7 लड़कों ने बगीचे में की दरिंदगी; काम कर घर लौट रही थी

मधुबनी। मधुबनी में एक महिला के साथ 7 लड़कों ने बगीचे में गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया है। सभी ने गंदे काम का वीडियो भी बनाया। साथ ही धमकी दी कि अगर किसी से इसकी घटना की चर्चा की तो वीडियो वायरल कर देंगे। अचानक मंगलवार को गैंगरेप का वीडियो वायरल होने लगा। घटना 21 मई की रात की बताई जा रही है। महिला किसी गेस्ट हाउस में काम कर घर लौट रही थी। तभी झंझारपुर के लगड़ा चौक से दो लड़के जबरन महिला का मुंह दबाकर बाइक पर बैठा कर बगीचे में ले गए। वहां पर पहले से बाकी लड़के मौजूद थे। सभी दरिंदों ने महिला के साथ गैंग रेप किया और फिर मोबाइल से वीडियो बना लिया। वायरल वीडियो में सभी आरोपियों की उम्र 20-25 साल के बीच है। पीड़िता ने समाज के डर के इस घटना का जिक्र किसी से नहीं किया। बताया जाता है कि घटना के बाद से उसने घर से निकलना बंद कर दिया। लेकिन 27 मई को आरोपियों ने वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़िता के परिवार वालों ने 27 मई को झंझारपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। एक पकड़ाया, 6 आरोपियों की तलाश में पुलिस वहीं मामले को लेकर झंझारपुर डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि महिला के साथ गैंग रेप की घटना हुई है। पीड़ित महिला का मेडिकल जांच कराने के बाद मधुबनी कोर्ट में 164 का बयान दर्ज करवाया गया है। एक आरोपी को अरेस्ट किया गया है। 6 फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। गरीब परिवार से आती है महिला बताया जाता है कि महिला के पति और ससुर ठेला पर सामान बेचते हैं। घर चलाने के लिए महिला भी किसी रेस्ट हाउस में काम करती है। इस घटना के बाद परिवार के लोग सदमे हैं।

मतदान में युवाओं की अत्यावश्यक भूमिका

प्रो. मनोज डोगरा

चुनाव कानूनों में आजादी के बाद से काफी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, लेकिन निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवा ही संपत्ति हैं, इसका एहसास 1988 में किया जा सकता है, जब 61वें संशोधन विधेयक ने मतदाताओं की पात्रता आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया था। इस बदलाव से युवाओं को अपने देश की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद थी। हालांकि, यह काफी हद तक असफल रहा, क्योंकि 20वीं शताब्दी के अधिकांश समय में युवाओं की भागीदारी कम रही। युवा वोट को प्रोत्साहित करने का सबसे स्पष्ट तरीका शिक्षा और जागरूकता फैलाना है। लोकतंत्र में हर वोट मायने रखता है और युवाओं के लिए यह जरूरी है कि वे अपने वोट की कीमत जानें।

देश में सबसे बड़ा महापर्व चुनावी पर्व देश में पहले चरण के साथ शुरू हो गया है जिसको लेकर सभी के मन में व विश्व की नजर में अनेक कयास लगाए जाएंगे क्योंकि भारत के लोकतंत्र को सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। लोकतंत्र की इस सफलता का आधार देश का जागरूक मतदाता माना जाता है। यह महापर्व कई माध्यमों से होकर गुजरेगा जिसमें चुनाव सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अभिनीत करता है। चुनाव लोकतंत्र के उस विचार को सामने रखता है जिसका उल्लेख प्रस्तावना में किया गया है कि शक्ति ह्यहम लोगह्ल के पास है। ह्यलोगोंह्ल ने खुद को एक लोकतांत्रिक गणराज्य दिया जो न केवल उनके अधिकारों और व्यक्ति की रक्षा करता है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि न्याय और निष्पक्षता के ऐसे सिद्धांत हमेशा व्यवहार में हों और यह भारत के संविधान के रूप में जाने वाले चार्टर द्वारा सुनिश्चित किया गया हो। चुनाव किसी भी लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में शासन व्यवस्था का आधार व प्राण होते हैं। प्रत्येक चुनावों में निश्चित उम्र पूरी कर चुके अनेकों नव मतदाता इस चुनावी पर्व की बेला में सरीक होते हैं। 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव सात चरणों और 44 दिनों में होंगे, वोटों की गिनती 4 जून को होगी। यह घोषणा देश के सबसे बड़े पर्व की एक औपचारिक शुरूआत मानी जा सकती है क्योंकि आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। इतना विशाल सफल मतदान व निष्पक्ष चुनाव करवाना चुनाव आयोग के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। आजादी के बाद से देश में मतदाताओं की संख्या छह गुना बढ़ चुकी है।

देश में कुल मतदाताओं की संख्या बढकर 96 करोड़ हो गई है। साल 1951 में देश में कुल मतदाता 17.32 करोड़ थे, जो अब बढकर 96 करोड़ से ज्यादा हो गए हैं। हालांकि चुनाव आयोग के लिए चिंता की बात यह है कि बीते लोकसभा चुनाव में करीब एक-तिहाई, यानी लगभग 30 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल ही नहीं किया था। ऐसे में मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक लाने के लिए चुनाव आयोग को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। कहीं फिल्म जगत के, तो कहीं खेल जगत के धुरंधरों को ब्रांड एंबेसेडर बनाकर नए मतदाताओं को मतदान करने हेतु

चुनाव आयोग प्रेरित कर रहा है। विभिन्न माध्यमों से हर प्रयास किए जा रहे हैं। चुनाव आयोग जिला से लेकर मंडल स्तर तक स्वीप कार्यक्रम को गति से दौड़ा रहा है तथा नए पंजीकरण किए जा रहे हैं। लेकिन चुनावों में मतदान प्रतिशतता पर सदैव नजरें बनी रहती हैं। चुनावों में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है, इसलिए मतदान प्रतिशतता बढ़ाने की कड़ी में महती भूमिका है। भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है, जहां इतने अधिक चरणों में मतदान व मतदाताओं की विशाल संख्या चुनाव को देश का सबसे बड़ा पर्व बना देती है। इस पर्व का आयोजन सही मायने में तभी होगा जब अधिक से अधिक मतदाता अपने लोकतान्त्रिक अधिकार का प्रयोग कर सरकार का चुनाव करके इस पर्व की महाबेला में अपनी आहुति मत के रूप में दें। इन दिनों एक बात और महत्वपूर्ण है। आप किसी भी पार्टी का पक्ष लेने से पहले उसका घोषणा पत्र जरूर पढ़ें। लोकतंत्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है।

खासकर स्कूल की पढ़ाई पूरी कर कॉलेज पहुंचने वाले विद्यार्थी स्वयं जागरूक बनकर अनिवार्य रूप से मतदान करें और अपने आसपास दूसरों को भी प्रेरित कर जागरूक मतदाता बनने में योगदान दें। लोकतंत्र में मतदान का महत्व समझना और दूसरों को समझाना एक महत्वपूर्ण विषय है, जिसे देश का प्रत्येक नागरिक समझ ले तो समाज को मजबूत आधार मिल सकेगा। खास तौर पर 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने स्वयं आगे आना चाहिए। अनेक जागरूकता कार्यक्रम समाज में विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। मतदान के दिन अवकाश कोई घूमने के लिए नहीं, बल्कि देश के महापर्व व लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए होता है। इस बात को युवाओं को समझना होगा, तभी देश में सबसे अधिक युवा मतदाता होने की सार्थकता सिद्ध हो सकती है। देश में लोकसभा चुनाव का बिगुल बजते ही जहां राजनीतिक पार्टियां सक्रिय हैं, वहीं मतदाताओं की नब्ज को टटोलने का काम भी शुरू कर दिया है। लेकिन इन चुनावों में मतदाताओं के लिए जागरूक होना जरूरी है, ताकि देश के इस उत्सव में हम सही नेताओं का चुनाव कर सकें। अगर मतदाता जागरूक नहीं होंगे तो कभी अपने नेता का सही चुनाव भी नहीं कर पाएंगे। नेताओं को भी चाहिए कि चुनावों के दृष्टिगत ही मतदाताओं को अपना भगवान न मानें, बल्कि चुने जाने के पश्चात 5 वर्षों तक उनको भगवान मानें। तभी एक स्वस्थ लोकतंत्र की स्थापना हो सकती है। इसलिए मतदाताओं को भी चाहिए कि वे किसी भी प्रकार के लालच में न आकर अपने को और अपने कीमती वोट को न बेचें, बल्कि निर्भीक व निडर होकर अपना मतदान करें। भारत में चुनाव को अक्सर शासन के प्रति लोकतांत्रिक दृष्टिकोण के साथ-साथ संवैधानिक रूप से संचालित समाज के महत्वपूर्ण उत्सव के रूप में देखा जाता है। शासन की शक्ति लोगों के पास बनी रहे और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा इसे सुनिश्चित करने के साधनों में से एक है।

चुनाव कानूनों में आजादी के बाद से काफी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, लेकिन निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। राष्ट्र निर्माण में युवा ही संपत्ति हैं, इसका एहसास 1988 में किया जा सकता है, जब 61वें संशोधन विधेयक ने मतदाताओं की पात्रता आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया था। इस बदलाव से युवाओं को अपने देश की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद थी। हालांकि, यह काफी हद तक असफल रहा, क्योंकि 20वीं शताब्दी के अधिकांश समय में युवाओं की भागीदारी कम रही। युवा वोट को प्रोत्साहित करने का सबसे स्पष्ट तरीका शिक्षा और जागरूकता फैलाना है। लोकतंत्र में हर वोट मायने रखता है और युवाओं के लिए यह जरूरी है कि वे अपने वोट की कीमत जानें। युवाओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा, लोकतंत्र का जश्न मनाने और उनकी चिंताओं को सुनने के लिए मतदान करना चाहिए। युवाओं में आम समस्याओं को हल करने के लिए पर्याप्त क्षमता होनी चाहिए।

(लेखक शिक्षाविद है)

संपादकीय

सही फैसला

जम्मू-कश्मीर में किसी आतंकवादी या पत्थरबाजी करने वाले शख्स के परिजन को अब सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को यह बात कही। यह भी कहा कि मोदी सरकार आतंकवादी ढांचा समाप्त करेगी और इससे आतंकी घटनाओं में कमी आना तय है। शाह ने फैसले के खिलाफ मानवाधिकार कार्यकताओं के उच्चतम न्यायालय जाने की बात भी की। इस मामले में सरकार की जीत हुई। उन्होंने ऐसे मामलों में राहत देने की बात भी की, जिनमें कोई शख्स स्वयं आगे आकर अपने करीबी रिश्तेदार के आतंकवादी गुट में शामिल होने की सूचना देता है। आतंकी के मारे जाने पर निकाले जाने वाले जनाजे को लेकर भी उन्होंने बताया कि हमने धार्मिक रिवाजों के साथ सुपुर्द-ए-खाक निर्जन स्थान पर करने की व्यवस्था की। जैसा कि याद होगा कि पूर्व में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादी मारे जाने के बाद भारी जन-सैलाब उनके जनाजे में शामिल हुआ करता था। आतंकवाद के खिलाफ होने वाले वित्त पोषण को लेकर भी मोदी सरकार द्वारा बहुत सख्ती बरती गई है। पूर्ववर्ती राज्य का विशेष दर्जा समाप्त करने के बाद से केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं। राज्य लंबे समय तक आतंकवाद की चपेट में रहा है। बड़े आतंकवादी संगठन युवाओं को बरगला कर, उन्हें झूठे आासन देकर या धमका कर अपने गुटों में शामिल करते रहे हैं। आत्मसमर्पण करने या हथियार डालने वाले युवाओं को सुधरने का मौका देने के लिहाज से उन्हें नौकरियां दी जा रही थीं। मगर अमानत में खयानत करने वाले गद्दारों तथा गोपनीय सूचनाएं देश-विरोधी तत्वों तक पहुंचाने वालों से आजिज आकर इस तरह के सख्त फैसले करना उचित है। बेहतर हो कि सरकार हथियार डालने वाले ऐसे भटके युवाओं के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए, उन्हें रोजगार पाने में सक्षम बनने में मदद करे। बेशक, कड़ाई उचित है मगर उन्हें विशेष प्रशिक्षण देने की व्यवस्था तो की ही जा सकती है। साथ ही, उनके परिजनों पर कड़ी नजर रखने के अलावा स्थानीय पुलिस या सुरक्षा तंत्र के संपर्क में रहने जैसे आदेश भी दिए जा सकते हैं। बेशक, राज्य में आतंकवादी और पत्थरबाजी की घटनाओं को थामने में सरकार काफी हद तक सफल हो रही है। नतीजतन, राज्य में पर्यटकों की आवक में तेजी आई है, जो स्थानीय रोजगार की रीढ़ है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि राज्य में सकारात्मक और आशावादिता का माहौल बना है।

चिंतन-मनन

सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है।

वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो। इसके बाद महाराज उसे अपने साथ ले गए।

4 जून को लोकसभा के नतीजों से तय होगा नया राजनीतिक समीकरण

चार जून के चुनाव नतीजे दिखायेंगे कि चुनाव के बाद का परिदृश्य भारतीय गठबंधन को कैसे प्रभावित करता है, उसे तोड़ता है या मजबूत करता है। वे यह भी संकेत देंगे कि क्या भाजपा अपनी हैट्रिक के साथ और अधिक अहंकारी हो जायेगी? भाजपा की लगातार तीसरी जीत पार्टी को अपने हिंदुत्व कार्यक्रम को और अधिक जोश के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है।

2024 के लोकसभा चुनाव समाप्त हो रहे हैं, और परिणाम 4 जून को आयेंगे। चुनाव के बाद का परिणाम केवल विजेताओं और हारने वालों के बारे में नहीं है। यह केवल प्रत्याशित परिणामों से कहीं अधिक के बारे में है। इसमें अप्रत्याशित गठबंधनों की संभावना, सत्ता की गतिशीलता में नाटकीय बदलाव और नयी राजनीतिक ताकतों का उदय शामिल है, जिनका अभी खुलासा होना बाकी है।

चुनाव में भाजपा की संभावित जीत एक महत्वपूर्ण बात है जो राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे सकती है। हालांकि, परिणाम अनिश्चित है, दो संभावित परिदृश्य हैं, जिनमें से प्रत्येक के निहितार्थ हैं। एक परिदृश्य में भाजपा के लिए भारी जीत की भविष्यवाणी की गयी है, संभवतः 400 से अधिक सीटें भी। दूसरा परिदृश्य कम सीटों के साथ भाजपा के लिए अधिक मामूली परिणाम का संकेत देता है।

भाजपा की भारी जीत के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। सबसे खराब स्थिति में, यदि भाजपा कम सीटें जीतती है, तो भी पार्टी अन्य दलों से समर्थन प्राप्त कर सकती है। यदि पार्टी 2019 के चुनाव की तुलना में कमसीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है, तो उसके पास कुछ तटस्थ दलों की मदद से सरकार बनाने की वैकल्पिक योजना-ब (प्लान-बी) भी है।

कांग्रेस पार्टी द्वारा लिये गये रणनीतिक निर्णय, जैसे चुनाव लड़ने वाले निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या कम करना, भारतीय राजनीति की गहराई और जटिलता को

उजागर करते हैं। प्रत्येक कदम एक बड़े लक्ष्य की ओर एक सुविचारित कदम है। शनिवार को लोकसभा चुनाव के छठे चरण के समापन के साथ, कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा की किस्मत 'लगभग तय' है, इंडिया ब्लॉक पहले ही 272सीटों के आधे आंकड़े को पार कर चुका है और कुल 350 से अधिक सीटों की ओर अग्रसर है।

भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इंडिया गठबंधन का गठन पिछले साल 26 विपक्षी दलों ने एकजुट होकर मोदी से लड़ने के लिए किया था। हालांकि, अगर भाजपा सत्ता में लौटती है, तो गठबंधन को एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। कुछ साझेदार, जैसे कि तृणमूल कांग्रेस और आप, ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ पूरी तरह से गठबंधन नहीं किया है, जिससे इंडिया ब्लॉक की स्थिति कमजोर हो गई है। भाजपा की जीत से इंडिया अलायंस की रणनीति का पुनर्मूल्यांकन हो सकता है, तथा कुछ साझेदार वर्तमान इंडिया गुट से दूरी बनाना चुन सकते हैं।

यदि भाजपा अधिक सीटें जीतती है, तो छोटी पार्टियां गठबंधन में शामिल होने के लिए दौड़ सकती हैं। यह भीड़ विजयी पक्ष के साथ जुड़ने की उनकी इच्छा से प्रेरित हो सकती है, जो चुनाव के बाद के परिदृश्य को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, गठबंधन में शामिल होने की यह हड़बड़ी सिर्फ राजनीतिक हितों से प्रेरित नहीं हो सकती है। कुछ दल मोदी का विरोध करना चाहते हैं, जबकि अन्य गठबंधन को एक असफल प्रयास के रूप में देखते हैं।

इसके परिणामस्वरूप नवगठित इंडिया गठबंधन कमजोर हो सकता है, क्योंकि इस गठबंधन में कई अच्छे दोस्त हैं जो केवल अपने स्वार्थ के आधार पर किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर सकते हैं। भाजपा की अधिक सीटें हासिल करने या अन्य दलों से समर्थन हासिल करने की क्षमता कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। यह राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से भारतीय गठबंधन सहित राजनीतिक ताकतों का पुनर्गठन हो सकता है। भाजपा ने कुछ महत्वपूर्ण सहयोगियों को खो दिया, जैसे शिवसेना और अन्नाद्रमुक के धड़े। लेकिन पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले टीडीपी वापस मिल गई है।

भाजपा नवीन पटनायक, जगन मोहन रेड्डी, के चन्द्रशेखर राव, मायावती और अन्य जैसे प्रभावशाली नेताओं के नेतृत्व वाली पार्टियों से समर्थन मांग सकती है। हालांकि किसी भी गठबंधन के साथ ये अभी शामिल नहीं हैं। इन नेताओं का महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव है और उन्होंने अतीत में भाजपा की मदद की है जब सत्तारूढ़ दल को उनकी जरूरत थी। चुनाव के बाद के परिदृश्य में उनकी संभावित भूमिका राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दे सकती है।

अगर इंडिया ब्लॉक का प्रदर्शन खराब रहता है तो शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी भी स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल महत्वाकांक्षी हैं और उनकी नजर प्रधानमंत्री पद पर है। वह विपक्ष में रहेंगे। केजरीवाल ने भविष्यवाणी की कि अगर 4 जून को मोदी दोबारा जीते तो वह उद्धव ठाकरे, शरद पवार, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को जेल में डाल देंगे। उन्हें भी वापस जेल भेजा जायेगा। केजरीवाल ने भाजपा विरोधी कड़ा रुख अपना लिया है और आप के राजनीतिक भविष्य के लिए उन्हें इस पर कायम रहना होगा।

4 जून के चुनाव नतीजे दिखायेंगे कि चुनाव के बाद का परिदृश्य भारतीय गठबंधन को कैसे प्रभावित करता है, उसे तोड़ता है या मजबूत करता है। वे यह भी संकेत देंगे कि क्या भाजपा अपनी हैट्रिक के साथ और अधिक अहंकारी हो जायेगी? भाजपा की लगातार तीसरी जीत पार्टी को अपने हिंदुत्व कार्यक्रम को और अधिक जोश के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है।

-कल्याणी शंकर

हिन्दी पत्रकारिता दिवसः हिन्दी पत्रकारिता के 198 वर्ष

योगेश कुमार गोयल

भारत-चीन लड़ाई का उल्लेख करें अथवा भारत-पाक युद्ध का या फिर कोरोना से जंग के कठिन दौर का, प्रेस ने प्रत्येक ऐसे विकट अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत नहीं होगा कि इसमें हिन्दी पत्रकारिता का स्थान सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ उनका विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 198 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की बात हो या, व्यवसायीकरण के आरोपों या घर बैठे दुनिया की सैर कराने की, तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पदार्फाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है, वहीं पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि हिन्दी पत्रकारिता ने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Limitations of Modi's Punjab outreach

PUNJAB will go to the polls on June 1 to elect representatives for 13 Lok Sabha seats. Last week, Prime Minister Narendra Modi addressed three rallies in the state. As expected of BJP leaders and particularly PM Modi, he pitched his appeal in emotional idioms, underlining his personal bonding with Punjabis. Wearing a kesri-coloured turban, he reminded Punjabis (read Sikhs) that one of the Panj Pyaras — Guru Gobind Singh's five beloved ones who had been baptised on Baisakhi day in 1699 — was a Gujarati. Thus, his bond with the Sikh community was that of a shared kinship (khoon ka rishta), he said.Punjab has been an enigma for the Prime Minister. Defying the national trend, his appeal among the Punjabi voters has been rather limited. This is despite the fact that unlike southern states such as Kerala and Tamil Nadu, the BJP and its earlier version, the Jana Sangh, have had a stable presence in the state. Although its appeal has been mostly among urban Hindus, the party has been in power in the state in alliance with the predominantly Sikh party, the Shiromani Akali Dal (SAD). It won two Lok Sabha seats in 2019. Both were constituencies with a substantial Hindu population. This time, however, the BJP is independently contesting all seats in the state.

Recognising that its identification solely with the urban Hindus limits its chances of success, the BJP has focused this time on winning over Sikh voters. To establish that it can indeed represent the Sikhs, it began to aggressively recruit Sikh leaders from other political parties and make them its candidates for the Lok Sabha elections, often at the cost of ignoring its own cadre. This has not been a difficult ideological proposition for the BJP as, unlike the Muslims, it sees the Sikhs as being part of the larger Hindu fold (as also does the RSS, its founding head and patron).

Though post-Partition Punjab has rarely seen large-scale communal violence, sectarian divisions have been quite sharp in the state's politics. Sikh identity politics is mostly articulated by invoking the fear of Hindu majoritarianism. The advocates of Punjabiyat, too, have mostly been Sikhs. Likewise, until recently, the urban Hindu elite of Punjab rarely identified with the regional interests and identitarian concerns of the state.The story of the Hindu-Sikh divide goes back to the late 19th century and was framed by the politics of the Arya Samaj and the Singh Sabhas. The narrative survived the Jana Sangh/BJP-Akali divide. Interestingly, despite their communal hostility, the two easily aligned for pragmatic electoral reasons while contesting against the Congress, as their political constituencies remained exclusive.

This divide began to weaken with the Parkash Singh Badal-led SAD deciding to turn the party non-sectarian. While it continued to have sway over Sikh religious politics and controlled the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee (SGPC), it recruited Hindus and even gave them positions of leadership. The farmers' movement of 2020-21 also played an active role in weakening the Hindu-Sikh divide. Even though the Punjabi farmers actively invoked the language of Sikhi, their mobilisation strategies were proactively inclusive. They also received enthusiastic support from all sections of the Punjabi society.he success of the Aam Aadmi Party (AAP) in the 2022 Assembly elections further showed that Punjabi voters were not keen to vote for their identities, religious or regional. With the BJP, too, changing its political idiom and presenting itself as being as much a party of the Sikhs as of the Hindus, a significant shift has occurred in the regional political arena.While the 2024 parliamentary election in Punjab is critical for all major players, the Akalis, the AAP, and the Congress, it is the most crucial election for the BJP and personally for PM Modi. It is not the first time that Modi has campaigned in Punjab. However, never before have the stakes for him been so high. What are the chances of his success? What is likely to be his biggest challenge?In his speeches delivered at three places, he raised obvious questions about the failure of the ruling party (AAP) in the state and repeatedly raised the issues that the Sikhs have had with the Congress in the past. Despite his efforts to shift the identity of his party from being exclusive representatives of the Hindus to that of a Hindu-Sikh party.

Becoming water-smart holds the key to tackling scarcity

If the catchments are healthy, rivers will have more distributed flows, particularly in the months after monsoon.

AS a somewhat belated summer in north India reaches its peak, with Delhi and surrounding areas reeling under a heatwave, there is an increasing fear of water scarcity. To highlight this situation, the media generally cites live storage in some 150 reservoirs in the Central Water Commission's (CWC) weekly reservoir bulletin (WRB), which is published every Thursday afternoon (why this cannot be given on a daily basis is a mystery).

The first thing to note about the water storage position given in CWC's WRB is that this is expected to be low when we are getting ready to welcome the southwest monsoon (SWM) that has already arrived in the Andaman and Nicobar Islands. According to the Bhakra Beas Management Board (BBMB), the reservoir-filling period for Bhakra, Pong and Pandoh reservoirs began on May 21.

Reservoirs, in any case, are constructed to use up water before the onset of the next monsoon. An optimum utilisation of the created capacity would mean that the live storage capacity of the reservoirs should be the bare minimum when fresh inflows into these reservoirs start. To have a substantial quantity of water in these reservoirs when fresh inflows begin would also be non-optimal, as that would mean much less capacity in these reservoirs to store them. It would also mean an increased potential for avoidable flood-related disasters.

Since the IMD (India Meteorological Department) has already forecast above-normal rainfall in SWM 2024 and because the La Nina factor is likely to be active during the monsoon, which generally brings surplus rain, the lower storages we have at the onset of the SWM, the better it is for usAccording to the CWC's bulletin, north India includes Himachal Pradesh, Punjab and Rajasthan. But strangely, Uttarakhand, which is also a part of north India, is included in east India. And the rest of north India (Haryana, Jammu and Kashmir, Delhi and Chandigarh) is absent since these states/UTs do not have any water reservoir worthy of being included in the CWC list.So, in north India, the CWC bulletin includes 10 reservoirs, where the live water storage on May 16 was 5.618 BCM (billion cubic metres) or 29 per cent of the total live capacity. This is only 3 per cent below the 10-year average figure of 32 per cent, which is defined as 'normal'. So while this is lower than last year's or normal storage, it cannot be called alarming. India had rainfall 5.55 per cent below the normal in SWM 2023, so some deficit in storage is expected. However, north India also had more than one round of severe floods during SWM 2023, so we need not have alarmingly low reservoir levels.

The key question here is: does the CWC's WRB provide accurate or even widely applicable figures for water available across India? The CWC's bulletin includes water storage figures in just 150 reservoirs across India. The country has 6,138 completed large dams, as per the CWC's National Register of Large Dams (September 2023). Thus, the CWC's WRB includes less than 2.5 per cent of India's large dam reservoirs. In terms of the storage capacity, it includes a larger proportion of live storage behind these completed large dams, but the key point is that it does not provide the applicable useful information for a large majority of Indians, as it is the smaller local reservoirs that are useful for them and not some distant mega water body.

If the CWC wanted to provide a more accurate picture of water stored in India's reservoirs, it could easily do so as illustrated by the SANDRP (South Asia Network on Dams, Rivers & People) in 2018 ('How India Measures Water Storages'). We showed that state government websites provided the water storage position in 3,863 reservoirs across India more frequently and accurately than possibly the CWC's WRB.

India has lakhs of smaller water reservoirs and millions of groundwater aquifers that people depend on, which provide the largest proportion of the water India uses, and clearly, the CWC's weekly bulletin does not provide accurate water availability figures that the vast majority of Indians depend on. The BBMB's reservoirs, for which the filling period started last week, get their water in the summer from the melting of glaciers and other snow masses, which is a different source altogether, and for that we have no figures.

But this outdated focus on large dams by the authorities in India, neglecting all other options, has also rubbed off on the media, it seems. The world is realising that this advocacy of large dams is no longer useful. In fact, there is an increasing movement across the world to decommission large dams. With the increasing impacts of climate change on rainfall patterns, this movement is only going to gain strength.

Moreover, in 2023-24, India saw one of the lowest generations from large hydropower dams. The number of disasters related to dams and hydropower projects is rising rapidly. Next month, when peak power demand will be the highest, hydropower generation is projected to be at the lowest. The operators of the Tehri project in north India have added to the bad news by saying that power generation from the project will be suspended from June 1. This will also affect the water supply in Delhi and UP.The main question in the context of water scarcity is: what is the most optimal way of maximum harvesting, storage, recharge and utilisation of rainwater and flows? The key component to achieving this objective is the catchment of any river. The greater the capacity of the catchment to harvest, hold, store and recharge rainwater at its source, the closer we will be to achieving this objective. This capacity of catchments can be improved when there are more natural forests, more water bodies and more carbon content in the soil and when we have a greater ability to recharge the groundwater. Thus, we will have more wetlands in the catchments and more floodplains will be saved from destruction. The barometers for this are our rivers. If our catchments are healthy, rivers will have more distributed flows, particularly in the post-monsoon months.

Sponge cities' is the name of the scheme for our urban areas. It is all about harvesting, holding, storing and recharging higher proportion of the rainwater and flows in the city. The sooner we adopt these measures and implement commensurate policies and programmes, the smarter our cities will become.

Cancer challenge

Vulnerability of younger people worrying

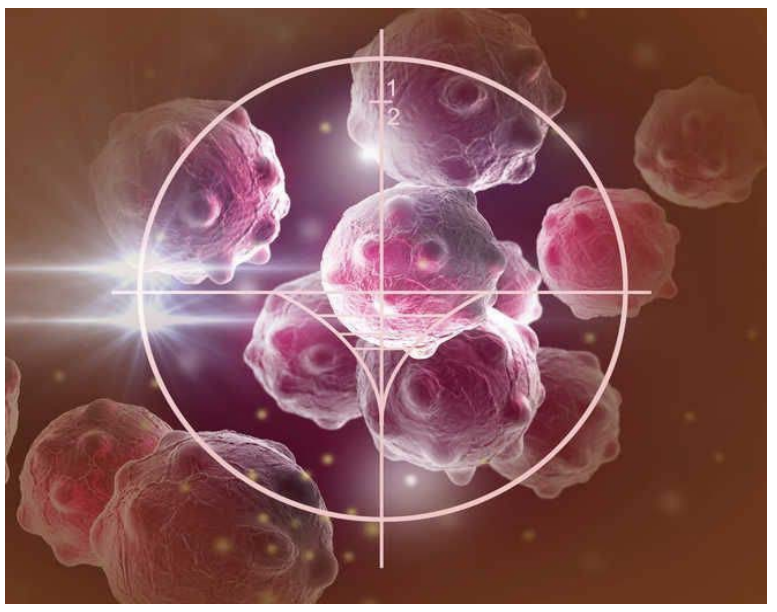

A new study has concluded that cancer is increasingly affecting younger people in India. According to the Cancer Mukt Bharat Foundation, launched by a group of oncologists, 20 per cent of the cancer cases in the country are being detected in men and women below the age of 40; around 60 per cent of these patients are men. The most prevalent cases are of head and neck cancer (26 per cent), followed by gastrointestinal cancer (16 per cent), breast cancer (15 per cent) and blood cancer (9 per cen

Experts have linked the rising risk of cancer in the younger generation with obesity, a sedentary lifestyle and higher consumption of ultra-processed food, besides tobacco and alcohol. Another worrying factor is the late detection of cancer in two-thirds of the cases, indicating low levels of awareness about screening.

India, described as 'the cancer capitalof the world' in a recent report released by a leading multinational healthcare group, records more than a million new cases every year. The surge is estimated to surpass the global average by 2025. A focused approach is needed to handle cases of people under 40, who form an important segment of the working-age population. The case burden can be reduced by lifestyle modification and effective screening strategies that detect cancer in the early stages. India needs to be well prepared for this silent epidemic, which threatens to reverse the economic gains made during its remarkable post-Covid recovery. Affordable and effective cancer care should be prioritised. Cancer research, too, must get the importance it deserves. Findings of various studies, such as the one which says that people with tattoos are at a higher risk of developing blood cancer, need to be widely publicised so as to raise awareness. A multipronged strategy can help India strongly combat the emperor of all maladies.

Let's assure our children they are not commodities

Life has its own poetry and uncertainty, but in the name of 'safety' and 'security', we tend to transform it into straightforward mathematics.

Let me begin with the mental state of the parents of a boy I am familiar with. They hoped that their son would do extremely well in the Class XII CBSE exams. But then, his 88 per cent marks seem to have brought the entire family into a state of mourning and despair. In fact, in the age of inflated marks (imagine the 'toppers' getting 500/500), nothing — even 98 per cent marks — satisfies the parents. As I converse with them, I realise that they are unhappy; they are anxious; and they are worried about the 'future' of their son.What adds to their nervousness is that their son could not do so well in the NEET, the screening text for getting admission in medical colleges. Will he be able to become a doctor, or even a dentist? And even if he manages to become a dentist, will he get a job in a good hospital? Or, for that matter, will he be able to earn sufficient money through his 'private practice'? There seems to be no end to their chronic nervousness and fear. They seem to have fallen into the trap of overthinking. Needless to add, their son, too, is terribly broken. Possibly, for the recovery of his self-esteem and renewal of his life-energy, he needs a qualitatively different kind of environment — an environment that understands him or recognises him as what he is; or an environment that doesn't equate his essence with his marksheet.The boy I am referring to is not alone. There are many like him — wounded, broken and humiliated. Yes, this is a structural/societal problem — a problem characterised by the scarcity of opportunities and rising unemployment, the normalisation of hyper-competitiveness in everyday life, and the middle-class dream of achieving what a market-driven society valorises — a set of select careers that fetch money or attractive salary packages, and enables one to come closer to a mode of living the cult of consumerism prescribes. But then, this structural problem cannot be combated unless we acknowledge and empathise with the pain of the victims of this system — say, the likes of the boy I am referring to. Moreover, if we really wish to change this system, and want our children to evolve as humane, sensitive, compassionate and life-affirming beings, we need to radically alter our ways of looking at themIn this context, let me make three points. First, let us be aware of the danger of the growing commodification of life — the way the logic of the market is fast colonising the most intimate domain of family relations. Even our own children, we begin to think, ought to evolve as 'products' — yes, the commodities the market values and appreciates. The human essence of your child is not sufficient; she/he must be seen as a 'thing' the worth of which has to be measured through degrees, diplomas, social capital and above all, the job profile or the salary package. No wonder with an appropriate 'price tag', your child becomes your status symbol — the way your SUV or your new apartment in a gated society is. The result is that our children are living with immense mental and psychic pressure. Possibly, some of them begin to think that even parental love is not unconditional; and they fall into the trap of despair and nothingness, if the market refuses to buy them. It is high time we assured our children that they are not commodities.Second, it is terribly wrong on our part when we impose our own fear on our children. This fear emanates from the belief that many of us as conservative adults uphold — if you do not follow the crowd and walk the same path, you are in danger or are risking your life!

Hence, quite often, we pressurise our children to follow the same standardised path — opt for physics, chemistry, mathematics and biology; join the Kota factory; repress all other aptitudes and emotions; and satisfy the egos of your parents. Naturally, the idea of any other path causes immense fear and anxiety. Possibly, some of them want to become a wildlife photographer, an archaeologist, a social activist or a musician. But then, it is quite unlikely that they will be encouraged by their parents. This repression is creating a generation that is afraid of doing new things or experimenting with life. Life has its own poetry and uncertainty, but in the name of 'safety' and 'security', we tend to transform it into straightforward mathematics. This is nothing but what Erich Fromm would have characterised as 'escape from freedom'. This is anti-life.And finally, as parents, when do we realise the gravity of the crisis?

The narrative with which I began this article indicates the trend — the obsession with the market-defined notion of 'success' and the unbearable pressure on our children. As we refuse to give any importance to the need for inner fulfilment, creative joy, the union of work and play and the rhythm of a simple/modest living, our children are compelled to carry the burden of mental fatigue and neurosis. No wonder students' suicide is becoming the new normal in the country. As the latest report published by the National Crime Records Bureau shows, over 13,000 students took their lives in India in 2022.

IRCTC Stock Falls 5% After Q4 Numbers Miss Street Estimates; What Should Investors Do?

New Delhi, Shares of Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) slumped nearly 5 per cent on May 29 after the company's topline and bottomline for the fourth quarter missed Street estimates.

The railway PSU stock declined 5.16 per cent to the day's low of Rs 1,027.15 on NSE in morning deals.On Tuesday, IRCTC, the only firm authorised by the Indian Railways to manage food services onboard trains and provide online railway ticket booking services, posted a consolidated net profit of Rs 284.2 crore for the quarter ended March 31, up 1.9 per cent on a year-on-year basis. IRCTC's quarterly revenue grew to Rs 1,154.8 crore from Rs 965 crore a year ago, according to a regulatory filing.

IRCTC's earnings before interest, tax, depreciation and amortization (EBIDTA) for the quarter grew 3.4 percent YoY to Rs 402.96 crore and EBIDTA margin came in at at 34.89 percent as compared to 36.8 percent in the year-ago period.

he decline in margin was due to the higher

contribution of other segments such as catering, and tourism, which are low-margin segments in comparison with internet ticketing.The PSU board recommended a final dividend of Rs 4 per share, constituting 200 per cent of the paid-up share capital, with a face value of Rs 2 each for FY24, subject to shareholder approval.

The margin was recorded at 31.4 per cent in Q4FY24, down 220 basis points from 33.6 per cent in the same quarter of the previous year.The contribution of internet ticketing to overall revenue dropped to 31 per cent from 32.8 per cent the previous year and 37.1 per cent in FY23. IRCTC's catering business expanded by 34.1 per cent to Rs 530.8 crore.The shares of the company have zoomed 47.6 per cent in the last six months, whereas the stock has rallied over 60 per cent in the last one year.IRCTC is an Indian public sector undertaking responsible for offering ticketing, catering, and tourism services in partnership with the state-owned Indian Railways.

Prabhudas Lilladher maintained a 'Hold' rating on the stock with a target price of Rs 825. The stock currently trades at 66.1x the brokerage's FY25E EPS estimate."We shall come back with more details post the analyst call," said PL in a note.

IRCTC shares tumble 5% after Q4 results: Hold or sell?

New Delhi, Shares of Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) declined 5% in early trading on Wednesday after the company reported a marginal rise in its Q4 net profit, falling short of market expectations.

IRCTC's stock hit a day's low of Rs 1,028 on the Bombay Stock Exchange (BSE); it was trading 4.46% lower at Rs 1,034.40 at 10:49 am.

Why IRCTC shares declined today?

Despite a 20% increase in revenue to Rs 1,154.8 crore, both the topline and bottomline failed to meet analysts' projections.Jinesh Joshi, a Research Analyst at Prabhudas Lilladher told Business Today that IRCTC's performance was hindered by higher other expenses, resulting in a miss on both Profit After Tax (PAT) and Earnings Before Interest, Taxes, Depreciation, and Amortization (EBITDA).

The brokerage has maintained a hold rating on the stock, assigning a price target of Rs 825.

"The stock is currently trading at 66.1 times our FY25E EPS estimate. We have a HOLD rating with a price target of Rs 825," stated Joshi.Prabhudas Lilladher had anticipated the company to report a net profit of Rs 306.5 crore, reflecting a 21.2% year-on-year increase, but a 2.5% decline quarter-on-quarter.

Despite the mixed results, the IRCTC board has announced a final dividend of Rs 4 per share for the financial year 2023-24, equating to 200% of the paid-up share capital and amounting to Rs 256 crore.

In Q4, IRCTC's EBITDA rose by 3.4% to Rs 402.96 crore.However, the EBITDA margin dropped to 34.89% from 36.8% in the same period last year. Notably, the contribution of internet ticketing to overall revenue decreased to 31% from 32.8% in the previous year and 37.1% in FY23.The financial performance, coupled with rising expenses, has led to a cautious outlook among analysts and investors, resulting in the decline in share price.

Paytm dismisses speculation on potential stake acquisition by Adani Group

New Delhi, One97 Communications Limited, the parent company of Paytm, has denied being in any discussions with the Adani Group regarding a potential stake sale.

This statement follows a report suggesting that billionaire Gautam Adani was negotiating with Paytm CEO Vijay Shekhar Sharma to acquire a stake in the digital payments firm."With reference to the captioned subject, we hereby clarify that the above-mentioned news item is speculative, and the Company is not engaged in any discussions in this regard," Paytm stated in a stock exchange filing.The Adani group categorically denies this baseless speculation; it is totally false and untrue.

A recent media report claimed Sharma had visited Adani, the chairman of the ports-to-power

conglomerate Adani Group, on Tuesday to "finalise the contours of a deal."

It also indicated that discussions between Adani and Sharma had been ongoing, with Adani also in talks with West Asian funds to brng them in as investors in Paytm.Despite the company's denial, Paytm's shares jumped 5%, while Adani Enterprises, the flagship company of the Adani Group, saw its shares dip 0.4%.

As of the end of March, Vijay Shekhar Sharma holds a 9.1% stake in Paytm in his personal capacity and another 10.3% through Resilient Asset Management, a foreign entity, according to exchange data.

US lobby asks India to rethink its proposed EU-like competition law

NEW DELHI. A US lobby group representing tech giants Google, Amazon, and Apple wrote a letter to the Indian government urging the country to rethink its proposed EU-like competition law.

The group, in a letter to the Corporate Affairs Ministry, said that regulations against data use and preferential treatment of partners could raise user costs.

"Targeted companies are likely to reduce investment in India, pass on increased prices for digital services, and reduce the range of services," reads the letter of the US-India Business Council (USIBC), part of the U.S. Chamber of Commerce.

In February 2024, India proposed imposing obligations on them under a new antitrust law that proposes to prohibit companies from exploiting non-public data of their users and promoting their own services over rivals, and also abolish restrictions on the downloading of third-party apps.India's Digital Competition Bill is on the lines of the EU's landmark Digital Markets Act 2022. It will apply to big firms, including those with a global turnover of over $30 billion and whose digital services have at least 10 million users locally.With a population of 1.4 billion people and a growing affluent class, India is a lucrative market for big tech companies.The Competition Commission of India (CCI) in 2022 fined Google $161 million, ordering it to stop restricting users from removing its pre-installed apps and allow downloads without using its app store.

Lok Sabha elections: Brokerage PhillipCapital bets on these 12 stocks

New Delhi, Stock market analysts and brokerages have been actively discussing the potential outcomes of the Lok Sabha elections and their impact on the stock market.Recently, brokerage firm PhillipCapital has shared 12 stock picks – with strong one-year growth potential – for investors looking to position their portfolios ahead of the election results.

These include State Bank of India (SBI), Bank of Baroda (BOB), Canara Bank, Power Finance Corporation (PFC), Rural Electrification Corporation (REC), Shriram Finance, Muthoot Finance, UltraTech Cement, Siemens, Hero MotoCorp, TVS Motor, and Divi's Laboratories.The brokerage has offered insights into how different election scenarios might influence market dynamics.In a base case scenario, the brokerage anticipates that the BJP will secure 290-300 seats, with the National Democratic Alliance (NDA) winning 330-340 seats.

If this prediction holds, the brokerage maintains a positive outlook on equities, corporate earnings, and the broader economy, assuming continued policy stability and effective execution.

In a particularly bullish scenario, where the BJP garners more than 325 seats and the NDA surpasses 360 seats, PhillipCapital epects a sharp rally in equities.The brokerage highlighted that such a strong mandate would likely

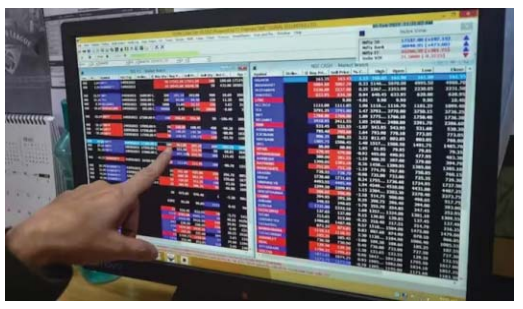

result in heightened investor confidence and market optimism.

In a bearish scenario, where the BJP fails to secure a majority but the NDA still forms a government under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, there could be a sharp sell-off in equities."A bearish scenario – where the BJP does not secure a majority but the NDA forms a government under the leadership of Mr Narendra Modi as PM – this might lead to sharp sell-off in equities," it said.However, PhillipCapital recommends buying equities during such a steep correction, assuming a stable NDA alliance for the next five years under Modi's leadership. The brokerage dismissed the possibility of a non-NDA government taking power."Assuming a stable alliance for the next five years under the leadership of Mr Modi, we would recommend buying equities on steep correction. We do not see any chance of a non-NDA government coming to power," the brokerage said.PhillipCapital also observed that the marginal dip in voter turnout is unlikely to significantly impact the BJP's expected re-election. "Post our initial observations, the dip in voter turnout has been marginal and is unlikely to alter BJP's expected re-election," it noted.

Sensex tumbles over 600 points: Factor's behind weakness on D-Street

New Delhi Benchmark stock market indices encountered a sharp decline on Wednesday, with the BSE Sensex falling over 600 points and the Nifty50 retreating to 22,700 levels.

At 11:20 am, the BSE Sensex had dropped 602.14 points to 74,568.31, while the NSE Nifty50 was down 176.50 points, trading at 22,711.65.The sell-off was widespread, affecting all sectors, with heavyweights such as HDFC Bank, M&M, ICICI Bank, L&T, Reliance, and Axis Bank among the top losers.Sectoral indices also faced declines, with Nifty Financial Services down 0.6% and Nifty Auto declining 0.8%. Other sectors, including FMCG, IT, Healthcare, Pharma, and Oil & Gas, also saw reductions.

It may be noted that this marked the fourth consecutive session of losses for Dalal Street, as investor anxiety increased ahead of crucial US inflation data expected later this week.

The data is anticipated to provide clues about the Federal Reserve's future interest rate

decisions.Analysts also noted that volatility remains at a two-year high due to investor anxiety regarding exit polls for the Lok Sabha elections and GDP data, scheduled to be released on May 31.Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities, noted that despite positive catalysts like record highs in the Nasdaq Composite driven by tech stocks, caution is warranted due to the India VIX reaching a two-year high ahead of significant events like exit polls and GDP data.

"Caution is advised as India VIX is at a two-year high of 24.20, ahead of significant events such as exit polls and GDP data," Tapse said.

Deven Mehata, Research Analyst at Choice Broking, highlighted that Nifty could find support at 22,800, with immediate resistance levels at 22,950 and 23,000.

"Yesterday, Indian markets traded flat during the day, then fell in the last hour and finished near the day's low. Traders with long positions should set a strict stop loss at 22800 on a closing basis," he added.

Over 20,000 techies lost jobs in 'silent layoffs': AIITEU

According to the association, the actual numbers will be over 20,000. It is also said that companies force employees to resign because they can cut costs by avoiding severance packages.

BENGALURU. More than 20,000 employees in the IT/ITeS industry have lost their jobs in 'silent' layoffs in FY24 alone, according to the All India IT & ITeS Employees' Union (AIITEU).

"This is just the tip of the iceberg and there are many other problems in the industry, including delayed onboarding, no payment for overtime, no local point of contact for employees working from hometown and the announcement of a failure of background verification after employees have joined the

organisation," General Secretary of AIITEU Saubhik Bhattacharya told TNIE.According to the association, the actual numbers will be over 20,000. It is also said that companies force employees to resign because they can cut costs by avoiding severance packages.Nascent Information Technology Employees Senate (NITES) president Harpreet Singh Saluja said that in the first five months of this year alone, about 2,000 to 3,000 employees have lost their jobs.

"Also, these silent layoffs happen across locations, cities and projects. For instance, if there are 80 members in a project, two to three people are fired, citing various reasons," he said.

"In India's IT industry, quiet firing nudges employees to leave on their own, dodging the stigma of layoffs. It's also to avoid talented staff from seeking other jobs when layoffs are announced. This method, however, creates a demoralising work environment and undermines trust and respect, eroding the company's ethical foundation. To avoid this, clear communication between companies and employees is crucial," said Anup Menon, Vice President of CIEL HR Services.

Market volatility peaks despite hope in Modi's win

The volatility index, India VIX, rose over 5% intraday on Tuesday to hit a fresh two-year high of 24.48.

NEW DELHI. Despite increased volatility in the stock market over concerns related to the general election outcome that is due on June 4, most brokerages continue to view that Prime Minister Narendra Modi-led National Democratic Alliance (NDA) will comfortably form the central government for the third straight time.

"Amid concerns over policy continuity, we expect the BJP to comfortably retain its majority in the ongoing Lok Sabha general elections...Based on our assessment of major states on a pan-India basis, we see a net incremental loss of 4 seats to 299 for BJP in our base case, while our bear and bull case seat tally is in a narrow range of 290 to 310," said analysts at JM Financials on Tuesday.

The volatility index, India VIX, rose over 5% intraday on Tuesday to hit a fresh two-year high of 24.48. The index, which measures the market's expectation of

volatility in the next 30 days, has been going up since the 2024 Lok Sabha elections took off last month.

In one month, it has surged 124% as lower voter turnout in six phases completed so far has raised questions about whether the ruling party would win a strong margin, which is necessary for the continuity of market-friendly policies.

"As the market approaches the election outcome, the uncertainty-led volatility is likely to continue. However, the underlying earnings growth for the March quarter results so far was largely above expectations, which could support the valuation, currently moderately above the long-term average," said Vinod Nair, head of research at Geojit Financial Services.Emkay Investment Managers (EIM) on Tuesday said that an expected return of the NDA regime with a base case scenario of 330 seats will result in policy continuity along with major reforms on land, labour, and judiciary will support positive sentiment in the Indian markets.

Manish Sonthalia, Chief Investment Officer of EIM, said, "BFSI, PSUs, and industrials are expected to do well. BFSI has led earnings growth and seen a correction in valuation. Investment-related themes will come into play with power capex building up in the next 3 to 5 years."The benchmark Sensex closed the Tuesday session at 75,171, a decline of 220 points, while the Nifty50 index ended the session at 22,888, a drop of 44 points. Besides elections, the Indian markets have been jittery due to continuous selling by foreign portfolio investors (FPIs).Global brokerage UBS has highlighted four scenarios of the election outcome and said that the INDIA alliance coming to power is a big negative for equities. It added that stock market valuations may get derated in this scenario and a test of pre-NDA valuation multiples is likely.

Mani Shankar Aiyar stirs row with China 'allegedly invaded' India in 1962 remark

While the BJP slammed Mani Shankar Aiyar's remark as "a brazen attempt at revisionism", the Congress has "distanced itself from his original phraseology".

New Delhi: Congress leader Mani Shankar Aiyar kicked up a political row by saying that the "Chinese allegedly invaded India" in October 1962. The BJP has slammed the controversial remark, saying it was "a brazen attempt at revisionism".

Meanwhile, Congress general secretary Jairam Ramesh tweeted on Tuesday night that the veteran party leader has "subequently apologised unreservedly for using the term 'alleged invasion' mistakenly"."Allowances must be made for his age," he said, adding that Congress has "distanced itself from his original phraseology".

On Tuesday evening, Aiyar, while speaking at the launch of the book 'Nehru's First Recruits' at the Foreign Correspondents' Club in Delhi, said, "In October 1962, the Chinese allegedly invaded India."The Congress leader also recalled the time when he was refused entry into the Indian Foreign Service (IFS)."On the day that Taiwan fell, the Foreign Service exams began in London. When they were over, the newspapers used to make reference to me being a Left-wing, being a communist. After I had passed the IFS exams and had done rather well, if I may say so, I suddenly found that I was not getting any kind of admission letter.

So I wrote to the Ministry of External Affairs saying I haven't received my joining letter. I received a telegram saying 'regret to inform you that you have been rejected from all services'. I immediately realised what it was about. As some people said, I had raised money for the Chinese. I wasn't able to raise money to eat my dinner. How was I going to raise it for the Chinese?" he quipped.Aiyar's choice of words, however, raised eyebrows and drew sharp rebukes from various quarters, including his own party.Recognising the gravity of the situation, the Congess leader later attempted to clarify his stance, admitting that he should not have used the term "alleged", especially in the midst of an election season.In a brief statement, he said, "I unreservedly apologise for having mistakenly used the word 'alleged' before 'Chinese invasion' at the Foreign Correspondents Club this evening."

"There are various books which indicate that we could have accepted Zhou Enlai's

proposal of April 1960 and avoided a warâ€æ I used the expression 'alleged'. I shouldn't have done so because we are in the middle of an election," he added.Slamming Aiyar's controversial remark as "a brazen attempt at revisionism", the BJP's IT cell chief Amit Malviya tweeted, "Nehru gave up India's claim on permanent seat at the UNSC in favour of the Chinese, Rahul Gandhi signed a secret MoU, Rajiv Gandhi Foundation accepted funds from the Chinese Embassy and published reports recommending market access for Chinese companies, based on them, Sonia Gandhi's UPA opened up Indian market for Chinese goods, hurting MSMEs and now Congress leader Aiyar wants to whitewash the Chinese invasion, post which the Chinese have been in illegal occupation of 38,000 sq km of Indian territory."

In the wake of the controversy, while noting that Aiyar had subsequently apologised "unreservedly" for using the term "alleged invasion mistakenly", Congress's Jairam Ramesh also accused Prime Minister Narendra Modi of giving a "clean chit" to the Chinese for their incursions in May 2020.The Chinese invasion of India that began on October 20, 1962 was for real. So too were the Chinese incursions in Ladakh in early May 2020 in which 20 of our soldiers were martyred, and the status quo disturbed," he tweeted late Tuesday night."The outgoing PM, however, gave a clean chit publicly to the Chinese on June 19th 2020, seriously weakening our negotiating position.

Student Activist Sharjeel Imam Gets Bail In 2020 Sedition Case

New Delhi: Nearly four-and-a-half years after he was arrested on charges of delivering inflammatory speeches, activist Sharjeel Imam was granted bail by Delhi High Court today. Sharjeel Imam had challenged a trial court order that refused him bail and argued that he had already undergone more than half of the maximum sentence he can be awarded if he is convicted in the case.

A research scholar with Jawaharlal Nehru University, he was arrested in January 2020 after a sedition case was registered against him for an alleged call to cut off the Northeast from the rest of India. The remarks were made amid protests against the Citizenship Amendment Act. Cases against the activist were registered in several states, including Delhi, Assam, Manipur, Arunachal Pradesh and Uttar Pradesh.According to Delhi Police, Sharjeel Imam made divisive speeches at events in Jamia Millia Islamia University and at Aligarh Muslim University. He was allegedly one of the organisers of the protest at Delhi's Shaheen Bagh against the new citizenship law.

Arguing before the high court bench of Justice Suresh Kumar Kait and Justice Manoj Jain, the prosecution said Sharjeel Imam had allegedly threatened to cut off the North East from the country in his speeches. Imam was charged under the IPC section relating to sedition, and Section 13 of the Unlawful Activities (Prevention) Act was also invoked.Seeking bail, the activist told the court that the maximum sentence under Section 13 of UAPA is seven years and he has already been in custody for over four. A trial court had earlier refused him bail, noting that an accused's custody could be extended in "exceptional circumstances".

Key conspirator in Rohingyas, Bangladeshi trafficking case arrested

New Delhi: The National Investigation Agency (NIA) on Tuesday arrested a Tripura resident for allegedly trafficking Bangladeshi nationals and Rohingyas into the country through the north-eastern borders. The accused identified as Jalil Miah, a key conspirator, was carrying a cash reward of Rs 1 lakh, according to the NIAAt least 33 people have been arrested in the case and 24 accused have been chargesheeted so far by the NIA, which had taken over the case from Assam Special Task Force (STF) last year.

According to NIA, investigations have revealed that a large number of Bangladeshi nationals and Rohingyas are being trafficked to India every month through the porous stretches of the Indo-Bangladesh border and are transported to different parts of the country and provided fake documents and forced into labour.

"The NIA had in February declared a cash reward of Rs 1 lakh for information leading to the arrest of Jalil, who was absconding in the case, in addition to nine others," an NIA spokesperson said.The NIA said Jalil was a close associate of chargesheeted accused Jiban Rudra Pal alias Jibon alias Suman.

Jalil was also closely associated with two other absconders, Juj Miah and Shanto, all hailing from Tripura. He had managed to escape during the initial operation on November 8, 2023, in which 29 accused were arrested," the spokesperson said, adding that electronic devices and other incriminating documents seized from his residence had pointed to his complicity.

"A subsequent crackdown on December 29 last year had led to the arrest of another four accused in the case, exposing a massive network of human traffickers…The manhunt for tracking the other absconders is continuing," said the spokesperson.

In the searches conducted across the nation in November 2023, the NIA had seized incriminating data, including digital devices, along with foreign currency (Bangladeshi Taka and US Dollar), Aadhaar cards, PAN cards etc.

"A subsequent crackdown on December 29 last year had led to the arrest of another four accused in the case, exposing a massive network of human traffickers. The manhunt for tracking the other absconders is continuing and investigations are in progress to connect the missing links in the elaborate racket," the spokesperson said.

Delhi Fire Services getting 200 calls daily amid intense heatwave

New Delhi: With temperatures hovering around 48 degrees Celsius in Delhi in the past two weeks, the Delhi Fire Services has been receiving an average of 200 calls daily. Last year, the fire department received about 160 calls daily during this period.Till May 26 this year, the fire department has received 2,991 fire-related calls. In winters, only 70 to 80 calls are received on average.With Delhi reeling undr severe heatwave conditions in the past two weeks, fire-related incidents have been reported in residential areas, hospitals, and parking lots.Atul Garg, Delhi Fire Service chief, attributed the increase in fire incidents to excessive use of air conditioning (AC) units without proper maintenance.Earlier on Saturday night, 7 newborn babies were killed after a children's hospital

in east Delhi's Vivek Vihar was engulfed in a massive fire.

RISING FIRE INCIDENTS

Atul Garg stressed proper maintenance of electrical appliances at homes, factories, and institutions. He said electrical load and wiring should be checked regularly."Get the wiring checked to see if it can withstand increased load or not. Geysers run for only a short time in winters, whereas ACs run 24/7 in summers. As the load increases, wiring may not be able to handle it. Install local MCBs in heavy equipment as they provide immediate tripping," he stated.

WATER SHORTAGE

In the wake of the heatwave, water supply in many parts of the city will be based on demand. Areas that used to receive water twice a day will now only get it once, with the remaining water being diverted to areas with higher demand.

Exclusive - "India's Elections Most Eco-Friendly": Poll Body Chief Rajiv Kumar To

New Delhi: The ongoing Lok Sabha polls is probably the 'hottest' election in India's history, thanks to the scorching heathe elections, however, are definitely the most eco-friendly elections that have been ever held in the world's largest democracy and Indians should be proud of that fact."Reduce, Reuse and Recycle" is an integral motto for environmentally sound election management practices, asserts the Election Commission of India (EC).

"Thanks to many environment friendly initiatives undertaken by the Election Commission of India, there is no doubt that the 2024 General Elections are the eco-friendly elections. Other than saving of huge paper due to use of EVMs, electronic means of filing complaints, directions were given for no use of single use plastic in electoral process," said Chief Election Commissioner Rajiv Kumar"India has now set a new global benchmark for holding environmentally sustainable elections with a low carbon footprint'. Many eco-friendly polling stations were also set up" said Mr Kumar.Rajiv Kumar has been at the helm since 2022 and holds a master's degree in sustainability among his many qualifications. Mr Kumar has worked in the Ministry of Environment and Forests, and was part of National Mission on Afforestation.His other colleagues are also technocrats with green ideas: Dr Sukhbir Singh Sandhu is a medical graduate and Shri Gyanesh Kumar is a trained civil enineer from IIT-Kanpur.The use of 5.6 million EVMs in the elections has saved thousands of tonnes of paper. Each machine has a life of 15 years and easily three Parliamentary elections can be conducted using the same machines, in addition to three assembly elections. This makes the EVMs highly environmentally sustainable.That paper wastage has been avoided is another positive aspect of deploying EVMs.

As per the Narrative Report of 17th Lok Sabha General Elections 2019 - which refers to General Elections 2004 - replacing the erstwhile voting method of using ballot papers, 1.075 million EVMs were used in 543 Parliamentary and 697 Assembly Constituencies making 14th General Elections fully electronic for the first time.The use of EVMs in General Elections 2004, it states, saved around 1,50,000 trees which would have been cut for production of about 8000 tonnes of paper for printing the ballot papers if traditional system of ballot box was adopted.During the period from 2004 to 2024 the elector base has increased from about 67.1 crores to 96.9 crores, i.e. an increase of 44.5%. Going by this, we may estimate that the use of EVMs in the ongoing Lok Sabha Elections, 2024 has contributed to the savings of about 11,520 tonnes of paper and prevented cutting down of about 2.15 lakh trees. This is a whopping lot paper.

Sikkim High Court introduces menstrual leave policy for its women employees

New Delhi. In a first-of-its-kind move, the Sikkim High Court has introduced a menstrual leave policy for its women employees in the registry. In a notification on May 27, the Sikkim High Court registry stated that women employees may avail "2-3 days of menstrual leave" in a month.However, such leave would only be granted on the prior recommendation of the Medical Officer of the High Court. "This leave will not be counted against the employee's overall leave account," the notification stated.The Sikkim HC, the country's smallest High Court, has three judges, with just 9 officers in the registry including one woman officer, as per the High Court website.The Sikkim High Court is the first High Court to introduce a menstrual leave policy. Currently, there is no national policy or law for menstrual leave.In February 2023, the Supreme Court declined to hear a petition seeking menstrual leave for students and working women in the

country, stating that it was in the domain of policy and not for them to decide. The bench led by Chief Justice of India D Y Chandrachud recommended that the petitioner file a representation with the Union Ministry of Women and Child Development instead.

In December 2023, Minister of Women and Child Development Smriti Irani opposed a menstrual leave policy. Though Irani said she believes "menstruating and menstrual cycle is not a handicap", she expressed concern that "equal opportunities just because somebody who does not menstruate has a particular view towards menstruation."In the same month that year, the Ministry of Health and Family Welfare formulated a draft Menstrual Hygiene policy which stated that work-from-home or support leaves should be available to women so that there is no discrimination against them.

Mercury crosses 50°C in north, central India, heavy rain in Northeast kills 35

While many parts of northern and central India reeled under extreme heatwave conditions, heavy rain and thunderstorms triggered by Cyclone Remal left at least 35 people dead in northeastern states.

New Delhi: Many parts of northern and central India were in the grip of extreme heatwave conditions on Tuesday with the mercury touching 50 degrees Celsius in Rajasthan's Churu and Haryana's Sirsa and settling nine notches above normal in Delhi.At least three weather stations in Delhi recorded maximum temperatures of 49 degrees Celsius or more. Mungeshpur and Narela in Delhi clocked 49.9 degrees, followed by Najafgarh at 49.8 degrees Celsius, the India Meteorological Department (IMD) said.

"Today, heatwave to severe heatwave conditions prevailed over most parts of Rajasthan, Haryana-Chandigarh-Delhi, in many parts of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and in isolated pockets of Bihar and Himachal Pradesh," the weather department said.huru in Rajasthan was the hottest place in the country with a maximum temperature of 50.5 degrees Celsius, followed by Sirsa-AWS in Haryana (50.3 degrees Celsius), Mungeshpur and Narela (49.9 degrees Celsius), Najafgarh (49.8 degrees Celsius), Sirsa (49.5 degrees Celsius), Ganganagar in Rajasthan (49.4 degrees Celsius), Pilani and Phalodi in Rajasthan and Jhansi (49 degrees Celsius).The scorching heat prompted the Haryana government to advance summer vacations in all state-run and private

schools to Tuesday.The IMD has said respite from the heatwave conditions could be in sight after May 30."Expect relief from the heat wave in northwest and central parts of the country after three days due to a western disturbance and moisture incursion from the Arabian Sea. There could be some thunderstorm activity in northwest India and rain in the western Himalayan region," IMD chief Mrutyunjay Mohapatra said.

Similarly, IMD scientist, Dr Naresh Kumar said, "Yesterday, there were extreme temperatures. Heatwave to severe heatwave situation is prevailing in many states. Today, these extreme temperatures will persist. We have issued a red alert in western Rajasthan, Punjab, Haryana, UP and MP. After this, the temperatures will gradually fall. The severity of the heatwave will decrease from tomorrow onwards... In the coming 4 days, the temperature will decrease... The impact of western disturbance will be seen in the western Himalayan region... In the coming 24 hours, Kerala could witness the onset of monsoon."

HEAVY RAIN DUE TO CYCLONE REMAL KILLS 35

Heavy rain and thunderstorms triggered by Cyclone Remal left at least 35 people dead in northeastern states, including Mizoram, the worst-hit, with dozens still missing.Hundreds were forced to take shelter in relief camps as rain destroyed homes and knocked down power lines.

At least 25 people, including 14 in a stone quarry collapse, were killed in Mizoram on Tuesday due to landslides and incessant rain in the aftermath of cyclone 'Remal', the state disaster management authority said.

NEWS BOX

20 passengers dead after bus falls into ravine in Pakistan

Quetta A speeding passenger bus crashed off a mountainous highway and fell into a ravine in southwest Pakistan early Wednesday, killing at least 20 passengers, police and government officials said.Local police officer Asghar Ali said the accident happened in Washuk town as the bus was travelling from Turbat, the second-largest city in Balochistan province, to Quetta, the provincial capital.Local media pictures showed the wreckage at the bottom of a rocky ravine.Interior Minister Mohsin Naqvi expressed sorrow over the accident.

Road accidents are common in Pakistan, where traffic rules and safety standards are sparsely followed, even on battered roads in particularly rugged areas.At least 20 people were killed and another 30 were injured earlier this month in a similar incident.

Tourists in Japan poke holes in newly erected barrier blocking Mount Fuji view

World. Eager to witness Japan's Mount Fiji, tourists have started pricking holes in a huge black screen erected last week to prevent overcrowding at a popular panoramic spot.

Soon after discovering the holes, officials on Tuesday stated that they had started to repair them, news agency Associated Press (AP) reported.The installation of the black screen at Fujikawaguchiko, a popular spot for capturing photos of the iconic mountain, was completed last week. However, the next day, officials found a hole in it, and by Tuesday they discovered around 10 similar holes, the size of which was apt for a camera lens to see through.The black mesh screen was put up as locals complained about visitors who were trespassing and breaking the traffic rules in an attempt to shot perfect photos of the mountain for their social media posts.A highly popular spot for capturing photos is situated outside a Lawson convenience store, offering a view where photographs taken from a particular angle create the illusion of Mt. Fuji resting atop the store roof.

The security guard stationed at the store, where, after the locals complained, the viewing spot was blocked off, stated that small holes began appearing in the morning and evening while no one was watching.

Speaking with AFP, the security guard stated: “It’s about manners. It’s a shame."

After inspecting the holes, a town official stated that he attempted to put a camera against the hole but was not able to capture a perfect shot. “Did I take a good picture? In fact, I think the net came into the frame,” the official was quoted as saying by The Independent in its report.The town spent 1.3 million yen ($8,285) to set up an 8.2-foot-high black mesh net extending 20 meters (66 feet), along with extra fences along the sidewalk.

Officials noted that the installation of the screen has aided in easing congestion in the vicinity.

Over-tourism has emerged as a pressing concern in various other renowned tourist spots like Kyoto and Kamakura.

Robert F Kennedy Jr opposes removal of Confederate statues amid White House bid

Phoenix, Independent presidential candidate Robert F. Kennedy Jr. has condemned the removal of Confederate statues, saying he had a “visceral reaction against" the destruction of monuments honoring southern leaders from the Civil War.

Robert E. Lee, the top Confederate general, had “extraordinary qualities of leadership" that deserve to be celebrated, Kennedy said Friday in an interview for the Timcast IRL, which is hosted by conservative podcaster Tim Pool.“There were heroes in the Confederacy who didn’t have slaves,” Kennedy said in response to a question about the monuments. “And, you know, I just, I just have a visceral reaction to this destroying history. I don’t like it. I think we should celebrate who we are. And that, you know, we should celebrate the good qualities of everybody.”Celebrating only people who were “completely virtuous” would mean erasing all of history, Kennedy said.The comment

is another controversial pronouncement from the former Democrat, who is waging an uphill battle to become the first person since George Washington to be elected president without a political party affiliation.Kennedy, who is trying to stitch together a coalition of Americans disaffected with both major parties, has promoted himself as a fierce advocate for free speech who is willing to take controversial stands. Allies of both Joe Biden and Donald Trump, the presumptive Democratic and Republican nominees, respectively, view Kennedy with trepidation and worry that Kennedy will earn enough support to tilt the election.Activists have pushed for years to remove monuments and rename buildings that honour leaders of the Confederacy, calling them symbols of racism.“We need to be able to be sophisticated enough to live with, you know, our ancestors who didn’t agree with us on everything and who did things that are now regarded as immoral or wrong, because they, you know, maybe they had other qualities,” Kennedy said.

Georgian parliament votes against president's veto of foreign agents bill

Tbilisi, Georgia. Georgia's parliament voted on Tuesday to override a presidential veto of a bill on "foreign agents" that has plunged the South Caucasus country into crisis, ignoring criticism from the West which says the legislation is authoritarian and Russian-inspired.The vote to ignore the objections of Georgian President Salome Zourabichvili, whose powers are mostly ceremonial, sets the stage for the speaker of parliament to sign the bill into law in the coming days.In an address after the vote, Zourabichvili, who is trying to broker an alliance of opposition parties to contest parliamentary elections on Oct 26, said ruling party lawmakers had chosen "Russian slavery", and encouraged people to vote them out at the polls.The dispute about the draft law has come to be seen as a key test of whether Georgia, for three decades among the most pro-Western of the Soviet Union's successor states, would maintain its Western orientation, or pivot instead to Russia.

The bill would require organisations receiving more than 20 per cent of their funding from overseas to register as "agents of foreign influence", while also introducing punitive fines for violations, as well as onerous disclosure requirements.The Georgian government says the bill is necessary to promote transparency and to stop what it describes as a plot by Western countries to drag Georgia into a war with Russia.Thousands of opponents of the bill gathered outside the fortress-like parliament building during voting on Tuesday for the latest in a series of demonstrations that are among the largest in Georgia since it won independence from Moscow in 1991 as the Soviet Union crumbled.Protester Giorgi Amzashvili said lawmakers who had voted to override the president's veto were "the most treacherous people in our history"."A disastrous day in our lives, in Georgian history. I struggle to remember anything like this," he saidLarge numbers of riot police were deployed around the parliament building, where they have used teargas, pepper spray and watercannon against protesters in recent weeks.EU 'DEEPLY REGRETS' OVERRIDING OF VETOThe United States, Britain and the European Union have all criticised the bill, which Georgian opposition groups have dubbed "the Russian law", saying it is modelled on Russian legislation used to target opponents of President Vladimir Putin's Kremlin.Russia is unpopula among many Georgians for its support of the breakaway regions of Abkhazia and South Ossetia, with public opinion broadly supportive of membership in the EU and NATO.The United States has threatened to sanction Georgian officials who vote for the bill, a major turnaround in U.S. policy towards what had been among the most pro-Western countries to emerge from the Soviet Union.The EU said in a statement that it "deeply regrets" the vote to override the veto and was "considering all options to react to these developments.

North Korea sends balloons with trash across border, Seoul calls it 'dangerous'

Seoul, South Korea accused North Korea on Wednesday of sending a large number of balloons across the heavily fortified border between the countries to drop objects that included trash and excrement, calling the act base and dangerous.The military's explosives ordnance unit and chemical and biological warfare response team were deployed to inspect and collect the objects, and an alert was issued warning residents to keep away and report any sightings to authorities.By Wednesday, more than 150 balloons had been detected, with some landing on the ground while others were still in the air, local media reported, citing military sources.Balloons have regularly been sent the other way by South Korean activists, often led by North Korean defectors.Those balloons carry leaflets with messages critical of Pyongyang, stirring tension between the neighbours, including incidents when the North reportedly tried to shoot them down.Photographs

released by the South Korean military on Wednesday showed inflated balloons with plastic bags tethered to them.

Other images appeared to show trash strewn around collapsed balloons, with the word "excrement" written on a bag in one photograph.On Sunday, North Korea's vice defence minister issued a statement vowing to exercise "strong power for self-defence" and warned that "mounds of waste-paper and filth" would be sent to the South in response to its flying "dirty things" to the North.

North Korea has reacted angrily to South Korean activists' balloons, which also carry information about the democratic society in the South and even USB memory sticks wth K-pop music videos.Previous South Korean governments have sought to stop activists from conducting such campaigns, arguing they did not help advance peace and endangered the safety of residents near the border.A ban on balloon launches introduced in 2021 was later ruled unconstitutional by a top court, which said it violated freedom of speech.The two Koreas' large militaries face off across the military border and North Korea routinely threatens to annihilate its neighbour.Peter Ward, a research fellow at the Sejong Institute, said sending balloons was a far less risky than taking overt military action.

"These kinds of grey zone tactics are more difficult to counter and hold less risk of uncontrollable military escalation, even if they’re horrid for the civilians who are ultimately targeted," he said.

Jaishankar on India's permanent UNSC seat bid: 'Have to keep exerting pressure'

World. External Affairs Minister S Jaishankar on Tuesday stated that India is exerting pressure to get a permanent membership in the United Nations Security Council (UNSC).While interacting with intellectuals in Shimla, he stated, “Regarding UNSC's permanent membership, our aim is to get it as soon as possible. But, this target won’t be achieved that soon. Because the permanent members still enjoy a lot of clout. Whether it’s the Ukraine or Gaza, they have dealings amongst themselves on issues that affect the whole world. So, they won’t want it (number of permanent members) to become six, seven or eight."So, if we have to come, we will have to make everyone aware, putting pressure and persuading them, only then will we achieve our target,” he was quoted as saying by news agency ANI in its report.Jaishankar recalled that India had an opportunity to get a permanent membership at UNSC, however, it let go of the chance.“50 years ago, we had the opportunity, but the then-government didn’t accept it. They

didn’t think the matter is of that priority. But, today, I think the situation is favourable for usâ€æ If you ask developed countries, they consider India as a very reliable partner,” he said.

He further highlighted that no elections are conducted at the United Nations regarding the selection of permanent members of the UNSC.

“Today we are having elections here, but they have blocked the elections in the UN. If the polls don’t happen, how will it be decided? Their intention is to keep it blocked, and our intention is to keep exerting pressureâ€æ Today, we are number one in terms of population, fifth in terms of economy and will become third,” he added.INDIA NEEDS STRONG LEADERSHIP AMID ONGOING CONFLICTS: JAISHANKAR

India needs a strong leader and a stable government amidst ongoing global conflicts, stated External Affairs Minister S Jaishankar.

He highlighted the tensions in the Russia-Ukraine and Israel-Gaza-Iran conflicts, emphasising the necessity for India to convey its strong leadership amid such circumstances.“The world is in a tense situation and the ongoing conflicts would not end so quickly and .

Putin warns of 'serious consequences' if Ukraine hits Russia with Western arms

Moscow Russian President Vladimir Putin warned the West on Tuesday that Nato members in Europe were playing with fire by proposing to let Ukraine use Western weapons to strike inside Russia, which he said could trigger a global conflict.More than two years into the deadliest land war in Europe since World War 2, as the West considers what to do about Russian military advances, Putin is increasingly evoking the risk of a global war, while Western leaders play it down.Nato Secretary General Jens Stoltenberg told the Economist that alliance members should let Ukraine strike deep into Russia with Western weapons, a view supported by some European members of the transatlantic alliance but not the United States.Russian forces have advanced into Ukraine’s Kharkiv province safe in the knowledge that Ukraine cannot attack missile launchers being fired deep inside Russia because it cannot use the Western missiles that have the required range.Meanwhile, Western-made air defences cannot attempt to down Russian rockets until they cross the Ukrainian border, only 25 km (15 miles) or so from Ukraine’s second city, Kharkiv.“Constant escalation can lead to serious consequences,” Putin told reporters in Tashkent in Uzbekistan.“If these serious consequences occur in Europe, how will the United States behave, bearing in mind our parity in the field of strategic weapons?”

It’s hard to say – do they want a global conflict?”Putin said Ukrainian strikes with long-range weapons would need Western satellite, intelligence and military help – so the West would have to be directly involved in such attacks.

He said sending French troops to Ukraine would also be a step towards global conflict and that smaller countries considering deeper involvement “should be aware of what they are playing with” as they had small land areas and dense populations.

“This is a factor that they should keep in mind before talking about striking deep into Russian territory. This is a serious thing, and we are of course watching it very closely,” Putin said.

RUSSIAN ADVANCES TRIGGER DEBATE IN WEST

Russia’s full-scale invasion of Ukraine in 2022 touched off the worst breakdown in relations with the West for 60 years.The invasion has caused the deaths of tens of thousands of Ukrainian civilians, driven millions to flee abroad, and reduced neighbourhoods and .

Why 'All Eyes on Rafah' is trending as Israel ramps up offensive on Gaza city

- "All Eyes on Rafah" — the phrase flooded social media on Tuesday as many people from across the world came out in support of Palestinians residing in Rafah city, located in war-torn Gaza.

World All Eyes on Rafah" – the phrase flooded social media on Tuesday as many people from across the world came out in support of Palestinians residing in the southern Gaza city where Israel is conducting a massive ground operation.

Israeli shelling and airstrikes, over the weekend, killed at least 45 people, most of them sheltering in tents, in the southern Gaza City of Rafah. The strike, which Gaza medics said also left hundreds of civilians with shrapnel and burn wounds, was launched late on Sunday and drew condemnation from world leaders.Israeli forces pressed their assault on the border town despite an order last week from the top UN court to halt its operation there.Israel, meanwhile, called the loss of life "a tragic accident" and its army said its munitions alone could not have caused the deadly blaze, adding that it had targeted and killed two senior Hamas militants in the strike.The attack triggered global outrage against Israel, with many people taking to social media to post against the deadly attack.

“All Eyes on Rafah” is a phrase that refers to the ongoing genocide in Rafah, Gaza, with over 1.4 million Palestinians seeking shelter, Iran's Embassy in India posted on X.The image, seemingly AI-generated, depicts tents in a camp arranged to spell out “All Eyes on Rafah,” an area in the south of Gaza filled with refugee tent camps. The phrase is meant as a request for bystanders to not look away from what’s happening in the city of Rafah—where as many as 1.4 million people are sheltering after fleeing from violent fighting elsewhere in Gaza—as Israel continues its offensive.

The slogan likely originated from a comment by Rick Peeperkorn, director of the WHO’s Office of the Occupied Palestinian Territories, who said in February, "All eyes are on Rafah," after Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu ordered an evacuation plan for the city ahead of planned attacks on what he claims are the last Hamas strongholds.

A number of influencers, celebrities in India, including actors Varun Dhawan, Aly Goni, Samantha Ruth Prabhu and Tripti Dimri, posted “All Eyes on Rafah” graphics to their Instagram stories.

Support groups like Save the Children, Oxfam, Americans for Justice in Palestine Action, Jewish Voice for Peace and the Palestine Solidarity Campaign have also adopted the slogan.

The hashtag #AllEyesOnRafah has over 195,000 posts and millions of views on TikTok, and it was trending on Instagram on Tuesday with nearly 100,000 posts.

NEWS BOX

Rohit Sharma at 3 or 4: Wasim Jaffer wants Virat Kohli, Jaiswal as T20 World Cup openers

New Delhi . Wasim Jaffer reckoned that Yashasvi Jaiswal and Virat Kohli should open the batting for India in the upcoming T20 World Cup 2024 in the West Indies and United States of America (USA). Jaffer reckoned that Rohit should bat at either No.3 or 4 bearing in mind that he is a brilliant player of quality spin-bowling. The veteran said that batting at No.4 should not be a concern for a batter of Rohit's class.Rohit does not have the worst of records while batting at No.3 and 4. In 12 T20Is in those positions, the Indian skipper has scored 315 runs at an average of 39.37 with 4 half-centuries to his name. His top score of 79 not out came while batting at No.3 in the 2010 T20 World Cup match against Australia at the Kensington Oval. Jaffer put forth his options on 'X' regarding Rohit and Kohli's batting positions."Kohli and Jaiswal should open in the World Cup imo. Rohit & SKY should bat 3 and 4 depending on the start we get. Rohit plays spin really well so batting at 4 shouldn't be a concern," Jaffer wrote.

How Jaiswal, Kohli has performed as T20I openers?

As far as Kohli is concerned, he has tasted success as an opener, having scored 400 runs from 9 games at an average of 57.14 with a top score of 122 not out against Afghanistan in the Asia Cup 2022 match at the Dubai International Cricket Stadium. Jaiswal, on the other hand, has a T20I hundred to his name while opening the batting against Nepal in the Asian Games 2023 last year.

India's campaign in the upcoming T20 World Cup is scheduled to start on June 5 with their match against Paul Stirling's Ireland. They will also play a warm-up match against Bangladesh on June 1.

Haris Rauf says injury layoffs a blessing in disguise before T20 World Cup

New Delhi. Pakistan fast bowler Haris Rauf has said that his injury layoff before the T20 World Cup 2024 was a blessing in disguise. Rauf, who skipped the Australia Test series in December 2023 after the World Cup was once again injured during the Pakistan Super League, played earlier this year. Pakistan were forced to have a camp to focus on the fitness of their players, where Rauf had trained as well.The right-arm fast bowler returned to the national set-up alongside regulars Naseem Shah, Shaheen Afridi and the returning Mohammed Amir. Rauf spoke about the benefits of the layoff ahead of the abandoned 3rd T20I match against England.

"I was injured the last few months but if you believe in yourself, then the layoff can be a blessing in disguise," he said at a press conference ahead of Pakistan's third T20I against England.Because you have time to recover and reassess your game plans. I felt good coming back to cricket. When you play for your country, it makes you very proud," Rauf further added.

Babar Azam backs Haris Rauf

Rauf missed the home series against New Zealand and then the away series against Ireland and would be raring to go in the T20 World Cup. Rauf's raw pace could be a double-edged sword for Pakistan in the flat decks of the United States of America. Speaking about the mental aspect of the recovery process, Rauf said that it was difficult to maintain his peak pace and accuracy but be believed that he would return to his best soon.

Team India warm up with light training session in bright and sunny New York

NEW DELHI. The Indian team had its first training session in the USA before their campaign in the T20 World Cup 2024. Skipper Rohit Sharma, Shubman Gill, Vice-captain Hardik Pandya, Sanju Samson, Shivam Dube, Suryakumar Yadav, Ravindra Jadeja and Rishabh Pant amongst others trained hard on a bright and sunny day in New York.

The first batch of Indian cricketers left for NY on May 25 while the second batch departed after the Indian Premier League (IPL) final on Sunday, May 26 between KKR and SRH. Virat Kohli, however, is yet to join the national team. The players looked in a jolly mood as they sweated it out on the ground.We came in day before yesterday, and we just eased into our routines here. The idea was to just get used to the time zone. Today, we are having our first ground session," Soham Desai, the strength and conditioning coach of the Indian team, said.

Bumrah, Suryakumar, Jadeja and Hardik shared their excitemnt of playing cricket in the USA."We have not yet played cricket. We have come here for a team activity. Hopefully, it will be good. The weather is really good, so looking forward to it," Bumrah said."It's exciting to be here in New York. It has a good vibe, bright sun out," Hardik said."First time we are going to play in New York, and it's going to be super super fun," Jadeja said."I heard that cricket is growing in the USA and so, we are really excited. First day here was amazing, so very excited for the next few days," Suryakumar said.On Saturday, June 1, Rohit's India will be up against Najmul Hossain Shanto's Bangladesh at the Nassau County International Cricket Stdium in New York.

India's opening match in the World Cup is against Ireland on Wednesday, June 5 at the same venue.

T20 World Cup 2024, Group D Preview: Bangladesh, Sri Lanka promise thrilling contest

New Delhi . South Africa, Sri Lanka and Bangladesh are expected to compete for the 2 spots from Group D in the Super 8 when the T20 World Cup 2024 starts on June 1. However, the Netherlands and Nepal are no pushovers. Bangladesh recently lost to the USA 1-2 in the bilateral series and Najmul Hossain Shanto's men need to pull a rabbit out of the hat.

Sri Lanka lost their warm-up match to the Netherlands and their confidence would have hit rock-bottom after the defeat. The Netherlands can be giant killers, having also beaten South Africa in the previous edition of the T20 Wrld Cup. The Proteas have a bunch of explosive cricketers and are also strong contenders to get their hands on the title.

Here's how the individual teams line up

NetherlandsThe Netherlands showed in the ODI World Cup that they can give the best of sides a run for their money. Although they do not have Colin Ackermann and Roelf van der Merwe in their squad, the Dutch are more than good enough to compete. Sybrand Engelbrecht, who once played U19 cricket for South Africa, played for the Netherlands in the ODI World Cup and would be looking to replicate something similar even in the 20-over format.

Bas de Leede and Logan van Beek remain their key all-rounders. Max O'Dowd is their stalwart in the top-order. Paul van Mekeeren will lead their pace attack.

Netherlands squad for T20 World Cup

Scott Edwards (c), Aryan Dutt, Bas de Leede, Kyle Klein, Logan van Beek, Max O'Dowd, Michael Levitt, Paul van Meekeren, Ryan Klein, Saqib Zulfiqar, Sybrand Engelbrecht, Teja Nidamanuru, â â Tim Pringle, Vikram Singh, Viv Kingma, Wesley Barresi

Fixtures

vs Nepal – Tue, 4 June, Dallas
vs South Africa – Sat, 8 June, New York
vs Bangladesh – Thu, 13 June, St Vincent
vs Sri Lanka – Sun, 16 June, St Lucia

Nepal

Nepal will depend heavily on their quartet of Dipendra Singh Airee, skipper Rohit Paudel, Kushal Malla and pacer Sompal Kami. Airee holds the record for the fastest T20 fifty off 9 balls and is also amongst the batters to have hit 6 sixes in an over. He can also bowl handy off-breaks with 37 wickets to his name. Malla held the record for the fastest T20I century off 34 balls before Namibia's Jan Nicol-Loftie Eaton broke it.

Karan KC is their leading wicket-taker with 90 scalps from 68 matches. Abinash Bohara is also a crucial member of their setup with 74 wickets. The focus will also be on Lalit Rajbanshi and the

Nepal squad for T20 World Cup

Rohit Paudel (c), Aasif Sheikh, Anil Kumar Sah, Kushal Bhurtel, Kushal Malla, Dipendra Singh Airee, Lalit Rajbanshi, Karan KC, Gulshan Jha, Sompal Kami, Pratis GC, Sundeep Jora, Abinash Bohara, Sagar Dhakal, Kamal Singh Airee

Fixtures

vs Netherlands – Tue, 4 June, Dallas
vs Sri Lanka – Tue, 11 June, Florida
vs South Africa – Fri, 14 June, St Vincent
vs Bangladesh – Sun, 16 June, St Vincent

South Africa

South Africa is one of the full-member nations to not have won the T20 World Cup title even once. Quinton de Kock has retired from ODIs, but remains a vital cog for the Proteas in T20Is. Heinrich Klaasen is fresh from playing some stupendous knocks for SRH in the IPL and the knocks should keep him in a positive frame of mind. The onus will also be on Tristan Stubbs and David Miller in the middle-order.

Anrich Nortje's form is concerning as the pacer is yet to find his feet after an injury layoff. Kagiso Rabada needs to stay in form as he is the leader of the pace attack. Keshav Maharaj and Tabraiz Shamsi are their specialist spin duo.South Africa squad for T20 World Cup

Aiden Markram (c), Ottniel Baartman, Gerald Coetzee, Quinton de Kock, Bjorn Fortuin, Reeza Hendricks, Marco Jansen, Heinrich Klaasen, Keshav Maharaj, David Miller, Anrich Nortje, Kagiso Rabada, Ryan Rickelton, Tabraiz Shamsi, Tristan Stubbs.

T20 World Cup: Will Jacks shares learnings from RCB teammate Virat Kohli

New Delhi. England batter Will Jacks has talked about his learnings from Virat Kohli in the Indian Premier League. Jacks, who batted alongside Kohli in a riveting win against GT, has said that Virat Kohli's intensity is unmatched in the nets and the actual game. Speaking to Sky Sports during England's washed out game against Pakistan, Jacks has hailed Kohli for maintaining his intensity over such a long career

Jacks scored a sensational century while batting alongside Kohli in the GT game, which has also been hailed as one of the best chases in the recently concluded edition of the IPL. Jacks hailed Kohli's attitude towards training and said that Kohli's planning during his batting innings was something to learn from.

"I think, firstly his attitude towards training. Every day is a day to get better. And that was really obvious. Some guys say it is harder to do that but with him, it was very obvious. And the way he goes into the game. Every ball, 100 per cent intensity. When I batted with him in a chase, it was how he picked out how to do the chase. It was not just going ball by ball, looking ahead, really to see where he could plan and take risks at a certain time," Will Jacks told Sky Sports.

ICC T20 World Cup: Teams, Full Schedule and Match Timings

T20 World Cup: India, Pakistan take centre-stage in Group A

Jacks concluded by saying that Virat Kohli motivates the youngsters in the team with his work ethic. Kohli was the face of the RCB team that made an incredible turnaround in the Indian Premier League. After losing 7 out of their first 8 matches, the team went on a fairytale run to reach the playoffs of the tournament."He has done it for such a long time and I can appreciate that as a young guy who often does not want to do the hard yards, but you see him doing it and want to copy that," Jacks concluded on the matter.The England batter has been named in England's T20 World Cup squad. He is expected to form a crucial part of the team's title defence in USA and the West Indies.

New Zealand leave for T20 WC, child stars Angus, Matilda bid them special goodbye

New Delhi. Child stars Angus and Matilda bid the New Zealand team a special goodbye for the T20 World Cup 2024 in the Caribbean and the United States of America (USA). Last month, the kids announced the Black Caps squad after the New Zealand board chipped in with something unique. They were present at the airport when the Kiwis were about to depart.

Angus and Matilda also interviewed a few of the cricketers. Daryl Mitchell appreciated them for the way they named the national squad for the multi-nation mega event."Good job on making the team," Matilda replied.

'Can we come with you?'

The kids also had a fun conversation with New Zealand captain Kane Williamson, asking him to take them along with the team.

"What movies are you going to watch in the flight," Angus asked the New Zealand skipper to which Williamson replied 'Dune', a popular American science fiction film.

"Can you sneak us onto the plane in one of your bags? Can we come with you?" Angus and Matilda said. Williamson replied in the affirmative, although jokingly.Later, all-rounder Rachin Ravindra also had a chat with them before the team went to catch their flight.

Back in 2021, New Zealand got close to

winning the T20 World Cup, but lost to Aaron Finch's Australia at the Dubai International Cricket Stadium. Last time, they made their way through to the semi-final before losing to Babar Azam's Pakistan.

The Kiwis are scheduled to start their campaign on Friday, June 7 against Rashid Khan's Afghanistan at the Providence Stadium in Guyana. Like some of the other teams, New Zealand would not play any warm-up matches.Recently, the Black Caps drew their T20I series against Pakistan 2-2, although most of their players from their current squad were unavailable.

'Fiesty' Harshit Rana targets India call-up after successful IPL 2024

KKR fast bowler Harshit Rana has said that his next dream is to play for India. Rana was one of KKR's best players in the title-winning IPL 2024 season.

NEW DELHI. KKR fast bowler Harshit Rana is targetting the Indian team after a triumphant Indian Premier League campaign. Rana was one of the key stars in KKR's title-winning run in the 2024 season. Rana, who majorly bowled in the back end of the innings picked 19 wickets from just 13 matches. It was an eventful season for the passionate fast bowler, who was banned for one match for his flying kiss celebration.Rana, in an interview with Indian Express, Rana said that his dream was to wear the Indian jersey and it did not matter in which format it came in.I want to get that Indian jersey). It doesn't matter if I get it in the T20Is, the ODIs or in the whites," Harshit Rana told Indian Express.ICC T20 World Cup: Teams, Full Schedule and Match Timings

WORKING WITH BHARAT ARUN

Rana spoke about his bowling this season and said that working under Bharat Arun was a blessing. Rana said that Bharat Arun's inputs were less technical and more on the mental side of things. Rana was efficient with his off-cutters in the back end of the innings, which sort of turned out to be his trademark delivery. Rana won KKR their tournament opener against SRH. Rana was once again effective in the middle phase of the game in the final of the tournament, bagging the wicket of in-form Nitish Kumar Reddy.Rana had bowled multiple slower balls and changed it up with a blistering 146KMPH delivery against Reddy, catching his outside edge.

"I loved working with Bharat sir. He is an excellent listener. If I am trying to say something he will always listen. Tactically he doesn't speak much but he gives you that mental boost. He told me that I am playing in the IPL because I have the required skill set. But just having skills will not help me play for India. I must start delivering in the difficult overs for my team and that would make me a better bowler than the rest," Rana said in the interview.

FLYING KISS CELEBRATION

Asked about his ban and the flying kiss celebration after winning the IPL, Rana said that it was Shah Rukh Khan's idea.

"After I got banned for one match, I was very sad and then Shah Rukh sir came to me and said 'Tu tension mat le ye waali celebration Trophy ke saath karenge (We will celebrate the IPL with a flying kiss).

Sunil Chhetri posts emotional message on Instagram ahead of final match with India

NEW DELHI. India football team captain Sunil Chhetri is set to retire on June 6. India's FIFA World Cup qualification match against Kuwait will be Chhetri's final outing with the national team and it will bring curtains to a storied career. Chhetri, who has the fourth-highest goal in the history of international matches took to Instagram to share a powerful message with his fans.Chhetri in his message said that every training session from here on carries a deep meaning for him and that he was indebted to the sport of football and the Indian national team."These last few days, I've been caught in a bit of a dilemma. Now that there's a number to my days with the National Team, what's the right route to take - do I count every day, every training session? Or do I simply turn up without the thought of how this is coming to an end?" Sunil Chhetri wrote on Instagram.

Sunil Chhetri farewell: India name squad

Chhetri has played 150 matches for India, scoring 94 goals in a career spanning nearly 20 years. Sunil Chhetri will hang up his boots in the city where he began his top-flight football career for Mohun Bagan. Chhetri went on to become one of the most influential Indian footballers, with the most caps for India.Over time, I seemed to have found middle ground. They say, count your blessings. And every single day I get to be on the pitch is a blessing that I've never taken for granted. So I've decided to count my sessions, but with a deep sense of gratitude. There's no apprehension. Instead, there's a feeling of being indebted to the sport, to my team, that I get to do this," he further added.

"If I could, I would capture this feeling in a box. Or instead, I'll take it to my next training session," Chettri concluded his post.The legendary footballer had announced his retirement via a 10-minute long video on Instagram expressing his gratitude to the sport and the fans. Head coach Igor Stimac had hoped that Indian fans would pack the Salt Lake Stadium in Kolkata for Sunil Chhetri's final international match.

"I am sure that our supporters will reach Kolkata from all parts of India to help our boys win the game and say thanks and goodbye to Sunil. I am very confident it's going to be emotional and hopefully, we will find a way to celebrate together after the final whistle," he said in a release from the All India Football Federation. The team has been in training camp here for about two weeks. The first week was primarily about increasing fitness as the players approached the finish of a demanding season. It consisted of many physical exams and aerobic exercises. "The boys are doing well. It has been proven more than once that a long camp always helps us. We are working on various aspects of the game, both offensive and defensive," the head coach had said via an AIFF press release.

Priyanka Chopra

Takes a Selfie With Daughter Malti at an Airport, Calls Her 'Best Travel Partner'

Daughter Malti Marie is Priyanka Chopra's best travel partner. On Tuesday, PeeCee took to her Instagram handle and dropped an adorable video featuring Malti too. In the clip, the mumma-daughter duo was seen taking a flight as they enjoyed some quality time together.The video began with a glimpse of an aeroplane's touchdown. It then featured Malti looking out of a window at an airport. The clip also featured Priyanka recording a selfie video as Malti sat next to her, playing. In the caption of her video, the global icon wrote, "Touchdown..The Bluff. With the best travel partner ever." Watch it here:

Priyanka Chopra married Nick Jonas in December 2018 and the couple welcomed their daughter, Malti Marie Chopra Jonas via surrogacy in January 2022. PeeCee was speaking to Quint Neon when she was asked how she balances her work and motherhood duties. The actress shared that even she was raised by a working woman and added that it has greatly helped her take care of Malti."I was raised by a working mom and my mom's sisters were working moms. Even the moms who are not working (hold a job) are working all day. Working women don't get enough credit… you have to surround yourself with a village, you have to make sure that you find a supportive partner. I have so many people around my daughter, but I still feel guilty when I go to the set," Priyanka said.

Meanwhile, on the work front, Priyanka Chopra was most recently seen in the romantic drama Love Again, alongside Sam Heughan and Celine Dion. Her next film, the action-comedy Heads of State, stars Idris Elba and John Cena. In addition, she will star in Frank E Flowers' film, The Bluff. It will also feature Karl Urban.Besides this, Priyanka Chopra also has a Bollywood film in her pipeline. She will soon be seen in Farhan Akhtar's Jee Lee Zara with Alia Bhatt and Katrina Kaif in the lead. While fans are waiting eagerly for this collaboration, the film has been delayed due to reasons that aren't known.

Nargis Fakhri

Praises Ranbir Kapoor's Animal: 'Way He Explored Alpha Energy Was Impressive'

Nargis Fakhri made her debut with Ranbir Kapoor in the film Rockstar. Their onscreen chemistry was loved by fans. Well, recently, she was praising Ranbir Kapoor's performance in his latest movie Animal. Fakhri even showered praise on Sandeep Reddy Vanga and expressed her desire to work with him.Talking to Filmfare, Nargis also mentioned the directors she wants to work in the future. "I love how the character was sketched for Ranbir Kapoor in Animal. The way he explored alpha energy was truly impressive! And look at how well he drafted characters for even the females in his film. Even though they weren't the 'leads', they had the juiciest parts too," she shared, further expressing interest in working with Rajkumar Hirani. "I feel his films are like a breath of fresh air that's loaded with light-hearted moments. Lastly, I'd also like to work with Kabir Khan, and his high-octane action films like Ek Tha Tiger. I admire his passion for storytelling."Coming to Animal, the film also stars Anil Kapoor, Rashmika Mandanna, Triptii Dimri and Bobby Deol. Released on December 1, 2023, Animal revolved around a man and his toxic relationship with his father. The film showed Vijay (played by Ranbir) as an anti-hero who would go to any lengths to protect his father, including gun down 200 people with machine gun. However, despite his efforts, he struggled to get a seal of approval from his emotionally unavailable father.

While Animal was a box office success which earned over Rs 900 crore worldwide, it was also questioned by many for being 'misogynistic'. The film sparked a debate on social media, with many slamming the director for his portrayal of Vijay.Director have already announced the sequel Animal Park. "This is going to be bigger and wilder than Animal," Vanga said as quoted by E-Times and then added, "The shooting of the film will begin by 2026."

Actor Varun Tej To Get Leg Surgery After Injury: Reports

The Mega family of the country receives the utmost love and attention from fans across the world. The Chiranjeevi clan grabs the spotlight for various reasons. One of the famed heroes of the family is Varun Tej, son of Telugu actor and filmmaker Nagendra Babu and nephew of superstar Chiranjeevi. His wedding with actress Lavanya Tripathi had everyone's attention. Now, the actor has grabbed headlines this time after reports emerged that he might need surgery.

The rumour mills are strife with reports that Varun Tej will be undergoing an operation. Reportedly, he had sustained a small injury on his leg and now, it has become serious for which the doctors suggested surgery to treat it. While there has been no official confirmation regarding the same, fans are left worried.Varun Tej first marked his debut as a child artist in his father's film, Hands Up at the age of ten. Finally, as an adult, he made his debut with Mukunda opposite Pooja Hegde. He has till now worked in films like Fidaa, Loafer, Mister, F3: Fun and Frustration and Gandeevadhari Arjuna, to name a few. He was last seen in the film Operation Valentine opposite Manushi Chhillar directed by Shakti Pratap Singh Hada.

Talking about his personal life, Varun Tej first met Lavanya Tripathi on the sets of the film Mister and eventually fell in love with each other. They worked on the film Antariksham 9000 KMPH in 2018. In 2023, the couple got engaged in June and tied the knot in November in Tuscany, Italy. After a grand reception, the couple jetted off for their honeymoon. As per sources, the newlyweds enjoyed the snow-capped mountains in Finland.

Currently, Varun Tej is gearing up for his upcoming film, Matka, a period drama written and directed by Karuna Kumar. It also stars Meenakshi Chowdary, Nora Fatehi, Naveen Chandra and others.

Vidya Balan Dances With Aditya Roy Kapur, Hubby Siddharth To Jumma Chumma In Viral Video

What happens when a family of actors and producers hit the dance floor? The Roy Kapur brothers can show you! A new video online features Aditya Roy Kapur, Siddharth Roy Kapur, Kunaal Roy Kapur, and Vidya Balan dancing together.Speculated to be at a family wedding, the four are seen busting moves to the chartbuster "Jumma Chumma De De." The video, going viral on Reddit, starts with Vidya and her producer husband Siddharth dancing to the line, "Arey tu boli thi, pichle jumme ko." Aditya then jumps in, matching their playful energy as the song continues. Just before the famous hook line drops, Aditya pulls his elder brother, Kunaal, onto the dance floor. The three brothers and Vidya Balan then nail the iconic Amitabh Bachchan hook step from the song.

Vidya Balan met Siddharth Roy Kapur at a party at Karan Johar's house back in 2010. In her words, the filmmaker played Cupid as he intentionally invited the two of them as he wanted them to end up together. After dating for a bit, the lovebirds tied the knot in December 2012 in a private ceremony and nearly 12 years later, they're still going strong. In an exclusive chat with News18 Showsha, Vidya said she considers herself fortunate to have found her soulmate without having 'to go through the grind of swiping right and left'.

She tells us, "A lot of people even from our generation swipe right and left. But I just got lucky that I found a partner before Tinder and Bumble boomed and I'm very happy about that. Love will always remain love even. It's what makes the world go round and round. It's just that people have gotten so spoilt for choice in every area of their lives that they're wanting to keep their options open even in terms of relationships."She added that what makes her even luckier is the fact that her husband belongs to the same line of work as her. "The positive side is that he understands what it takes to do what I do. So, he's very supportive and accepting.